खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 04 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-122

पाकिस्तानियों से शादी कर भारत के लिए खतरा बन रही भारतीय लड़कियां

गर्व और गर्भ पाकिस्तान का, भोजन और लाभ हिंदुस्तान का!

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ कड़ा रुख अपनाने में भारत सरकार के समक्ष भारतीय महिलाएं ही बाधा बन रही हैं। जो भारतीय महिलाएं पाकिस्तानियों से निकाह कर अपने बच्चों के साथ भारत में ही रह रही हैं, उन्हें यहां से खदेड़ने में तमाम मानवीय और कानूनी मुश्किलें पेश आ रही हैं। ये महिलाएं भारत में महिलाओं के चल रही लाडली बहन जैसे तमाम योजनाओं का लाभ भी उठा रही हैं, सपरिवार मुफ्त अनाज भी खा रही हैं और भारत के साथ उनकी कोई सहानुभूति भी नहीं रह गई है। इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि पाकिस्तानियों से निकाह करने वाली अधिकांश भारतीय महिलाएं अपने बच्चों की पाकिस्तानी नागरिकता की पक्षधर हैं। लिहाजा, भारतीय महिलाएं ही भारत के लिए भीषण खतरा बन रही हैं।

भारत सरकार ने देश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत छोड़ने का नोटिस जारी किया है। इस आदेश के तहत सार्क वीजा धारक पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत छोड़ने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल 2025 तय की गई थी। मेडिकल वीजा पर आए लोगों को 29 अप्रैल तक प्रस्थान करना अनिवार्य किया गया था। नोटिस में प्रस्थान के लिए कुल 12 वीज़ा श्रेणियों को शामिल किया गया, जिनमें आगमन पर वीज़ा, व्यवसाय, फिल्म, पत्रकार, पारगमन, सम्मेलन, पर्वतारोहण, छात्र,

आगंतुक, समूह पर्यटक, तीर्थयात्री और समूह तीर्थयात्री वीज़ा शामिल हैं। यह भी प्रावधान किया गया कि भारत में निर्धारित समय से अधिक ठहरने, वीजा शर्तों का उल्लंघन करने या प्रतिबंधित क्षेत्रों में अवैध रूप से प्रवेश करने पर तीन साल तक की जेल और 3 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ये प्रावधान सभी पाकिस्तानी नागरिकों के लिए लागू होंगे। लेकिन इस कदम का विरोध वे भारतीय मुस्लिम महिलाएं कर रही हैं जो रहती भारत में हैं लेकिन खुद को आधी पाकिस्तानी बताती हैं क्योंकि उन्होंने पाकिस्तानियों से शादी कर रखी है। सीमा सील किए जाने और निष्कासन आदेशों के बीच ऐसी तमाम महिलाओं ने भारत सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

लाडली बहन, मुफ्त अनाज जैसी योजनाओं का लाभ भी उठा रहीं

उधर, डबल गेम चल रहा है। भारतीय पासपोर्ट धारक महिलाओं को पाकिस्तान प्रशासन अपने देश में प्रवेश से रोक रहा है, विशेषकर उन महिलाओं को जो पाकिस्तानी पुरुषों से विवाहित हैं। ऐसे मामलों में विवाह के तुरंत बाद महिलाएं पाकिस्तानी पासपोर्ट के लिए पात्र नहीं होतीं, आमतौर पर उन्हें नागरिकता के लिए नौ साल तक इंतजार करना पड़ता है। इस अवधि में उसका पति यहां आता रहता है और महिला के बच्चे पैदा होते रहते हैं। विडंबना यह है कि उन बच्चों को पाकिस्तानी वीजा मिल जाता है लेकिन महिला को पाकिस्तानी वीजा नहीं मिलता। कई महिलाओं ने दावा किया है कि उनके नागरिकता आवेदन पिछले दस वर्षों से लंबित हैं। अटारी-वाघा सीमा पर जारी तनाव और विरोध के बीच अधिकांश महिलाओं ने अपने बच्चों, जो पाकिस्तानी पासपोर्ट रखते हैं, उन्हें अपनी ग़ैर-मौजूदगी में पाकिस्तान भेजने से इन्कार कर दिया है।

24 अप्रैल से शुरू हुए चार दिनों के भीतर कम से कम 537 पाकिस्तानी नागरिक जिनमें नौ राजनयिक अधिकारी शामिल हैं, भारत से अटारी-वाघा सीमा के ज़रिए पाकिस्तान भेजे गए। इसी अवधि में 850 भारतीय नागरिक पाकिस्तान से भारत लौटे, जिनमें 14 राजनयिक अधिकारी शामिल थे।

▶10पर

सुरक्षा प्रक्रिया में भी घुसपैठ कर रहा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति से लेकर संसद तक के कार्यक्षेत्र में घुसपैठ करने वाला सुप्रीम कोर्ट अब देश की सुरक्षा संवेदनशीलता में भी बेजा हस्तक्षेप करने पर आमादा है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने के भारत सरकार के आदेश में भी सुप्रीम कोर्ट ने घुसपैठ करते हुए मानवीय पहलू का रोना रोकर भारत सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि जांच पूरी होने तक उन्हें पाकिस्तान न भेजा जाए।

पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) से यहां आकर बस गए, शादी कर ली और चार-चार बच्चे पैदा कर लिए। लेकिन अब वे पाकिस्तान वापस नहीं जाना चाहते। इसमें सुप्रीम कोर्ट को मानवीय पहलू नजर आ रहा है। जो लोग पहलगाम हमले में मारे गए उनका मानवीय पहलू सुप्रीम कोर्ट को कतई नहीं दिखता। बस सुप्रीम कोर्ट ने अपना फरमान जारी कर दिया कि जांच पूरी होने तक उन्हें पाकिस्तान नहीं भेजा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे आधा दर्जन लोगों के परिवार को पाकिस्तान भेजने पर रोक लगा दी है। उन्हें पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश छोड़ने को कहा गया था। इस तरह, सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश ऐसे कई मामलों पर लागू हो जाएगा और भारत सरकार का आदेश टांय टांय फिस्स साबित हो जाएगा। पाकिस्तान-परस्त ताकतें यही चाहती हैं। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी जोड़ दिया कि अगर जांच के बाद भी इन लोगों को भारत सरकार डिपोर्ट करने का फैसला लेती है तो वह जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह नायाब मानवीय फैसला तारिक अहमद बट की याचिका पर आया।

पाकिस्तान पर आर्थिक शिकंजा कसने को तैयार आईएमएफ

पाकिस्तान को मिले ऋण के इस्तेमाल की होगी समीक्षा

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

आतंकी गतिविधियों में खर्च कर रहा है ऋण का पैसा

भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के समक्ष पाकिस्तान को दिए गए ऋण पर चिंता जताई है, साथ ही इसकी समीक्षा करने की मांग की है। पाकिस्तान ऋण से मिले पैसों का इस्तेमाल आतंकी हमलों और आतंकवादियों को पालने-पोसने में कर रहा है। आईएमएफ का कार्यकारी बोर्ड विस्तारित वित्तपोषण सुविधा की पहली समीक्षा के लिए 9 मई को पाकिस्तानी अधिकारियों से मुलाकात करने वाला है। आईएमएफ बोर्ड अपने जलवायु लचीलापन ऋण कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान के लिए 1.3 अरब डॉलर की नई व्यवस्था का मूल्यांकन करेगा। साथ ही वह पहले जारी 7 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज का भी आकलन करेगा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठा चुकी भारत सरकार अब आतंकवाद के पनाहगाह पर आर्थिक शिकंजा कसने की तैयारी में है। इस रणनीति के तहत भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को दिए गए ऋणों की समीक्षा करने को कहा है। साथ ही उसने पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे-सूची में शामिल कराने की कोशिश तेज कर दी है। एफएटीएफ की ग्रे-सूची में शामिल होने और आईएमएफ के ऋण मंजूरी नहीं देने से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका लगेगा। पाकिस्तान आईएमएफ से मिले ऋण के पैसों का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों में कर रहा है।

पिछले साल एशियाई विकास बैंक ने पाकिस्तान को 764 सार्वजनिक क्षेत्र के ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई थी। इसकी कुल कीमत 43.4 अरब डॉलर है। इसके अलावा इस साल जनवरी में विश्व बैंक ने पाकिस्तान के लिए 20 अरब डॉलर के ऋण पैकेज को मंजूरी दी थी, ताकि नकदी की कमी से जूझ रहे देश को अपनी चुनौतियों से उबरने में मदद मिल सके। भारत एशियाई विकास बैंक और विश्व बैंक से पाकिस्तान को दी जाने वाली आर्थिक मदद और ऋण पर पुनर्विचार करने को कहेगा। भारत का कहना है कि पड़ोसी मुल्क अंतरराष्ट्रीय मंचों से मिलने वाली आर्थिक सहायता और ऋण का उपयोग भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों में करता है।

भारत ने पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे-सूची में शामिल कराने की अपनी कोशिश शुरू कर दी है। वैश्विक संस्था एफएटीएफ मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण पर नजर रखती है। इसकी बैठक अगले महीने जून में होनी है। एफएटीएफ का फैसला लेने वाला निकाय प्लेनरी साल में तीन बार फरवरी, जून और अक्टूबर में बैठक करता है। इनमें सदस्य देश एक दूसरे के कामकाज की समीक्षा करते हैं। इन रिपोर्ट के आधार पर किसी देश को ग्रे या ब्लैक सूची में डाला जाता है। ग्रे-सूची में उन देशों को डाला जाता है, जो पैसों की हेराफेरी करते हैं और आतंकवाद को रोकने संबंधी नियमों का पालन करने में नाकाम रहते हैं।

ग्रे-सूची में शामिल होने पर पाकिस्तान के वित्तीय मामलों की ज्यादा निगरानी रखी जाएगी। साथ ही उसे आईएमएफ, विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसे संगठनों से ऋण लेने में दिक्कत आएगी। इसके अलावा उसका निवेश और व्यापार भी प्रभावित होगा। वैसे भी पाकिस्तान का एफएटीएफ की ग्रे-सूची से पुराना नाता है। वह इस सूची में शामिल होता रहा है। उसे पहली बार 2008 में इस सूची में डाला गया था।

▶10पर

आतंकवाद के खिलाफ एकमत हैं भारत और अंगोला

आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

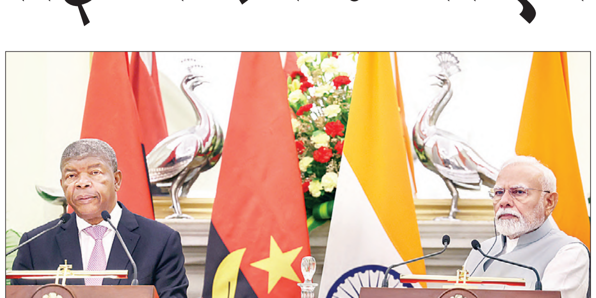

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला की संवेदनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ लोरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद संबोधन में यह बात कही। आतंकवाद के मुद्दे पर पीएम मोदी ने कहा, हम एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति जोआओ लोरेंको और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया। हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा, 140 करोड़ भारतीयों की ओर से, मैं अंगोला को अफ्रीकन यूनियन की अध्यक्षता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकन यूनियन को जी 20 की स्थायी सदस्यता मिली। भारत और अफ्रीका के देशों ने कोलोनियल शासन के खिलाफ एक सुर में आवाज उठाई थी। एक दूसरे को प्रेरित किया था। आज हम ग्लोबल साउथ के हितों, उनकी आशाओं, अपेक्षाओं और

पाकिस्तान से आने वाले सभी डाक और पार्सल पर रोक

आकांक्षाओं की आवाज बनकर एक साथ खड़े रहे हैं । अंगोला के राष्ट्रपति भारत दौरे पर हैं। शनिवार को अंगोला के राष्ट्रपति के साथ साझा प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा, मैं राष्ट्रपति लोरेंको और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूं। यह एक ऐतिहासिक पल है। 38 वर्षों के बाद, अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है। उनकी इस यात्रा से, न केवल भारत-अंगोला संबंधों को नई दिशा और गति मिल रही है, बल्कि भारत और अफ्रीका साझेदारी को भी बल मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, इस वर्ष, भारत और अंगोला अपने राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। लेकिन हमारे संबंध, उससे भी बहुत पुराने हैं, बहुत गहरे हैं। जब अंगोला आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था, तो भारत भी पूरी आस्था और मित्रतापूर्ण संबंधों के साथ अंगोला के साथ खड़ा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी है कि अंगोला की सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 20 करोड़ डॉलर की डिफेंस क्रेडिट लाइन को स्वीकृति दी गई है। रक्षा प्लेटफॉर्म्स की मरम्मत और बदलाव और सप्लाई पर भी बात हुई है। अंगोला की सशस्त्र सेनाओं की ट्रेनिंग में सहयोग करने में हमें खुशी होगी। साथ ही डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेस तकनीक, क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अंगोला के साथ अपनी क्षमताएं साझा करेंगे। हम स्वास्थ्य, डायमंड प्रोसेसिंग, फर्टिलाइजर और अहम खनिज क्षेत्रों में भी सहयोग मजबूत करेंगे। दूसरी तरफ पाकिस्तान को एक और झटका देते हुए भारत सरकार ने पाकिस्तान से आने वाली सभी प्रकार की डाक और पार्सल सेवाओं पर ▶10पर

चाहे दुबई से आए या श्रीलंका से

भारत में नहीं होगी पाकिस्तानी माल की एंट्री

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने पाकिस्तान में बनी कोई भी वस्तु या पाकिस्तान के जरिए निर्यात हुई किसी भी चीज के आयात और निर्यात पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया जा रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से 2 मई 2025 को अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना में बताया गया कि भारत सरकार ने यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा और पब्लिक पॉलिसी संबंधी बातों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह पाकिस्तान से अब किसी तरह की साझेदारी नहीं रखेगा। इस आदेश को लागू करने के लिए 2023 की विदेशी व्यापार नीति (एफटीपी) में एक प्रावधान जोड़ा गया है। जिसके तहत अगले आदेश तक पाकिस्तान से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयात प्रतिबंधित रहेगा। इससे पहले तक कई बार पाकिस्तानी सामान श्रीलंका और दुबई जैसी जगहों के रास्ते भारत आ जाता था। यह फैसला पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने लिया है। भारत ने सिंधु जल संधि भी निलंबित कर दी है।

विझिंगम पोर्ट का निर्माण कर सिंघम साबित हुए अडाणी

लाभकारी, विकासकारी और प्रभावकारी विझिंगम

तिरुवनंतपुरम, 03 मई (एजेंसियां)।

भारत विरोधी शक्तियां विझिंगम ट्रांसशिपमेंट पोर्ट को अडाणी के हाथ नहीं जाने देना चाहती थी। इसीलिए अडाणी के खिलाफ षडयंत्र रच कर उस व्यापारिक समूह का विरोध किया जा रहा था। इस षडयंत्र में भारत विरोधी अमेरिकी डीप स्टेट और भारत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शामिल थे। विझिंगम पोर्ट का निर्माण भारत के लिए बेहद लाभकारी और वैश्विक स्तर पर भारत का प्रभाव कायम करने वाला साबित हुआ है। विझिंगम पोर्ट से हर साल 1800 करोड़ से अधिक की बचत होगा और दुबई-सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग पर निर्भरता खत्म होगी।

विझिंगम एक डीप वाटर पोर्ट है, यानि यहां के आसपास का समुद्र 18-20 मीटर गहरा है। यह गहराई बड़े समुद्री जहाजों के पोर्ट पर आने के लिए जरूरी होती है। विझिंजम को ट्रांसशिपमेंट पोर्ट की तरह विकसित किया गया है। ऐसे पोर्ट पर बड़े जहाज माल लेकर आते हैं और फिर वह दूसरे छोटे जहाजों में भरा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार 2 मई को केरल के तिरुवनंतपुरम में विझिंजम पोर्ट को देश को समर्पित किया। पीएम मोदी के साथ इस दौरान केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और इस पोर्ट को चलाने वाली कंपनी अडाणी पोर्ट्स के मुखिया गौतम अडाणी मौजूद थे। पीएम मोदी ने इस पोर्ट को विकास के नए युग का प्रतीक बताया। पीएम मोदी ने लोकार्पण में इस नए पोर्ट से देश को होने वाले फायदे भी गिनाए और बताया कि कैसे बीते 10 वर्षों में देश में लगातार समुद्री यातायात को लेकर बदलाव लाए गए हैं।

भारत विरोधी नहीं चाहते थे, पोर्ट का ठेका भारतीय को मिले

विझिंगम पोर्ट के लिए बीते तीन दशक से अधिक समय से प्रयास चल रहे थे। हालांकि, इसे पूरा मोदी सरकार के अंतर्गत ही किया जा सका। यह भारत का पहला गहरे पानी वाला पोर्ट भी होने वाला है। इसके अलावा यह केरल की अर्थव्यवस्था को भी तेज रफ्तार देगा।

▶10पर

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने दी चेतावनी

पाकिस्तान जिंदाबाद कहा तो टांगें तोड़ दी जाएंगी

गुवाहाटी, 03 मई (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पाकिस्तान परस्तों को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि जो लोग राज्य में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाएंगे उनकी टांगें तोड़ दी जाएंगी। सीएम सरमा ने यह ऐलान असम के धुबरी में एक रैली में किया है। उन्होंने आतंकियों को सख्त सजा देने की वकालत की। सरमा ने कहा, पाकिस्तानी आतंकवादी आए और निर्दोष लोगों को मार डाला, लेकिन हमारे बीच के कुछ लोग पाकिस्तान जिंदाबाद कह रहे हैं। हमने उनमें से कई को गिरफ्तार किया है और अगर कोई पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाएगा तो हम उसके पैर तोड़ डालेंगे। सीएम सरमा ने कहा, मैंने पुलिस को निर्देश दे दिया है कि आप पाकिस्तान जिंदाबाद कहने वालों के चेहरे न देखें, उन्हें कानून के अनुसार गिरफ्तार करें और उनके पैर तोड़ दें। हमें अपने असम और भारत को मजबूत करना है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे लोग नहीं चाहिए जो भारत का खाकर पकिस्तान की तारीफ़ करते हैं।

ट्रंप प्रशासन डेटा मसले पर जिला अदालत के आदेश के खिलाफ पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

वॉशिंगटन,03 मई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका की एक जिला अदालत के सामाजिक सुरक्षा प्रशासन (एसएसए) के आम नागरिकों से संबंधित संवेदनशील डेटा तक एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के सदस्यों की पहुंच पर रोक लगाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि डीओजीई के सदस्यों को एसएसए के डेटा (रिकॉर्ड) तक पहुंच प्रदान की जाए।

सॉलिसिटर जनरल डी. जॉन सॉयर ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि इस पर तत्काल दखल की जरूरत है। एक जिला न्यायालय ने इस मसले पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध संघीय प्राथमिकताओं को अपूरणीय क्षति पहुंचाते वाला और कार्यकारी शाखा के कार्यों को बाधित करना है। बताया गया है कि ट्रंप प्रशासन ने हाल के हफ्तों में इस तरह के कई आवेदन दायर किए हैं। इनमें गुरुवार को एक आव्रजन मामले में दाखिल किया गया आवेदन भी शामिल है।

ट्रंप प्रशासन के सुप्रीम कोर्ट जाने की खास वजह यह है कि मैरीलैंड में एक संघीय न्यायाधीश ने एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग को यूएस सामाजिक सुरक्षा प्रशासन के पास सुरक्षित लाखों अमेरिकियों के डेटा तक पहुंच प्रदान करने पर कठोर प्रतिबंध लगा दिया है। संघीय न्यायाधीश का मानना है कि एलन मस्क के विभाग ने इस डेटा पर पहुंच बनाकर संघीय गोपनीयता कानून का उल्लंघन किया है।

ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि संघीय न्यायाधीश ने अपने अधिकार क्षेत्र की सीमा लांघी है। उन्होंने डीओजीई को होटल के कमरों में घुसने वाले घुसपैठियों के बराबर माना है, न कि उन कर्मचारियों के रूप में जो एजेंसी की तकनीक को आधुनिक बनाने और कचरे को जड़ से खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

सॉलिसिटर जनरल सॉयर ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि जिला न्यायालयों को राष्ट्रपति और एजेंसी प्रमुखों की सरकार की आवश्यकताओं के बारे में अपने स्वयं के दृष्टिकोण को प्रतिस्थापित करने के लिए गोपनीयता अधिनियम का उपयोग करने में सक्षम नहीं होना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

21 हजार फिट पर पायलट को दिखी उड़न तश्तरी, भारी भरकम विमान पृथ्वी पर आया

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक यूएफओ यानी अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट की तस्वीर सामने आने से सनसनी मच गई। दावा किया जा रहा है कि दूसरे ग्रह से यह 1000 फुट का विमान पृथ्वी पर आया। यह अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र के ऊपर देखा गया। तस्वीर को यूएफओ डिस्क्लोजर एक्टिविस्ट्स द्वारा वाशिंगटन डीसी में आयोजित एक साइंस, नेशनल सिक्योरिटी एंड इनोवेशन नामक पैनल डिस्कशन के दौरान पेश किया गया। तस्वीर में देखा जा सकता है कि इस उड़न तश्तरी के आकार की दिखने वाली चीज की बड़ी सी परछाई जमीन पर नजर आ रही है। यह यूएफओ असली था या नकली। इस बारे में कोई नहीं जानता। ना ही किसी को यह स्पष्ट तौर पर पता है कि यह दूसरे ग्रह की किसी उड़न तश्तरी की तस्वीर है भी या नहीं। हालांकि इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म जरूर हो गया है। इस तस्वीर को पूर्व पेंटागन अधिकारी और विवादित यूएफओ रिसर्चर लुइस ल्यू एलिजोंडो ने पेश किया। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर आज की नहीं बल्कि चार साल पहले यानी 2021 की है, जिसे एक कमर्शियल पायलेट द्वारा लिया गया है। जब फ्लाइट करीब 21,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रही थी, तभी नीचे की तरफ यह यूएफओ उड़ रहा था। तस्वीर में एक चमकीला, सिल्वर रंग का डिस्कनुमा वस्तु दिखाई दी, जिसकी परछाई जमीन पर भी नजर आई। एलिजोंडो ने कहा कि उन्होंने स्वयं यह तस्वीर नहीं ली है। लिहाजा वो खुद इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकते।

मेक्सिको में अपराध के खिलाफ जंग में पूर्व पुलिस अफसर इवान की हत्या

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका में ड्रग्स और कार्टेल हिंसा के खिलाफ लड़ाई के प्रतीक पूर्व अधिकारी इवान मोरालेस कोरालेस की हत्या कर दी गई। मेक्सिको के पूर्व संघीय पुलिस अफसर 43 वर्षीय इवान मोरालेस कोरालेस के वाहन को एक एसयूवी ने टक्कर मारी। इसके बाद बंदूकधारियों ने उन पर एक दर्जन से अधिक गोलियां चलाईं। घात लगाकर किए इस हमले में इवान और एक अज्ञात महिला की मौत हो गई। इवान मोरालेस के परिवार में पत्नी, 9 वर्षीय पुत्र और 4 वर्षीय पुत्री है। खबर के अनुसार, हत्यारों ने उन्हें 30 अप्रैल को निशाना बनाया। वह वर्ष 2015 में सैन्य हेलीकॉप्टर पर हुए हमले में एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति थे। दो सेवानिवृत्त अमेरिकी ड्रग एजेंट्स और मैक्सिकन मीडिया आउटलेट्स के अनुसार, मेक्सिको सिटी से 2.5 घंटे की ड्राइव दूर मोरेलोस राज्य में बंदूकधारियों ने कोरालेस की जान ली। सैन्य हेलीकॉप्टर हमले को गिराए जाने की 10वीं वर्षगांठ पर इवान मोरालेस कोरालेस ने हेलीकॉप्टर हमले का आरोप कार्टेल जलिस्को नुएवा जेनरेशन संगठन पर लगाया था। मेक्सिको में इसे सबसे खतरनाक संगठन माना जाता है। अंदेशा है कि इस संगठन के गुर्गों के हाथों वह मारे गए।

भारत की तैयारियों के बीच डरे पाकिस्तानी अफसरों के मुरझा गए चेहरे

करांची। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के सख्त रुख ने पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया है।

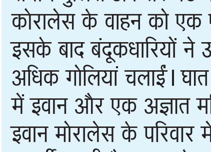

पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की अध्यक्षता में एक विशेष कॉर्प्स कमांडर्स कॉन्फ्रेंस हुई, जिसमें भारत के खिलाफ तीखे बयान तो दिए गए, लेकिन चेहरों की रंगत और माहौल ने उनकी टेंशन साफ जाहिर कर दी। पाकिस्तान आर्मी चीफ असीम मुनीर की सेना के आला अधिकारियों के साथ हुई बैठक की एक तस्वीर आईएसपीआर ने जारी की है। इसमें जनरल असीम मुनीर और दूसरे सैन्य अधिकारियों के चेहरों पर गहरी चिंता साफ दिख रही है। उनके सामने रखी भूरी डायरी और कागजात इस बात का संकेत दे रहे हैं कि भारत की कार्रवाई ने पाकिस्तानी सेना को बैकफुट पर ला दिया है। पाक आर्मी चीफ चाहे जितने भी बड़ी-बड़ी बातें बोल लें, लेकिन इन बयानों के पीछे की टेंशन साफ दिख रही थी। भारत की सैन्य तैयारियों, खासकर एलओसी पर बढ़ती तैनाती और अरब सागर में नौसेना की गतिविधियों ने पाकिस्तानी सेना को परेशान कर दिया है।भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ताबड़तोड़ एक्शन लेते हुए सिंधु जल संधि को संस्पेंड कर दिया और सेना को जवाबी कार्रवाई की खुली छूट दे दी गई है। रावलपिंडी में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में जनरल असीम मुनीर ने सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, पाकिस्तान की सेना अपने लोगों के साथ एकजुट है और मातृभूमि की रक्षा करेगी। इस दौरान उन्होंने भारत पर कई आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से जानबूझकर अस्थिरता फैलाने की कोशिशें नाकाम होंगी।

अमेरिका में येलोस्टोन नेशनल पार्क के पास सड़क हादसा, सात की मौत

वॉशिंगटन,03 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के पहले राष्ट्रीय उद्यान येलोस्टोन नेशनल पार्क के पास यूएस हाइवे-20 पर हुए सड़क हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में छह विदेशी नागरिक और एक स्थानीय पिकअप ड्राइवर शामिल है। विदेशी नागरिक एक वैन में सवार थे। यह हादसा दोनों वाहनों की टक्कर से हुआ। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। स्टेट पुलिस के हवाले से खबर दी है कि यह हादसा गुरुवार शाम 7:15 बजे यूएस हाईवे-20 पर हेनरीज लेक के पास हुआ। इडाहो स्टेट पुलिस ने बताया कि मर्सिडीज पैसेंजर टूर वैन लेक के पास डॉज रैम पिकअप से टकरा गई। वैन में 14 लोग और पिकअप में ड्राइवर था। पुलिस ने बताया कि हादसे में वैन में सवार छह विदेशी नागरिकों और पिकअप ड्राइवर की मौत हो गई। पिकअप ड्राइवर की पहचान हंबल (टेक्सास) के 25 वर्षीय इसाईह मोरेनो के रूप में हुई है। पुलिस ने साफ किया है कि हादसे में मारे गए विदेशी नागरिकों की पहचान हो गई है। फ्रेमोंट काउंटी कोरोनर कार्यालय उनके परिवारों को सूचित करेगा। इसके बाद उनके नाम-पते जारी किए जाएंगे। इडाहो स्टेट पुलिस ने शुक्रवार दोपहर बयान में कहा कि हादसे की भयावहता के कारण इसमें शामिल सभी व्यक्तियों की पहचान और उनके निकटतम रिश्तेदारों को सूचित करने में समय लगेगा। पुलिस ने राहत और बचाव कार्य में राहगीरों की भूमिका की प्रशंसा की है। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना में शामिल सभी लोगों को अस्पताल ले जाया गया। इनमें से तीन को एयर एंबुलेंस से ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, हेनरीज झील वेस्ट येलोस्टोन के मोंटाना से लगभग 17 मील दूर येलोस्टोन नेशनल पार्क के प्रवेश द्वार पर है। दुर्घटना के बाद यूएस हाइवे-20 लगभग सात घंटे तक बंद रहा। येलोस्टोन नेशनल पार्क का बड़ा हिस्सा व्योमिंग राज्य में है। यह मोंटाना और इडाहो राज्यों की सीमाओं तक भी फैला हुआ है। येलोस्टोन पार्क अमेरिका का पहला राष्ट्रीय उद्यान है। 2.2 मिलियन एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले इस पार्क की स्थापना 1872 में की गई थी।

ट्रंप का बड़ा दावाः कहा- अमेरिका के बगराम एयर बेस पर चीन ने कर रखा है कब्जा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि चीन ने जिस बगराम एयर बेस पर कब्जा किया है वो वास्ताव में अमेरिका का है। अमेरिका ने उसे खाली किया था। अमेरिका ने 2021 में खाली कर दिया था। अमेरिका ने अफगानिस्तान में अपने सबसे बड़े 'एयरफील्ड' बगराम को जुलाई 2021 में खाली कर दिया था। उस समय जो बाइडन अमेरिका के राष्ट्रपति थे। ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस को संबोधित करते हुए बृहस्पतिवार को कहा, हम बगराम को अपने पास रखने जा रहे थे, जो बड़ा वायुसेना अड्डा है, जो उस जगह से एक घंटे की दूरी पर है जहां चीन अपने परमाणु हथियार बनाता है। उन्होंने कहा, 'उन्होंने (अमेरिका ने) बगराम को छोड़ दिया और अब चीन ने बगराम पर कब्जा कर रखा है। यह बहुत दुखद है। यह दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक है, दुनिया के सबसे मजबूत एवं सबसे लंबे रनवे में से एक है और यह उस जगह से एक घंटे की दूरी पर है जहां चीन अपनी परमाणु मिसाइल बनाता है। ट्रंप ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व वाले प्रशासन के तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को 'विनाशकारी' बताया। बगराम एयरफील्ड अफगानिस्तान के परवान प्रांत में स्थित है, जो चारीकार शहर से लगभग 11 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व और काबुल से 47 किलोमीटर उत्तर में है। इस एयरफील्ड में 11,800 फुट का रनवे है जो बमवर्षक और बड़े मालवाहक विमानों के परिचालन में सक्षम है। बगराम से एक घंटे की दूरी पर चीन अपनी परमाणु मिसाइलें बनाता हैं और मैंने कहा कि आप बगराम को नहीं छोड़ सकते।

अमेरिका से यूक्रेन को मिलेंगे 310.5 मिलियन डॉलर के सैन्य उपकरण

वाशिंगटन,03 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका और यूक्रेन के बीच हुआ हालिया खनिज समझौता वोलोदिमीर जेलेंस्की के लिए खुशखबरी लेकर आया है। दोनों देशों के बीच इस समझौते पर हस्ताक्षर वेटिकन सिटी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की मुलाकात के बाद हुए थे। इस समझौते के बाद अमिरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को यूक्रेन को 310.5 मिलियन डॉलर के एफ-16 लड़ाकू जेट प्रशिक्षण, रखरखाव और उपकरणों की बिक्री को मंजूरी दी है।

यह हाल ही में हस्ताक्षरित खनिज अधिकार समझौते से संबंधित पहली मंजूरी है। खनिज सौदे के अंतर्गत स्थापित किए निवेश कोष से यूक्रेन को भारी आर्थिक मदद मिलेगी। यूक्रेन को 310.5 मिलियन डॉलर की खरीद में आधी रकम ही चुकानी होगी। आधा पैसा अमेरिका वहन करेगा। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने बयान में कहा कि इससे यूक्रेन की सामरिक क्षमता पहले से कई गुना बढ़ जाएगी। यूक्रेन को पिछली जुलाई में नाटो से एफ-16 और अमेरिका से विमानों के लिए उन्नत हथियार प्राप्त हुए थे। एजेंसी ने कहा कि इससे यूरोप में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। यूक्रेन की सुरक्षा में सुधार होगा। यह बिक्री संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति के लक्ष्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करती है। प्रस्तावित बिक्री से यूक्रेन की मौजूदा और भविष्य की चुनौतियों से निपटने की क्षमता में सुधार होगा। यूक्रेन के पायलट प्रभावी रूप से प्रशिक्षित होंगे।

द्वितीय विश्व युद्ध के विजय की 80वीं वर्षगांठ की परेड

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यूरोप में विजय की 80वीं वर्षगांठ, वीई दिवस 80 परेड के लिए ब्रिटिश सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए अभ्यास करते यूक्रेन के सैन्य कर्मी।

संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय उद्यमी को झूठे केस में गिरफ्तार कराया, तीन लोगों को सजा

अबूधाबी,03 मई (एजेंसियां)।

संयुक्त अरब अमीरात की एक अदालत ने यहां एक भारतीय उद्योगपित को झूठे ड्रग्स केस में फंसाने के आरोप में दो पुरुष और एक महिला को 10 से 15 साल तक के जेल की सजा सुनाई है। दोषियों में से एक व्यक्ति पीड़ित भारतीय उद्योगपित का पार्टनर है। गल्फ न्यूज की खबर में रास अल खैमाह क्रिमिनल कोर्ट के फैसले के हवाले से यह जानकारी दी गई है।

रास अल खैमाह क्रिमिनल कोर्ट ने एसआर नाम के अमीराती व्यक्ति और उसकी पत्नी को 10-10 साल की जेल और 50,000 दिरहम के जुर्माने की सजा सुनाई है। पत्नी के भाई एए को 15 साल की जेल की सजा सुनाई और उस पर 100,000 दिरहम का जुर्माना लगाया। अदालत ने इस केस में दोषी ठहराई गई महिला के भाई को मुख्य गुनहगार माना है। अभियोजन के अनुसार, इन तीनों ने भारतीय उद्यमी के फलते-फूलते व्यापार पर कब्जा करने के लालच में ऐसा किया। एसआर ने अपनी पत्नी के प्रभाव में आकर अपने भारतीय व्यापारिक साझेदार को खत्म करने की योजना बनाई।उन्होंने साझेदार को ड्रग रखने के केस में फंसाने का षड़यंत्र रचा। इसमें एए की मदद ली गई। इसके बाद भारतीय साझेदार के वाहन में ड्रग्स रखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली और भारतीय व्यवसायी को गिरफ्तार कर लिया। अभियोजन के अनुसार, यह केस अदालत में टिक नहीं सका। भारतीय व्यक्ति ने व्यवसाय को लेकर एसआर के साथ चल रहे तनाव का खुलासा किया। तब पुलिस ने जांच की दिशा बदली तो सबकुछ सामने आ गया। कड़ाई से की गई पूछताछ में तीनों ने अपना गुनाह कुबूल कर लिया।

नए आईफोन में खामी, मैलवेयर का खतरा, चेतावनी जारी

दुबई,03 मई (एजेंसियां)।

एप्पल के नए आईफोन में खामी मिलने से मैलवेयर का खतरा बढ़ गया है। मैलवेयर सॉफ्टवेयर में किसी भी कंप्यूटर या अन्य नेटवर्क को नुकसान पहुंचाने की क्षमता होती है। इसे यूजर्स का संवेदनशील डेटा चुराने के लिए डिजाइन किया जाता है। यह वायरस, वॉर्म, ट्रोजन, रैंसमवेयर और स्पाइवेयर के माध्यम से यूजर्स की निजता पर सेंध लगाता है।

न्यूयॉर्क पोस्ट ने इस पर ओलिगो सिक्योरिटी के हालिया शोध पर खबर प्रकाशित की है। इसमें कहा गया है कि नए आईफोन को बेहतरीन स्पीकर और स्मार्ट टीवी पर संगीत, फोटो और वीडियो को सहजता से स्ट्रीम करने की क्षमता से सुसज्जित किया गया है। यह सुविधा यूजर्स के लिए संभावित साइबर सुरक्षा जोखिमों की ओर इशारा करती है।खासकर जब आईफोन को सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क से कनेक्ट किया गया हो। यह एक तरह का एयरबोर्न है।

खबर में कहा गया है कि एयरबोर्न साइबर अपराधियों को एक ही वाई-फाई नेटवर्क पर डिवाइस में घुसपैठ करने की अनुमति दे सकता है। एयरबोर्न हैकर्स को मैलवेयर के माध्यम से यूजर्स के निजी डेटा पर नजर रखने और यहां तक कि वाई-फाई नेटवर्क से कनेक्ट होने पर बातचीत को सुनने की अनुमति देता है। यह वाई-फाई नेटवर्क हवाई अड्डे, कॉफी शॉप या यहां तक कि यूजर्स के कार्यालय के हो सकते हैं।

ओलिगो सिक्योरिटी के शोध में एप्पल के आईफोन में दिए गए एयरप्ले के सॉफ्टवेयर में 23 खामियां मिली हैं। इनमें से दो विशेष रूप से खतरनाक हैं।यह हमलावरों को आईफोन को हथियार बनाने और उसी स्थानीय नेटवर्क पर अन्य डिवाइस में मैलवेयर फैलाने में सक्षम बनाती हैं। शोध में चेतावनी दी गई है कि साइबर अपराधी दुर्भावनापूर्ण कोड निष्पादित करने, यूजर्स की व्यक्तिगत जानकारी चुराने, डिवाइस को क्रैश करने और बातचीत सुनने के लिए एयरप्ले बग का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि एप्पल ने 31 मार्च को अपने आईफोन, आईपैड, मैक और एप्पल विजिन प्रो डिवाइस के लिए सुरक्षा अपडेट जारी किए हैं, लेकिन एयरप्ले का उपयोग करने वाले थर्ड-पार्टी डिवाइस को लेकर अभी भी चिंता बनी हुई है। इसकी वजह यह है कि एयरप्ले को एप्पल सीधे नियंत्रित नहीं करता।

एप्पल के प्रवक्ता ने डेलीमेलडॉटकॉम से कहा कि साइबर अपराधी इन कमियों का फायदा तभी उठा सकते हैं, जब वे उसी वाई-फाई नेटवर्क पर हों। इस टिप्पणी के बाद ओलिगो सिक्योरिटी ने अनुमान जताया है कि लाखों थर्ड-पार्टी डिवाइस असुरक्षित हैं। भले ही यूजर्स का आईफोन पूरी तरह से अपडेट हो, लेकिन उसी नेटवर्क से जुड़ा एक उपेक्षित ब्लूटूथ स्पीकर या स्मार्ट टीवी हैकर्स के लिए बैकडोर का काम कर सकता है।

जैसलमेर में पकड़ा गया पाकिस्तानी जासूस

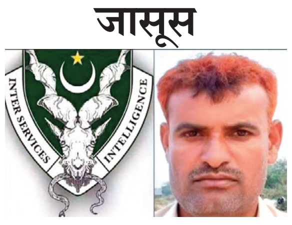

जैसलमेर, 03 मई (एजेंसियां)। जैसलमेर में पाकिस्तानी जासूस पठान खान को गिरफ्तार किया गया। वह बॉर्डर से जुड़ी संवेदनशील और गोपनीय जानकारियां पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को भेजता था। एक महीने से खुफिया एजेंसियां उसके पीछे लगी थीं।

उसे ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 की कई धाराओं के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया गया। पठान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए भारतीय सेना से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को भेजता था। पठान को आईएसआई ने भारतीय सिम कार्ड दे रखा था। जांच में यह भी सामने आया कि पठान खान 2019 में पाकिस्तान गया था। पाकिस्तान में पठान के कई रिश्तेदार रहते हैं। उसी दौरान वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के सम्पर्क में आया था।

जम्मू से रद्द रेलों का परिचालन शुरू, पर कश्मीर अभी रूट में नहीं

जम्मू, 03 मई (ब्यूरो)।

पिछले छह महीनों से जम्मू से चलने वाली जिन दर्जनभर रेलों को जम्मू रेलवे यार्ड की रिमॉडलिंग के लिए रद्द कर दिया गया था, वे अब फिर से शुरू हो गई हैं। पर अभी कश्मीर अभी रेलमार्ग में नहीं जोड़ा गया है। पहलगाम नरसंहार के बाद जम्मू से कश्मीर तक आरंभ होने वाली ट्रेनों का शुभारंभ फिलहाल लटक गया है।

रेलवे ने जम्मू से चलने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को फिर से बहाल कर दिया है। 16 नवंबर, 2024 से शुरू हुए यार्ड रि-मॉडलिंग कार्य के कारण कई ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद या उनके मार्ग में परिवर्तन किया गया था। अब यह कार्य पूर्ण होने के बाद एक मई से इन ट्रेनों का संचालन फिर से शुरू कर दिया गया है। हालांकि, कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को मार्च में बहाल कर दिया गया था, लेकिन अभी भी कई ट्रेनें रद्द ही चल रही थीं। पर पहलगाम नरसंहार के उपरांत कश्मीर के लिए शुरू होने वाली वंदे भारत ट्रेन का परिचालन शुरू होने पर संकट के बादल छा गए हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 19 अप्रैल को हरी झंडी दिखाए जाने वाली हाई-स्पीड वंदे भारत ट्रेन को क्षेत्र में खराब मौसम की चेतावनी सहित कई मुद्दों पर अंतिम समय में रद्द कर दिया गया था। पहलगाम हमले के बाद ट्रेन के उद्घाटन को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद जम्मू कश्मीर में कमजोर रेलवे बुनियादी ढांचे पर आतंकी खतरे की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा प्रमुख प्राथमिकता बन गई है। सुरक्षा प्रतिष्ठान ने घाटी में गैर-स्थानीय कर्मचारियों की महत्वपूर्ण उपस्थिति वाले भारतीय रेलवे को अपने निर्धारित स्थानों से बाहर जाने से बचने की सलाह दी थी।

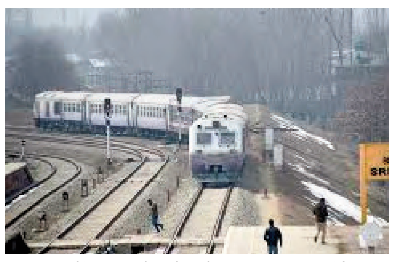

भारतीय रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि अभी परिचालन शुरू करने पर कोई प्रगति नहीं हुई है। हमें लगता है कि अनुकूल माहौल वापस आने तक इसमें तीन महीने तक की देरी हो सकती है। वे कहते थेकि कई मुद्दों पर गौर करने की जरूरत है। इसमें एक प्रमुख सुरक्षा ऑडिट, व्यवहार्यता और बाद में वीआईपी की उपलब्धता शामिल है जो ट्रेन को हरी झंडी दिखा सके।

अब स्थिति यह है कि 270 किलोमीटर में फैली उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक औपचारिक उद्घाटन का इंतजार कर रही है। चार महीने पहले वाणिज्यिक संचालन के लिए मंजूरी मिल गई थी। पूरी रेल परियोजना चार चरणों में पूरी की जा रही है, जिसमें उधमपुर-कटरा (जुलाई 2014 में पूरा हुआ), बनिहाल-काजीगुंड (जून 2013 में पूरा हुआ), काजीगुंड-बारामुला (2009 तक चरणों में) और कटरा-बनिहाल शामिल हैं। कश्मीर घाटी तक सीधा रेल सम्पर्क उपलब्ध कराने के लिए भूकंपीय क्षेत्र 5 और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों और गहरी घाटियों से गुजरने वाले 111 किलोमीटर लंबे बनिहाल-कटरा गलियारे को चालू किया जाना है। जनवरी में हाई-स्पीड वंदे भारत का ट्रायल सफलतापूर्वक किया गया था, लेकिन कश्मीर परिचालन के लिए विशेष रूप से तैयार की गई दो ट्रेनें प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा रद्द होने के बाद जम्मू रेलवे स्टेशन के एक यार्ड में फंसी हुई हैं।

एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि उन्होंने रेलवे अवसंरचना सहित पूरे क्षेत्र में सुरक्षा को मजबूत कर दिया है तथा संवेदनशील स्थानों को सीमा से बाहर कर दिया गया है। इसमें 48 पर्यटन स्थल शामिल हैं, जिन्हें सुरक्षा आडिट के बाद खतरे की आशंका के मद्देनजर एहतियाती उपाय के तौर पर बंद कर दिया गया था। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि क्षेत्र में सुरक्षा की भावना लौटने में कुछ समय लग सकता है और इसके बाद रेलवे भी ट्रेन चलाने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

संजौली मस्जिद का पूरा ढांचा गिराने का आदेश

शिमला, 03 मई (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश के शिमला शहर की संजौली मस्जिद में अवैध निर्माण गिराने के मामले पर शनिवार को नगर निगम आयुक्त कोर्ट में सुनवाई हुई। एमसी आयुक्त कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए मस्जिद की निचली दो मंजिलों को भी अवैध करार देते हुए इन्हें गिराने के आदेश जारी कर दिए हैं। इस तरह अब पूरी पांच मंजिला संजौली मस्जिद अवैध करार दी गई है। इससे पहले कोर्ट ने ऊपरी तीन मंजिलों को अवैध माना था। वहीं निचली दो मंजिलों के राजस्व रिकॉर्ड को लेकर जवाब देने को कहा गया था।

वक्फ बोर्ड दावा कर रहा था कि निचली दो मंजिलें पुरानी हैं और यह बोर्ड की जमीन पर बनी हैं। हालांकि, इसका कोई राजस्व रिकॉर्ड कोर्ट में पेश नहीं किया गया, जिसके बाद शनिवार को कोर्ट ने निचली दो मंजिलों को भी अवैध करार देते हुए इन्हें गिराने के आदेश जारी किए हैं। कोर्ट में वक्फ बोर्ड मस्जिद की जमीन के मालिकाना हक को लेकर दस्तावेज पेश नहीं कर पाया है। संजौली के रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी के अधिवक्ता जगत पाल ने फैसले की जानकारी दी।

कोर्ट ने पिछली सुनवाई में 3 मई तक हर हाल में सारा अवैध निर्माण गिराने और निचली मंजिलों का राजस्व रिकॉर्ड पेश करने के आदेश दिए थे। इसी को लेकर शनिवार को सुनवाई हुई। प्रदेश हाईकोर्ट ने भी छह हफ्ते के भीतर इस मामले की सुनवाई पूरी करने के आदेश दिए हैं। यह समयावधि 8 मई को खत्म हो रही है लेकिन इससे पहले ही मामले में कोर्ट ने अंतिम आदेश पारित कर दिए हैं। उधर, मस्जिद कमेटी ने पहले से अवैध घोषित निर्माण गिराने का काम जोरों से चलाया लेकिन अभी यह पूरा नहीं हुआ है।

झारखंड हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण आदेश

पारसनाथ पहाड़ी पर मांस और शराब बेचने पर रोक

रांची, 03 मई (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार को आदेश दिया है कि पारसनाथ पहाड़ी पर मांस और शराब की बिक्री पर बैन लगाया जाए। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि पारसनाथ पहाड़ी को पर्यटक स्थल की तरह इस्तेमाल न किया जाए।

हाईकोर्ट ने कहा है कि पारसनाथ पहाड़ी एक धार्मिक स्थल है और ऐसे स्थलों पर पहले कई बंदिशें लगाई गई हैं। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इस पहाड़ी पर स्थित स्कूल भी मांसाहारी भोजन नहीं दे सकते। राज्य सरकार को इस पहाड़ी पर सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए भी कहा गया है।

इंडोनेशिया में तीन भारतीयों को सुनाई गई मौत की सजा

हाईकोर्ट ने विदेश मंत्रालय को मदद पहुंचाने को कहा

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने विदेश मंत्रालय को इंडोनेशिया में मौत की सजा पाए तीन भारतीय नागरिकों को कानूनी सहायता देने का आदेश दिया है। तीन भारतीय नागरिकों को मादक पदार्थों से जुड़े अपराध में मौत की सजा दी गई है।

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सचिन दत्ता की पीठ ने कहा कि इंडोनेशिया स्थित भारतीय दूतावास यह सुनिश्चित करे कि दोषियों को अपील करने का मौका मिले।

हाईकोर्ट ने कहा कि उन्हे हर संभव मदद दी जाए और परिवार से बातचीत की सुविधा ही उपलब्ध करवाई जाए। यह निर्देश इंडोनेशिया में सजा पाए राजू मुथुकुमारन, सेल्वादुरई दिनाकरन और गोविंदसामी विमलकंधन की पत्नियों द्वारा याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। इन तीनों को इंडोनेशिया की तंजुंग बलाई करीमुन जिला अदालत ने 25 अप्रैल 2025 को मौत की सजा सुनाई थी।

याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि यह तीनों एक शिपयार्ड में काम करते थे और इंडोनेशियाई नारकोटिक्स विभाग ने उन्हें मादक पदार्थ रखने के आरोप में हिरासत में लिया था। हाईकोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 6 मई 2025 को करेगा।

बिना मंजूरी पाकिस्तानी युवती से शादी करने वाला सीआरपीएफ जवान बर्खास्त

जम्मू, 03 मई (ब्यूरो)। बिना मंजूरी पाकिस्तानी युवती से विवाह करने वाले सीआरपीएफ के जवान मुनीर अहमद को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मुनीर ने न केवल बिना मंजूरी पाक युवती से निकाह किया बल्कि उसे वीजा खत्म होने पर भी अवैध तरीके से घर पर रखा था। अधिकारियों ने कहा कि मुनीर के कार्य को सर्विस कंडक्ट का उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये खतरनाक माना गया जिस कारण यह कदम उठाने की जरूरत महसूस हुई है। मुनीर आखिरी बार देश के प्रमुख आंतरिक सुरक्षा बल सीआरपीएफ की 41वीं बटालियन में तैनात था। आधिकारिक तौर पर बताया गया कि मुनीर को उन नियमों के तहत सेवा से बर्खास्त किया गया है, जिनके तहत जांच करने की आवश्यकता नहीं है। सीआरपीएफ के प्रवक्ता डीआईजी एम दिनाकरन ने कहा कि मुनीर के कार्यों को सेवा आचरण के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक पाया गया।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए सारा जोर दक्षिण कश्मीर पर

जम्मू, 03 मई (ब्यूरो)।

पहलगाम नरसंहार के बाद खुफिया अधिकारियों द्वारा आने वाले दिनों में दक्षिण कश्मीर में आतंकी हमले तेज होने की चेतावनी दी जा रही है। ऐसे में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा चिंता का कारण बनती जा रही है क्योंकि यह दक्षिण कश्मीर में ही सम्पन्न होती है। लिहाजा इसे फूल-प्रूफ बनाने को सेना भी पूरी तरह से मैदान में उतरने की तैयारी में है। उसका सारा जोर दक्षिण कश्मीर में होगा जहां अमरनाथ यात्रा में शामिल होने वाले लाखों श्रद्धालु आएंगें और चिंता की बात यह है कि ताजा आतंकी हमलों, आतंकी गतिविधियों तथा पत्थरबाजों का गढ़ भी हमेशा दक्षिण कश्मीर ही रहा है।

3 जुलाई से आरंभ होने जा रही अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित बनाने हजारों सैनिकों को दक्षिण कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में व्याप्क तलाशी अभियान आरंभ करने की तैयारी करने को कहा गया है। इन अभियानों का लक्ष्य तलाश करो और मार डालो ही होगा। अभी तक यही होता आया था कि सेना अमरनाथ यात्रा की शुरूआत से पहले आतंकियों को क्षेत्र से भगाने का

अभियान छेड़ती थी लेकिन अब रणनीति को बदल दिया गया है। दक्षिण कश्मीर समेत अन्य इलाकों में तेज होते आतंकी हमले आतंकियों की उस हताशा का परिणाम था जो सेना के तलाश करो और मार डालो अभियान से उनमें फैली हुई है। अमरनाथ गुफा के रास्तों पर सेना के जवानों की तैनाती का कार्य विपरीत मौसम के बावजूद इस बार जल्दी ही आरंभ हो जाएगा और सेना तैनाती से पूर्व क्षेत्र को आतंकियों से मुक्त कर लेना चाहती है। पहलगाम नरसंहार के उपरांत यह खतरा और इसलिए बढ़ गया है क्योंकि कहा यह जा रहा है कि पहलगाम नरसंहार के दोषी अभी भी दक्षिण कश्मीर में ही छुपे हुए हैं।

वैसे अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा की खातिर सेना की तैनाती आधिकारिक तौर पर नहीं होगी। सेनाधिकारी कहते हैं कि उनके पास यात्रा के बाहरी इलाकों की सुरक्षा का भार हमेशा की तरह रहेगा। पर सूत्रों के अनुसार, अन्य सुरक्षाबलों को इस बार भी खतरे को भांपते हुए सेना की कमान के तहत ही अमरनाथ यात्रा में कार्य करना होगा। आधिकारिक तौर पर 70 हजार से अधिक अर्द्ध सैनिक बलों को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा की खातिर तैनात किया जाएगा। इनमें सेना के जवानों की गिनती नहीं होगी और न ही प्रदेश पुलिस के जवानों की। सभी को अगर मिला लिया जाए तो अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा की खातिर तैनात किए जाने वाले सुर-क्षाकर्मियों की संख्या एक लाख से अधिक रहेगी। इनकी तैनाती लखनपुर के प्रवेश द्वार से लेकर अमरनाथ गुफा तक के रास्तों पर होगी।

इतने जवानों की तैनाती के बाद भी अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर चिंता हमेशा प्रकट की जाती है। खासकर ताजा टारगेट किलिंग वाले हमलों के बाद। दरअसल पाकिस्तान और आतंकी बौखलाहट में हैं। एलओसी और सीमा पर घुसपैठ के प्रयासों को असफल किया जा रहा है और कश्मीर वादी में आतंकियों को मौत के घाट उतारा जा रहा है। ऐसे में आतंकियों पर उस पार से कुछ बड़ा करने का दबाव बना हुआ है। जबकि डर यह है कि आतंकियों का साथ देने को एक बार फिर पत्थरबाजों की फौज भी उनके साथ हथियार उठा कर मैदान में आ सकती है जिस कारण सुरक्षाबलों पर दोहरा भार आन पड़ा है। जबकि आशंका यह है कि पहलगाम नरसंहार जैसी घटनाओं की भी पुनरावृत्ति हो सकती है।

पहलगाम नरसंहार लील गया कश्मीर का पर्यटन उद्योग

जम्मू, 03 मई (ब्यूरो)।

यह कश्मीरियों की बदकिस्मती ही कही जा सकती है कि पर्यटकों की जबरदस्त भीड़ के कारण जो खुशी उन्हें करीब दो साल से मिल रही थी वह पहलगाम का नरसंहार लील गया है। पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार पूरे क्षेत्र में पर्यटकों की बुकिंग में 90 से 95 प्रतिशत की गिरावट आई है। गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग और श्रीनगर जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल, जो कभी चहल-पहल से भरे रहते थे, अब वीरान हो गए हैं, जिससे पर्यटन पर निर्भर अनगिनत व्यवसाय अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

गुलमर्ग के होटलियर एसोसिएशन के अध्यक्ष आकिब छाया कहते हैं कि जो होटल कभी पूरी क्षमता से संचालित होते थे, वे अब लगभग खाली हो चुके हैं। यह हाल के दिनों में हमारे द्वारा अनुभव की गई सबसे बुरी मार है। हम बड़े पैमाने पर बुकिंग रद्द होते हुए और नई बुकिंग शून्य होते हुए देख रहे हैं। हालत यह है कि पर्यटकों की आवाजाही में गिरावट ने पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र के हर क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। शिकारा संचालक, हाउसबोट मालिक, टट्टू संचालक, टैक्सी चालक और छोटे विक्रेता, जो सभी पर्यटकों की आमद पर निर्भर हैं, अब अपना गुजारा करने के लिए फिर से संघर्ष कर रहे हैं। डल झील पर शिकारा चलाने वाले बशीर अहमद कहते हैं कि यह उद्योग हमें भोजन देता है। अब हम कई दिनों से बिना ग्राहकों के रह रहे हैं। यह सिर्फ वित्तीय नुकसान नहीं है, यह जीवनयापन का भी सवाल है। दहशत को कम करने और पर्यटकों की सद्भावना बनाए रखने के प्रयास में, जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग ने सभी पर्यटन सेवा प्रदाताओं को अग्रिम बुकिंग वाले पर्यटकों को पूरा रिफंड देने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें पर्यटकों और ट्रैवल एजेंसियों दोनों के लिए रद्दीकरण शुल्क माफ करने का निर्देश दिया गया है।

पहलगाम के एक होटल व्यवसायी का कहना है कि हम कश्मीर की छवि को एक मेहमान नवाज जगह के रूप में बनाए रखने की जरूरत को समझते हैं। लेकिन हम सरकार से किसी भी मुआवजे या समर्थन के बिना इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। पर्यटन में गिरावट कई होटल व्यवसायियों और व्यवसाय मालिकों के लिए विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण समय पर आई है, जिनमें से कई ने हाल ही में अपने परिचालन का विस्तार किया था। छाया बताते हैं कि पिछले कुछ साल में बैंक लोन से 500 से ज्यादा नए होटल बनाए गए हैं। अब कोई आय नहीं है। हम ये लोन कैसे चुका सकते हैं? स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है, ऐसे में इस सेक्टर के नियोक्ताओं को डर है कि उन्हें कर्मचारियों को नौकरी से निकालना पड़ सकता है। श्रीनगर के एक होटल मालिक का कहना है कि हम अपने कर्मचारियों को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अगर हालात नहीं सुधरे तो हम उन्हें ज्यादा समय तक वेतन नहीं दे पाएंगे।

पर्यटन, जो जम्मू और कश्मीर के सकल घरेलू उत्पाद में सीधे तौर पर लगभग 7 से 8 प्रतिशत और अप्रत्यक्ष रूप से काफी ज्यादा योगदान देता है, लंबे समय से इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का आधार रहा है। छाया ने कहा कि यह एक निर्विवाद उद्योग था। कैब ड्राइवरों से लेकर हस्तशिल्प विक्रेताओं तक, हर किसी की इस पारिस्थितिकी तंत्र में भूमिका थी। हमले ने इसे गहराई से हिला दिया है, और इसे ठीक होने में समय लगेगा। पर्यटन का चरम सीजन खत्म होने के साथ, हितधारक अब सरकार से एक व्यापक पुनरुद्धार योजना शुरू करने का आग्रह कर रहे हैं। इसमें पर्यटकों का विश्वास बहाल करने के उद्देश्य से बेहतर सुरक्षा आश्वासन और प्रचार अभियान शामिल होंगे। हालांकि, फिलहाल कश्मीर की वादियों में गहरी खामोशी छाई हुई है, जहां पर्यटकों की सामान्य गतिविधि की जगह बेचैनी भरी प्रतीक्षा ने ले ली है

पहलगाम अटैक के खिलाफ रैली में राकैश टिकैत की उतारी पगड़ी

मुजफ्फ़रनगर, 03 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ आयोजित रैली में पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत को लोगों ने भगा दिया। उनके शामिल होने पर खूब धक्कामुक्की हुई और टिकैत की पगड़ी तक इस बीच उछाल दी गई। यहां पर जनता ने राकेश टिकैत-वापस जाओ के नारे लगाए।

यह घटना शुक्रवार 2 मई को मुजफ्फरनगर शहर में जन आक्रोश रैली के आयोजन के दौरान हुई। इसका आयोजन पहलगाम हमले के विरोध में किया गया था। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। रैली के दौरान उनके सिर पर किसी ने झंडा भी मारा। राकेश टिकैत को पुलिस किसी तरह निकाल कर ले गई। राकेश टिकैत का यह विरोध उनके पहलगाम हमले पर दिए गए विवादित बयान के चलते हुआ। पहलगाम में 26 मौतों के बाद टिकैत ने कहा था कि चोर पाकिस्तान में नहीं बल्कि हमारे बीच है और इस हमले से आखिर किसे फायदा होने वाला है। उन्होंने सिंधु जल समझौता निलंबित करने को भी गाल्ट ठहराया था। इसका लोगों ने कड़ा विरोध किया था।

लिसा मिश्रा ने जीनत अमान के साथ काम करने के अनुभव को बताया सपने का पूरा होना, कहा

उनका चेहरा नहीं भूल सकती

लिसा मिश्रा अमेरिका में पली बढ़ी गायिका हैं। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों के लिए गाने गाए हैं। साल 2018 की भारतीय फिल्म वीरे दी वेडिंग में तारिफां गाने के अपने रीप्राइज वर्जन से उन्होंने इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई। इसके अलावा अमेजन की वेब सीरीज कॉल मी बे से वो अभिनय की दुनिया में भी हाथ आजमाती नजर आईं।

भूमि पेडनेकर और ईशान खट्टर भी आएंगे नजर

लिसा बहुत जल्द नेटफ्लिक्स की सीरीज द रॉयल्स में नजर आएंगी। इस बारे में एक्ट्रेस ने हाल ही में हमसे बात की। चूंकि लिसा संगीत बैकग्राउंड से हैं तो ऐसे में उनका मानना है कि संगीत और अभिनय में एक समानता है। उन्होंने कहा, संगीत की तरह अभिनय भी ईमानदारी के बारे में है। अगर आप भावनात्मक रूप से मौजूद नहीं हैं, तो दर्शक जान जाते हैं। द रॉयल्स में उनके साथ जीनत अमान, भूमि पेडनेकर और ईशान खट्टर नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स के शो में वो निकी की भूमिका में नजर आएंगी।

गायन के बाद अभिनय में भी अपनाया हाथ

लिसा ने बताया कि उनके लिए ये रोल इतना आसान नहीं था, लेकिन उनका कहना है कि शूटिंग के दौरान उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। लिसा ने कहा, 'अभिनय मुझे एक अलग तरह की भावनात्मक सच्चाई का पता लगाने की अनुमति देता है। मुझे यह उतना ही पसंद है जितना मुझे गायन पसंद है। इसके अलावा, यह एक ड्रीम कास्ट थी। हर दिन मैं उन लोगों से थोड़ा और प्रेरित होती जा रही थी जिनके साथ मैं काम कर रही थी।

द रॉयल्स में नजर आएंगी जीनत अमान

इस वेब सीरीज के साथ जीनत एक लंबे वक्त के बाद जीनत एक्टिंग में वापसी कर रही हैं। छह साल पहले उन्होंने फिल्म 'पानीपत' में एक कैमियो किया था। इस फिल्म में वह सकीना बेगम के किरदार में दिखी थीं। इसके अलावा वो कुछ विज्ञापनों में नजर आ चुकी हैं।

पिता के चेहरे पर दिखी बेहद खुशी

वहीं उन्होंने जीनत अमान के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के अपने अनुभव को एकदम अलग बताया। जीनत ने इस सीरीज में मोरपुर राजघराने की कुलमाता की भूमिका निभा रही हैं। लिसा ने बताया कि उनके घर में हमेशा से जीनत अमान को सराहा जाता रहा है। उन्होंने,मेरे पिताजी हमेशा से जीनत अमान के बहुत बड़े प्रशंसक रहे हैं। मैं उनके साथ उनकी फिल्में देखते हुए बड़ी हुई हूं। जब मैंने उन्हें बताया कि मुझे यह भूमिका मिली है, तो उनके चेहरे पर जो भाव थे, मैं उसे कभी नहीं भूल सकती। यह गर्व, अविश्वास और पुरानी यादों का एक पल था, सब एक साथ।

पंचायत सीजन 4 का टीजर हुआ रिलीज

प्राइम वीडियो की सीरीज 'पंचायत' भारत में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली वेब सीरीज में से एक है। जब इस सीरीज का पहला पार्ट रिलीज हुआ था तभी से इसके फैंस हर एक बदलते सीजन के साथ बढ़ते ही चले गए। यह शो अब अपने चौथे सीजन के साथ वापसी करेगा। इसकी रिलीज को लेकर फैंस के बीच काफी उत्सुकता है।

अब इसका टीजर और रिलीज डेट भी सामने आ गई है। यह सीरीज जुलाई में अपने बहुचर्चित कलाकारों के साथ लौटेगी जिसमें जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, संविका, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा शामिल हैं। द वायरल फीवर द्वारा निर्मित, पंचायत का निर्माण दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार ने किया है। चंदन कुमार ने इसे लिखा भी है। दीपक कुमार मिश्रा और अक्षत विजयवर्गीय इसके डायरेक्टर हैं। जैसे-जैसे पंचायत सीजन 4 की उल्टी गिनती शुरू होती है, दर्शक एक और अविस्मरणीय अध्याय की उम्मीद कर रहे हैं जो हंसी और ग्रामीण जीवन का अचूक संगम लेकर आएगा।

टीजर पहले से ही कई कारणों से चर्चा का विषय बना हुआ है। क्लिप से संकेत मिलता है कि इस बार प्रधान जी और भूषण के बीच एक नाटकीय चुनावी मुकाबला होगा। हमें लौकी की एक झलक भी देखने को मिलती हैं जो संकेत देती है कि पिछले सीजन में वायरल होने के बाद यह चुनाव चिह्न के रूप में वापस आ सकती है। दर्शक 2 जुलाई को प्राइम वीडियो पर इसका आनंद उठा सकते हैं।

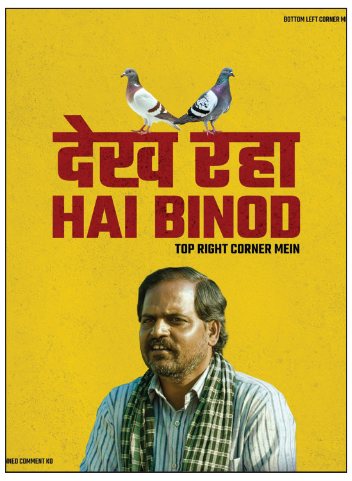

सीरीज के राइटर और डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा वेव्स समिट 2025 में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने इस पर बात करते हुए कहा,पंचायत भारत में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले शोज में से एक है। पिछले कुछ सालों में, इस सीरीज ने ग्रामीण भारत की दिल को छू लेने वाली खोज की है। इसकी गर्मजोशी, चुनौतियों और लचीलेपन को दिखाया है। जैसे-जैसे हम सीजन 4 में प्रवेश कर रहे हैं, हम आकर्षण से भरपूर इस प्रामाणिक यात्रा को जारी रख रहे हैं। आने वाले सीज़न की एक झलक शेयर करना और प्रतिष्ठित वेव्स समिट में एक आकर्षक पैनल चर्चा में भाग लेना, एक अविश्वसनीय रूप से आनंददायक अनुभव रहा है। हमारे दर्शकों के ज़बरदस्त समर्थन ने न केवल शो को ऊंचा उठाया है, बल्कि इसकी यूनिवर्सल थीम को भी रेखांकित किया है, जिससे पंचायत एक प्यारी कहानी बन गई है जो वैश्विक स्तर पर संस्कृतियों में गूंजती है।

टीवी ही नहीं, बड़े पर्दे पर भी चला है जेठालाल का जादू

इन सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुके हैं दिलीप जोशी

टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा मनोरंजन के लिए लोगों की पहली पसंद लंबे समय से बना हुआ है। इसमें काम करने वाले कलाकारों को ऑनस्क्रीन रोल के नाम से पहचाना जाता है। जेठालाल का किरदार निभाने वाले एक्टर दिलीप जोशी शुरुआत से इस शो के साथ जुड़े हुए हैं और लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उनका मजाकिया अंदाज किसी को भी हंसाने के लिए मजबूर कर देता है। छोटे पर्दे पर राज करने वाले दिलीप फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। आज उनकी कुछ हिट फिल्मों के बारे में बात कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के टॉप स्टार्स के साथ सपोर्टिंग रोल निभाए हैं।

इन फिल्मों में काम कर चुके हैं दिलीप जोशी

छोटे पर्दे के उन चुनिंदा स्टार्स की लिस्ट में दिलीप जोशी का नाम शामिल है, जिन्होंने फिल्मी दुनिया में भी अपना लक आजमाया है। खैर, उन्हें पॉपुलैरिटी टीवी पर आने के बाद सबसे ज्यादा मिली। बता दें कि एक्टिंग करियर में वह सलमान खान से लेकर शाह रुख खान जैसे सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुके हैं।

हम आपके हैं कौन (1994)

साल 1994 की हिट फिल्म हम आपके हैं कौन को सलमान खान की हिट मूवीज की लिस्ट में शामिल किया जाता है। इसमें उनके साथ दिलीप जोशी ने स्क्रीन शेयर की थी। फिल्म में भोला प्रसाद के किरदार को उन्होंने निभाया था। भले ही रोल छोटा हो, लेकिन उनकी शानदार कॉमिक टाइमिंग ने इसे असरदार बनाने का काम किया।

फिर भी दिल है हिंदुस्तानी (2000)

शाह रुख खान के साथ भी दिलीप जोशी ने काम किया है। साल 2000 की फिल्म फिर भी दिल है हिंदुस्तानी में

एक्टर ने एक गुंडे का किरदार निभाया था।

खिलाड़ी 420 (2000)

दिलीप जोशी ने जिन बड़े स्टार्स के साथ काम किया है, उनमें अक्षय कुमार का नाम भी शामिल है। खिलाड़ी 420 में उन्होंने सपोर्टिंग रोल निभाया था।

वन 2 का 4 (2001)

दिलीप जोशी ने शाह रुख खान और जूही चावला के साथ उनकी फिल्म वन 2 का 4 में भी काम किया है। इसमें उनके किरदार का नाम चंपक था। इस छोटे और यादगार रोल को एक्टर के फैंस आज भी याद करते हैं।

दिल है तुम्हारा (2002)

टीवी के पॉपुलर अभिनेता दिलीप जोशी की फिल्मों में दिल है तुम्हारा का नाम भी शामिल है। इसमें वह फैक्ट्री सीईओ के रोल में नजर आए थे।

जेठालाल बनते ही मिली खास पहचान

दिलीप जोशी का फिल्मी करियर भी अच्छा रहा है, लेकिन उन्हें लोगों के बीच पहचान तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल में जेठालाल के रोल से मिली। साल 2008 से चल रहा यह शो आज भी लोगों के दिलों पर राज करता है और दिलीप इसका एक प्रमुख चेहरा बन चुके हैं।

ज्यादा भुगतान पाने वाली अभिनेत्रियों की लिस्ट में श्रद्धा कपूर!

बॉलीवुड स्टार श्रद्धा कपूर इंडस्ट्री की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। उनकी पिछली फिल्म स्त्री 2 काफी हिट रही और उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई। उनके अलावा, फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले राजकुमार राव को भी हर तरफ से सराहना मिली।

कितनी फीस चार्ज करेंगी श्रद्धा?

इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि राजकुमार ने फिल्म की सफलता के बाद अपनी फीस में 5 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की है। अब, एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि श्रद्धा कपूर ने भी अपनी फीस में इजाफा किया है। श्रद्धा ने एकता कपूर के साथ एक फिल्म पर काम कर रही हैं और इसके लिए वो 17 करोड़ रुपये चार्ज करने वाली हैं। रिपोर्ट के अनुसार श्रद्धा कपूर राही अनिल बर्वे द्वारा निर्देशित आगामी हाई-कॉन्सेप्ट थ्रिलर

के लिए एकता कपूर के साथ बातचीत कर रही हैं। फिल्म 2025 की दूसरी छमाही में फ्लोर पर आ जाएगी।

इन अभिनेत्रियों को एक्ट्रेस ने छोड़ा पीछे

रिपोर्ट के अनुसार,यह श्रद्धा कपूर द्वारा प्राप्त की गई सबसे अधिक फीस में से एक है, साथ ही आज के समय में हिंदी में एक फीमेल लीड के लिए यह सबसे अधिक पे चेक में से एक है। एकता कपूर श्रद्धा को साइन करने के लिए 17 करोड़ रुपये खर्च करने से ज्यादा खुश थीं। इस बढ़ोत्तरी के साथ श्रद्धा कपूर आलिया भट्ट, कियारा आडवाणी से ज्यादा भुगतान पाने वाली अभिनेत्रियों की लिस्ट में आ गई हैं। अब वह सिर्फ दीपिका पादुकोण से पीछे हैं।

राजकुमार राव ने भी बढ़ाई फीस

इससे पहले राजकुमार राव ने स्त्री 2 की सफलता के बाद अपनी फीस बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये करने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, मैं हर दिन अलग-अलग आंकड़े पढ़ता हूं। मैं इतना बेवकूफ नहीं हूं कि अपने निर्माताओं पर बोझ डालूं। अभिनेता ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सफलता और इसके साथ मिलने वाला पैसा उनके मूल उद्देश्य को नहीं बदलता है।

वास्तु उपायों से बच्चों का पढ़ाई में लगेगा मन

पढ़ाई में मन लगाना बहुत जरूरी है। अगर आपका बच्चा पढ़ाई में लगातार पिछड़ रहा है। उसका मन पढ़ाई में नहीं लग रह, तो आपको वास्तु शास्त्र के कुछ नियम का पालन करना चाहिए। घर में वास्तु दोष होने से नकारात्मकता बढ़ती है। वहीं मन की एकाग्रता नहीं बन पाती। जिससे मानसिक तनाव बढ़ने लगता है। वास्तु शास्त्र में ऐसे कुछ उपाय बताए गए हैं, जो छात्रों का ध्यान पढ़ाई की ओर केंद्रित करते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अक्सर बच्चों को शिक्षा से संबंधित चीजों को याद रखने में परेशानी का सामना करना पड़ता है और हर वक्त बढ़ते कंपटीशन की वजह से बच्चे तनाव में भी रहते हैं। इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको वास्तु के कुछ ऐसे उपाय बताते हैं, जो बच्चों की याद करने की क्षमता और बुद्धि का विकास करेगा। सनातन समेत सभी धर्मों में वास्तु नियमों का पालन किया जाता है। इससे घर में सुख और समृद्धि का आगमन होता है। वहीं, लापरवाही बरतने से मानसिक तनाव और धन हानि का खतरा रहता है। इसके लिए ज्योतिष हमेशा घर और घर के सभी कमरों में वास्तु नियमों का पालन करने की सलाह देते हैं।

लोग घर बनाते समय वास्तु नियमों का पालन जरूर करते हैं, लेकिन घर के कमरों में वास्तु के नियमों का पूरी तरह से फॉलो नहीं करते हैं। खासकर, स्टडी रूम में वास्तु के नियमों का पालन न करने से बच्चे का मन पढ़ाई में नहीं लगता है। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। वहीं, कई पेरेंट्स बच्चों पर दोष मढ़ने लगते हैं। अगर आपके बच्चे का भी मन पढ़ाई में नहीं लगता है, तो वास्तु के इन नियमों का पालन जरूर करें। अक्सर देखा गया है कि बच्चों का अचानक से पढ़ाई लिखाई से मन नहीं लगता और पढ़ाई से संबंधित चीजों को याद रख पाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते कंपटीशन की वजह से बच्चे अक्सर तनाव में भी देखे गए हैं। बच्चों की इन समस्या का एक कारण कहीं ना कहीं वास्तु दोष भी हो सकता है। वास्तु दोष की वजह से बच्चे अक्सर बीमार रहते हैं या पढ़ाई में ध्यान नहीं लगता या आलस्य हावी रहता है। आज हम आपको वास्तु के कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं, जिससे बच्चों की स्मरण शक्ति और बुद्धि में वृद्धि होती है और मन में उल्लास बना रहता है।

वास्तु के अनुसार, स्टडी रूम उत्तर पूर्व दिशा में रहना चाहिए। दक्षिण या पश्चिम दिशा में स्टडी रूम होने से बच्चे का मन पढ़ाई में नहीं लगता है। स्टडी रूम में बच्चे का मुख दक्षिण दिशा में न रहें। आसान शब्दों में कहें तो दक्षिण दिशा की ओर मुख कर न बैठें। इस दिशा में अग्नि की प्रधानता होती है। इसके चलते बच्चे का मन पढ़ाई में नहीं लगता है। साथ ही बच्चा चिड़चिड़ा हो जाता है। स्टडी रूम में टेबल पर एजुकेशन टावर, ग्लोब या पिरामिड अवश्य रखें। वहीं, स्फटिक गोले उत्तर दिशा में दिवार पर लगाएं। स्टडी रूम में मां शारदे, हनुमानजी और गणेश जी की चित्र जरूर लगाएं। बच्चे को रोजाना स्टडी रूम में स्नान करने के बाद हनुमान और सरस्वती चालीसा का पाठ करने के लिए प्रेरित करें।

स्टडी रूम में अलमारी हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में रखें। वहीं, पढ़ाई के समय बच्चे पूरब दिशा की ओर मुख करके बैठें। ज्योतिष की मानें तो बच्चे के कंधे पर रोशनी और हवा के आने मन विचलित होता है। इसके लिए लाइट्स की व्यवस्था का भी ध्यान रखें। बच्चे को गली या उसकी सीध में बैठकर पढ़ने की सलाह न दें। इससे बच्चे का ध्यान भटकता है। दीवार और पर्दे का रंग लाइट पीला, हरा या

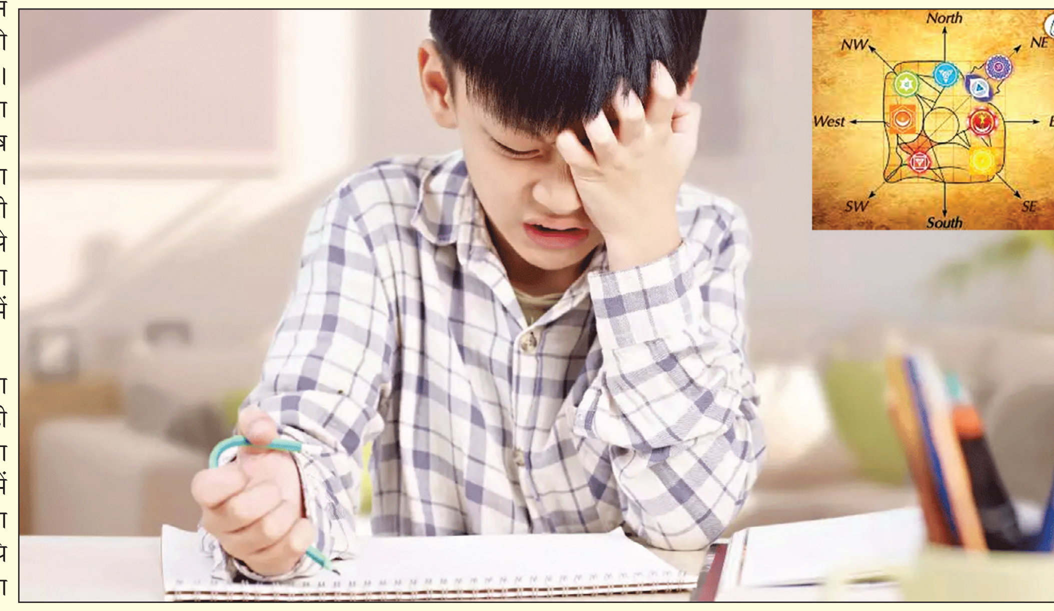

आसमानी रखें। ये सभी शुभ माने जाते हैं। आप जातक की कुंडली दिखाकर शुभ रंग ज्ञातकर भी दीवार की रंग करवा सकते हैं। बच्चे अगर कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं, तो ईशान कोण में कंप्यूटर भूलकर भी न रखें।

स्टडी रूम में लगाएं मोमबत्ती

वास्तु जानकारों के अनुसार बच्चों के स्टडी रूम में मोमबत्ती लगाना चाहिए। इससे उनका मन पढ़ाई की ओर केंद्रित होगा। वास्तु शास्त्र के अनुसार बच्चों के कमरे की पूर्वी उत्तर या दक्षिणी भाग में मोमबत्ती जलाने से बच्चे पढ़ाई की ओर रुचि लेने लगते हैं। उनका मन पढ़ाई में लगता है। साथ ही बौद्धिक क्षमता बढ़ती है।

इस दिशा में रखें टेबल

स्टडी टेबल का आकार रैक्टेंगल होना चाहिए। अनियमित आकार कुछ लोगों को आकर्षिक करता है, लेकिन यह बच्चों की पढ़ाई के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ध्यान रखें कि स्टडी टेबल का मुख पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ होना चाहिए।

केसर का तिलक लगाएं

अगर बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता है, तो उनकी जेब में एक फिटकरी का टुकड़ा रख दें। रोजाना बच्चे के माथे और नाभि पर केसर का तिलक लगाएं। वहीं स्टडी रूम में टीवी, वीडियो गेम व सीडी प्लेयर जैसी वस्तुएं नहीं रखनी चाहिए। इन चीजों से पढ़ाई से मन भटकता है।

रंग की दीवारें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बच्चे जहां पढ़ाई करते हों वहां की दीवारें हमेशा बादामी, आसमानी, सफेद या हल्का फिरोजी रंग की होनी चाहिए। साथ बच्चों की स्टडी टेबल भी इसी रंग की हों तो और भी बेहतर रहेगा। बच्चों के पढ़ाई के कमरे कभी भी नीले, काले या लाल पेंट के नहीं होने चाहिए, ऐसा होने से बच्चों की पढ़ाई को नुकसान होता है।

पढ़ाई के कमरे में रोशनी भरपूर

बच्चों के पढ़ाई के कमरे में रोशनी भरपूर होनी चाहिए। कम रोशनी नकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है, जिसकी वजह से बच्चों का मन स्थिर नहीं रहता है और पढ़ाई लिखाई में नीरसता आती है। साथ ही स्टडी रूम में टीवी, मैगजीन, सीडी प्लेयर, वीडियो गेम्स, रद्दी आदि अनुपयोगी सामान ना रखें, ये चीजें भी नकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं।

भगवान गणेश की तस्वीर या प्रतिमा

बच्चों के पढ़ाई के कमरे में शिक्षा की देवी माता सरस्वती और बुद्धि के दाता लगानी चाहिए। साथ ही बच्चों की स्टडी टेबल चौकोर होनी चाहिए और टेबल को कभी भी दीवार या दरवाजे से सटाकर ना रखें। साथ ही लाइट के नीचे या उसकी छाया में टेबल सेट ना करें, इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है।

उत्तर-पूर्व दिशा दिशा में हो पढ़ाई का कमरा

बच्चों के पढ़ाई का कमरा हमेशा उत्तर पूर्व दिशा में होना चाहिए। इस दिशा के स्वामी सूर्यदेव हैं और सूर्यदेव तेज, शक्ति के प्रतीक माने जाते हैं। इस वजह से उत्तर पूर्व दिशा बच्चों के मन, बुद्धि और विवेक को प्रभावित करती है। ध्यान रखें कि बच्चों की पढ़ाई का कमरा कभी भी दक्षिण या दक्षिण पूर्व दिशा नहीं होनी चाहिए। इस दिशा में कमरा होने से बच्चों की पढ़ाई लिखाई में एकाग्रता नहीं रहती।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो. 9460872809

मनी प्लांट लगाने पर भी नहीं मिल रहे फायदे, तो हो सकती हैं ये कमियां

अगर घर में मनी प्लांट रखने के बाद भी आपको इसके लाभ नहीं मिल रहे, तो इसके पीछे आपकी कुछ सामान्य गलतियां हो सकती हैं। अगर आप घर में मनी प्लांट रखने के लिए ये वास्तु टिप्स अपनाते हैं, तो इससे आपको फायदा मिल सकता है।

मिलते हैं ये लाभ

वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट को धन-समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। माना गया है कि अगर आप वास्तु के नियमों का ध्यान रखते हुए घर में मनी प्लांट का पौधा लगते हैं, तो इससे धन, समृद्धि और खुशहाली में वृद्धि होती है। साथ ही यह भी मान जाता है कि इसे घर में लगाने से आर्थिक तंगी दूर हो सकती है।

कौन-सी दिशा है सही

वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट रखने के लिए घर की दक्षिण-पूर्व दिशा यानी आग्नेय कोण को सबसे उत्तम माना गया है। वास्तु की मान्यताओं के अनुसार, यह दिशा धन और समृद्धि को आकर्षित करती है। वहीं मनी प्लांट को कभी भी घर की उत्तर-पूर्व दिशा में न रखें, वरना इससे आपको धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

रखें इन बातों का ध्यान

मनी प्लांट को घर के अंदर लगाना ज्यादा शुभ माना गया है। इसको इस तरह लगाएं कि इसकी बेल जमीन को न छुए, बल्कि ऊपर की ओर बढ़े। वास्तु शास्त्र के नियमों के मुताबिक, रात के समय मनी प्लांट को नही छूना चाहिए और न ही पानी डालना चाहिए। मनी प्लांट के पौधे को सूखने से बचाएं और समय-समय पर इसके सूखे व पीले पत्तों को हटाते रहें। इस सभी नियमों का ध्यान रखने पर घर में धन और समृद्धि आती है।

कर सकते हैं ये उपाय

धन लाभ के लिए आप पानी में थोड़ा सा दूध मिलाकर मनी प्लांट में डाल सकते हैं। इसके साथ ही लक्ष्मी जी की कृपा के लिए मनी प्लांट की जड़ में लाल धागा या कलावा बांधना भी शुभ होता है। इससे जातक के लिए धन लाभ के योग बनने लगते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा 12 को मनाई जाएगी

बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था। बुद्ध पूर्णिमा केवल बौद्ध धर्म के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि हिन्दू धर्म में भी बुद्ध पूर्णिमा बहुत महत्व रखती है। बुद्ध पूर्णिमा को वैशाख पूर्णिमा भी कहा जाता है। वैशाख पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था इसलिए वैशाख पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाने लगा। बुद्ध पूर्णिमा पर स्नान-दान के साथ महात्मा बुद्ध के शिक्षाओं के प्रसार-प्रचार का भी बहुत महत्व है।

पंचांग के अनुसार बुद्ध पूर्णिमा कब है

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख पूर्णिमा की शुरुआत 11 मई को शाम 08 बजकर 01 मिनट पर होगी। वहीं, 12 मई को रात 10 बजकर 25 मिनट पर वैशाख पूर्णिमा तिथि का समापन होगा। उदयातिथि के अनुसार 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा मनाई जाएगी। बुद्ध पूर्णिमा के दिन चंद्रोदय का समय शाम 06 बजकर 57 मिनट पर होगा।

बुद्ध पूर्णिमा का महत्व

बुद्ध पूर्णिमा केवल महात्मा बुद्ध के जन्म का दिन ही नहीं है बल्कि बुद्ध पूर्णिमा को ज्ञान प्राप्ति का दिन भी माना जाता है। बुद्ध पूर्णिमा का दिन ज्ञान के लिए भी बहुत महत्व रखता है। अपने पाप या बुरे कर्मों को छोड़कर एक नया जीवन शुरू करने की चाह रखने वाले लोग इस दिन संकल्प ले सकते हैं। वैशाख पूर्णिमा के दिन ही कुशीनगर में उनका गौतम बुद्ध का महापरिनिर्वाण भी हुआ।

बुध पूर्णिमा की रात करें ये दुर्लभ उपाय दूर होंगे जीवन के सभी रोग-दोष

बुद्ध पूर्णिमा बेहद पवित्र दिन है। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति का प्रतीक है। इस साल यह पावन तिथि 12 मई, 2025 को पड़ रही है। इस दिन लोग भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं। माना जाता है कि इस दिन पूजा-पाठ और गंगा स्नान करने से मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। वहीं, रात के समय किए गए कुछ उपाय आपके जीवन में चमत्कारी बदलाव कर सकते हैं।

बुध पूर्णिमा पर रात्रि के समय करें ये उपाय

दान करें – इस दिन की पवित्र रात में दान-पुण्य करना बेहद फलदायी माना जाता है। ऐसे में इस मौके पर गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र या अन्य जरूरी वस्तुओं का दान करें। ऐसा करने से घर में बरकत बनी रहती है।

तुलसी पूजन – पूर्णिमा की रात तुलसी के पौधे के समक्ष घी का दीपक जलाएं और उसकी परिक्रमा करें, क्योंकि तुलसी में मां लक्ष्मी का वास होता है। साथ ही इस उपाय से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं।

पीपल के वृक्ष की पूजा – पीपल के वृक्ष को हिंदू धर्म में बहुत पूजनीय माना जाता है और भगवान बुद्ध को इसी वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था। बुद्ध पूर्णिमा की रात पीपल के वृक्ष को जल अर्पित करें और उसकी परिक्रमा करें। ऐसी मान्यता है कि इस उपाय से पितृ खुश होते हैं और जीवन में आ रही बाधाएं दूर होती हैं।

पवित्र नदियों में स्नान – बुद्ध पूर्णिमा के दिन किसी पवित्र नदी में स्नान करें। ऐसा माना जाता है कि इस दिन नदियों में बहुत ऊर्जा होती है, जिससे शरीर और मन शुद्ध होते हैं और रोगों से मुक्ति मिलती है।

सकारात्मक विचार – इस रात नकारात्मक विचारों से दूर रहें और जीवन सकारात्मकता लाएं। अपने मन में प्रेम, करुणा और क्षमा जैसे भावों को लाने की कोशिश करें। सकारात्मक सोच जीवन में आने वाली कई समस्याओं को दूर करने में सहायक होती है।

बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध को हुई थी ज्ञान की प्राप्ति

पौराणिक कहानी के अनुसार भगवान बुद्ध का नाम पहले सिद्धार्थ था। सिद्धार्थ राजकुमार थे। गृहस्थ और संपूर्ण वैभव होने के बाद भी सिद्धार्थ को जीवन बहुत ही उद्देश्यहीन लगता था। सिद्धार्थ ने सत्य की खोज में सात वर्ष बिताए। अंत में वैशाख पूर्णिमा के दिन बोधि वृक्ष के नीचे उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन को राजकुमार सिद्धार्थ को बुद्ध के रूप में ज्ञान की प्राप्ति हुई, इसलिए इस वैशाख पूर्णिमा को उनके नए जन्म की तरह माना जाता है। तभी से यह दिन बुद्ध पूर्णिमा कहलाता है। बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध ने खीर खाकर व्रत तोड़ा था इसलिए इस दिन खीर बनती है और बुद्ध को प्रसाद चढ़ाया जाता है।

इस दिन भूलकर भी स्पर्श न करें तुलसी मां लक्ष्मी हो सकती हैं नाराज

सनातन धर्म में तुलसी की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। इस पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, तुलसी की पूजा करने से घर में सुख-शांति का वास होता है और जगत के पालनहार भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सनातन शास्त्रों के अनुसार, कुछ दिन तुलसी में जल देना और छूने की मनाही है। ऐसा माना जाता है कि इस गलती को करने को मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं और साधक को जीवन में कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

तुलसी पूजा के नियम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी के पौधे को मंगलवार, रविवार और एकादशी के दिन नहीं छूना चाहिए। साथ ही पौधे में जल भी नहीं देना चाहिए, क्योंकि मां लक्ष्मी एकादशी का निर्जला व्रत रखती हैं। ऐसे में तुलसी में जल देने से मां लक्ष्मी का व्रत टूट सकता है और मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। इसलिए एकादशी के दिन तुलसी के पौधे में जल देने और पौधे को छूने की मनाही है। इस तरह की गलती को करने से घर में नकारात्मक शक्तियों का आगमन होता है।

कैसे करें तुलसी की पूजा

रोजाना ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने के बाद देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करें।

तुलसी में जल अर्पित करें।

मां तुलसी को सिंदूर लगाएं और फूलमाला अर्पित करें।
देसी घी का दीपक जलाकर मां तुलसी की आरती करें।
तुलसी स्तोत्र पाठ और तुलसी चालीसा का पाठ करें।
फल और मिठाई समेत आदि चीजों का भोग लगाएं।

ऐसे करें मां लक्ष्मी को प्रसन्न

अगर आप लंबे समय से जीवन में दुखों का सामना कर रहे हैं, तो रोजाना तुलसी की पूजा-अर्चना करें और दीपक जलाकर आरती करें। इस दौरान मां तुलसी से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से सभी दुख दूर होते हैं। साथ ही मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

मां तुलसी का पूजन मंत्र

तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन: प्रिया।।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत्।
तुलसी भूर्महालक्ष्मी: पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।

बिजनेस में हो रहा है नुकसान, तो आज ही आजमाएं ये उपाय, खूब दौड़ेगा कारोबार

आज के समय में कई लोग ऐसे हैं, जो नौकरी में बढ़ते काम के प्रेशर की वजह से अपना खुद का कोई बिजनेस कर रहे हैं और कारोबार में खूब तरक्की हो रही है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें अधिक मेहनत करने के बाद भी बिजनेस में सफलता प्राप्त नहीं हो रही है, तो इसकी वजह वास्तु दोष हो सकती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, वास्तु दोष की समस्या में व्यक्ति को जीवन में कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ सकता है, जिसका प्रभाव काम भी पर देखने को मिलता है। अगर आपको भी बिजनेस में सफलता प्राप्त नहीं हो रही है और काम में नुकसान हो रहा है।

कारोबार में खूब होगी वृद्धि

वास्तु शास्त्र के अनुसार, धातु से बना कछुआ शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसे घर, दुकान और ऑफिस में रखने से व्यक्ति को जीवन में कई तरह

के लाभ देखने को मिलते हैं, जैसे- धन की प्राप्ति, सुख-समृद्धि में वृद्धि और कारोबार में तरक्की। ऐसे में आप भी आप घर और दुकान में धातु से बना कछुआ रख सकते हैं। वास्तु जानकारों के अनुसार, इस उपाय को करने से कारोबार में वृद्धि होगी।

किस दिशा में रखें?

कछुआ को उत्तर या उत्तर-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है, लेकिन गलत दिशा में रखने से अशुभ परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

सही दिशा का करें चयन

दुकान या ऑफिस में शुभ दिशा में ही बैठना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, दुकान या ऑफिस में दक्षिण-पश्चिम दिशा में बैठें। इस दिशा में बैठने से व्यक्ति को कारोबार में सफलता हासिल होती है और रुका हुआ कारोबार में खूब दौड़ेगा।

इन बात का रखें ध्यान

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दुकान और ऑफिस में टूटी हुई चीजों को भूलकर भी नहीं रखना चाहिए। जैसे- दरवाजे, खिड़की, अलमारी और कुर्सी। ऐसा माना जाता है कि दुकान और ऑफिस टूटी चीजों को रखने से वास्तु दोष होता है, जिसका प्रभाव काम पर देखने को मिलता है। अगर आपके भी दुकान और ऑफिस में दरवाजे, खिड़की, अलमारी टूटी हुई हैं, तो उन्हें आज ही बाहर कर दें।

क्या आप जानते हो

सॉफ्टवेयर बताएगा, कब लिखी गई बाइबिल

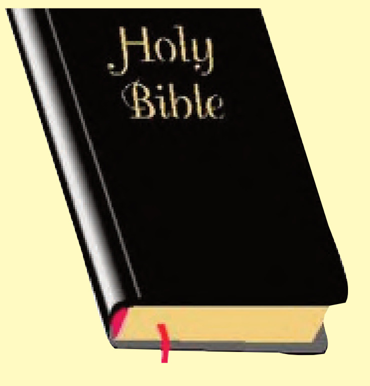

सदियों से बाइबिल के लेखक और उसके लिखे जाने के समय को लेकर लगाई जा रही अटकलों को अब विराम मिलेगा। वैज्ञानिकों ने ऐसा सॉफ्टवेयर बनाया है जो बाइबिल के लेखक की पहचान अल्गोरिथम की मदद से कर सकेगा।

इजरायल के वैज्ञानिकों के अनुसार यह सॉफ्टवेयर लिखने की शैली की पहचान कर सकता है। हालांकि यह किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं ले सकता कि किसने बाइबिल लिखी। लेकिन कौनसा पैराग्राफकब और कितने लोगों ने लिखा है, इसकी जानकारी दे सकता है। किस पैराग्राफपर नए लेखक ने लिखना शुरू किया यह भी पता लगा सकता है। उदाहरण के लिए, माना जाता है कि तोराह (बाइबिल की पहली पांच किताबें) एक ही इंसान- मोसेस ने लिखी हैं। लेकिन कई विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें कई लेखक शामिल थे। तेल अवीव यूनिवर्सिटी के ब्लावात्निक स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस के प्रमुख शोधकर्ता प्रो. नैशम दैशरेवित्ज ने इस सॉफ्टवेयर का परीक्षण किया। उन्होंने इसमें जेरेमियाह और एजकील की हेब्रू भाषा की दो किताबें लेखकों की पहचान करने के लिए फीड कीं। सॉफ्टवेयर ने शब्दों के आधार पर 99 प्रतिशत सही और सटीक जवाब दिए।

प्रकाश संश्लेषण से बनेगी बिजली!

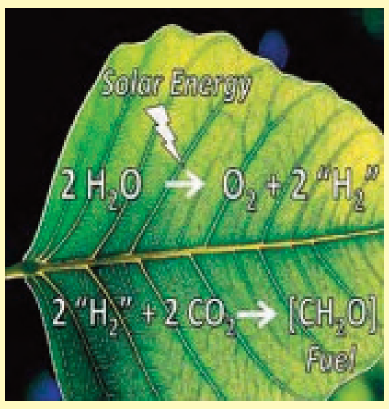

नकली पेड़-पौधे अब तक घर की सजावट में तो धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहे थे। लेकिन मसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के शोधार्थियों ने अब कृत्रिम पत्ती से बिजली बनाने की तकनीक विकसित कर वैकल्पिक ऊर्जा की दिशा में उम्मीदें बढ़ाई हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इस प्रक्रिया में किसी महंगे पदार्थ की जरूरत नहीं पड़ती। यह पत्ती सौर ऊर्जा को केमिकल फ्यूल में बदलती है, जिसे स्टोर कर बाद में बिजली में बदला जा सकेगा।

क्या है कृत्रिम पत्ती : यह सिलिकॉन से तैयार एक नकली पत्ती है, जिसके दोनों तरफकैटेलिक्टिक पदार्थ लगाए हैं। इसे सूरज की रोशनी में पानी से भरे एक साधारण कंटेनर में रखा जाता है। कुछ ही देर में एक तरफसे ऑक्सीजन और दूसरी तरफ से हाइड्रोजन के ढेरों बुलबुले उठने लगते हैं। बीच में एक बैरियर की मदद से इन्हें अलग-अलग रखा जाता है। इन बुलबुलों को एकत्र कर लेते हैं और बाद में फ्यूल सेल की मदद से बिजली में बदल लेते हैं।

किससे बना है : यह उपकरण भरपूर मात्रा में उपलब्ध सस्ते मटेरियल से तैयार किया गया है। इनमें भी सिलिकॉन, कोबाल्ट और निकल प्रमुख हैं। ऑक्सीजन-हाइड्रोजन अलग करने के लिए सादे पानी का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि सूर्य के प्रकाश में पानी को बांटने वाले अन्य डिवाइसों में प्लेटीनम सरीखे महंगी धातु का इस्तेमाल करते हैं।

किसने बनाई कुतुबमीनार

बच्चो, कुतुबमीनार के बारे में ज्यादातर लोगों में भ्रांतियां पाई जाती हैं। इसलिए इस इस प्रश्न का उत्तर ठीक से पढ़ना जरूरी है। कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था। पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई। इल्तुतमिश ने जो ऐबक के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा, इसमें तीन मंजिलें जुड़वाईं।

फिर कुतुबमीनार में आग लगने के बाद उसका पुनर्निर्माण फिरोजशाह तुगलक के समय हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते समय प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जल्दबाजी में गड़बड़ कर जाते हैं। याद रहे कि काम शुरू ऐबक ने करवाया था और पूरा करवाया इल्तुतमिश ने और 1386 में मीनार को दुर्घटना के बाद दुरुस्त करवाया फिरोजशाह तुगलक ने। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर ही इस मीनार का नाम पड़ा, जबकि कुछ बताते हैं कि बगदाद के संत कुतुबद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुबमीनार पड़ा। काकी बाद में भारत में आकर ही रहे। इल्तुतमिश इन्हें बहुत मानता था। 72.5 मीटर ऊंची यह मीनार यूनैस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है।

कहानी

धोखेबाज फॉक्सी

सुंदरवन नामक एक बहुत घना जंगल था। जंगल के राजा का नाम था शेर सिंह। उसी जंगल में एक शैतान फॉक्सी लोमड़ भी रहता था। फॉक्सी को चोरी करने की आदत थी। शेर सिंह ने उसे कई बार धमकाया, लेकिन राजा की डांट का उस पर कोई असर नहीं होता था। हद तो तब हुई जब एक दिन उसने राजमहल में ही हाथ साफ कर लिया।

राजा को पता चलते ही उनका माथा गुस्से से भनभना गया। उन्होंने तुरंत सिपाहियों से कहकर फॉक्सी को खोजने का आदेश दिया। सिपाहियों ने फॉक्सी को खोजकर राजा के सामने पटक दिया। राजा ने क्रोध भरी आवाज में उससे कहा, 'इस जंगल से निकल जा दुष्ट, अगली बार इस जंगल में दिखा, तो तेरी खैर नहीं।'

राजा की धमकी सुनने के बाद फॉक्सी ने फटाफट अपना सामान बांधा और जंगल छोड़ चलता बना। चलते-चलते उसे रास्ते में नंदन वन मिला। तभी उसे याद आया कि उसने एक किताब में पढ़ा था कि नंदन वन में जानवर बहुत सीधे और अंधविश्वासी हैं। फॉक्सी ने जंगल छोड़ दिया था, पर शैतानी तो अभी भी उसमें भरी पड़ी थी। उसके मन में विचार आया, 'क्यों न मैं फॉक्सी लोमड़ से फॉक्सी पुजारी बन जाऊं और यहां के सभी जानवरों को मूर्ख बनाऊं।' रास्ते में उसने साधु के वस्त्र पहने और तालाब के किनारे एक पेड़ के नीचे समाधि लगाकर बैठ गया। फॉक्सी के पास झोले में रिमोट कंट्रोल वाला एक हैलीकॉप्टर था। उसने हैलीकॉप्टर को बाहर निकाला और रिमोट को झोले में छुपाकर रख दिया। वह अभी समाधि लगाकर बैठा ही था की पास से गुजरते डम्पी टाइगर की नजर फॉक्सी पुजारी पर पड़ी।

डम्पी टाइगर फॉक्सी के पास गया, उसे प्रणाम किया और आशीर्वाद लिया। तभी फॉक्सी ने चुपके से झोले में रखे रिमोट का बटन दबाया और सामने रखा हैलीकॉप्टर हवा मेें उड़ने लगा। यह चमत्कार देखकर डम्पी हैरान रह गया। जब वह शाम को घर लौटा, तो उसमे नंदन वन के सभी जानवरों को फॉक्सी के चमत्कार के बारे में बताया। सभी जानवर डम्पी की बात को ध्यान से सुन रहे थे, लेकिन फॉस्टा हाथी को कुछ गड़बड़ लगी। उसने सभी जानवरों को समझाया कि हमें किसी पर भी इतनी जल्दी विश्वास नहीं करना चाहिए, लेकिन किसी ने फॉस्टा की बात नहीं मानी।

हैल्पी पैरट फॉस्टा का पक्का दोस्त था। उसने हैल्पी से फॉक्सी पर बराबर नजर रखने को कहा। कुछ ही दिनों में फॉक्सी के चमत्कार की बातें चारों ओर फैल गईं। सभी जानवर उसके दर्शन करने आते और आशीर्वाद लेकर वापस चले जाते। फॉक्सी के दिन अच्छे गुजरने लगे। उसने सोचा, 'क्यों न अब अपने दोस्त बोस्टी मगरमच्छ को भी यहीं बुला लिया जाए। वह तालाब में आराम करेगा और मैं यहां पेड़ के नीचे। और इस तरह दोनों मिलकर सभी जनवरों को उल्लू बनाएंगे।'

फॉक्सी के बुलावे पर बोस्टी मगरमच्छ भी वहां पहुंच गया। अब दोनों मिलकर सभी जानवरों को मूर्ख बनाने लगे। फॉक्सी कहता- 'देखना मैं सवाल करूंगा तो ये पानी भी जवाब देगा।' फिर वो कुछ पूछता, तो बोस्टी पानी के नीचे से जवाब देता। इस प्रकार उसका विश्वास सारे जानवरों पर बन गया। अब जानवरों ने उसे पैसे भी देने शुरू कर दिए। फॉक्सी पुजारी बनकर खूब मजे करने लगा।

अब फॉक्सी के पास बहुत सारा धन भी हो गया। उसने सोचा क्यों न कोई ऐसी तरकीब सोची जाए, जिससे वह और भी तेज़ी से धन कमाने लगे। एक दिन उसने नंदन वन में घोषणा की कि उसने एक दिव्य फल 'ब्लू एप्पल' बनाया है, जिसे देखने के 50 रुपए और खाने के 500 रुपए लगेंगे। सभी जानवर सोचने लगे कि 500 रुपए तो बहुत ज्यादा होते हैं, क्यों न 50 रुपए में उस दिव्य फल के दर्शन किए जाए। अब सभी जानवर 50 रुपए में बारी-बारी उस ब्लू एप्पल के दर्शन करने गए, जिसे फॉक्सी ने एक गुफा के अंदर रखा था। इस प्रकार पहले ही दिन उसने बहुत सारे रुपए कमा लिए।

डम्पी टाइगर फॉक्सी का अंधभक्त बन चुका था। उसने ठान लिया था कि चाहे कितने भी पैसे लग जाएं, उसे तो वो ब्लू एप्पल प्राप्त करना है। उसने कई जानवरों से उधार लेकर 500 रुपए जमा किए और फॉक्सी के पास पहुंचा। डम्पी ने जब फल खाने की इच्छा व्यक्त की, तो फॉक्सी उलझन में पड़ गया। वह सोचने लगा, 'यह तो सोचा ही नहीं था कि कोई इतने सारे पैसे भी इकट्ठे कर लेगा। अब खैरियत इसी में है कि सारे पैसे लेकर यहां से चम्पत हो जाऊं, नहीं तो मेरी पोल खुल जाएगी और सभी जान जाएंगे कि यह कोई दिव्य फल नहीं बल्कि रंग लगाया लोहे का एक गोला है।'

फॉक्सी डम्पी को सेब बेचकर और सारे पैसे जमाकर वहां से भागने लगा। अभी वह कुछ दूर पहुंचा था कि उसे हैल्पी पैरट ने देख लिया। वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा, 'पकड़ो-पकड़ो..फॉक्सी सभी के पैसे ले भाग रहा है। मैंने उसपर बराबर नजर रखी थी। मैंने उसे तलाब में एक मगरमच्छ से बात करते हुए भी सुना था। पकड़ो जाने न पाए।' हैल्पी की आवाज सुनकर डम्पी गुफा से बाहर निकला। उसे भी सब कुछ पता चल गया था। वह तेजी से भागा। फॉक्सी को गर्दन से पकड़ा और जमीन पर पटक दिया। डम्पी गुस्से में बोला-'बदमाश.ढोंगी.लोहे के फल को दिव्य फल कहता है। बाप रे, मेरे तो दांत ही टूट गए।'

सभी जानवरों ने मिलकर फॉक्सी की खूब धुनाई की और अपने-अपने पैसे वापिस लिए। फॉक्सी रो-रो कर मांफी मांगने लगी, लेकिन किसी ने उसे माफनहीं किया। हैल्पी पैरेट ने कहा, 'इसका एक साथी पानी के अंदर है, उसे भी पकड़ो।' तब तक शाम हो चली थी। अंधेरा होने के कारण पानी में कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। तब फॉस्टा एलीफेंट ने फायर टार्च की मदद से बोस्टी मगरमच्छ को पानी से बाहर निकाला। बाद में दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। जब सभी जानवर अपने-अपने घर जाने लगे तो फॉस्टा बोल पड़ा, 'आंख मूंदकर किसी पर विश्वास करने का नतीजा देखा। अगर हैल्पी पैरेट समय पर फॉक्सी को न देखता, तो वह आज हम सभी के पैसे लेकर भाग जाता।' फॉस्टा की इस बात पर सभी जानवरों ने सहमति मे सिर हिलाए और भविष्य में कभी अंधविश्वास न करने की ठान ली।

उदार दिल के और दयालु होते हैं चूहे

चूहों के बारे में गलत राय रखने वालों को धारणा बदलनी होगी। एक अनुसंधान कहता है कि वे दयालु और उदार होते हैं। शिकागो विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने प्रयोग के लिये चूहों को जोड़ों में रखा ताकि वे एक दूसरे को जान सकें। इसके बाद उन्होंने एक को चूहेदानी के भीतर एक पारदर्शी ट्यूब के भीतर रख दिया और पाया कि दूसरा चूहा काफी निराश हुआ और उसे बाहर निकालने का प्रयास करने लगा। हैरान करने वाली बात तब सामने आयी जब उन्होंने देखा कि चूहेदानी में फंसे अपने साथी के लिये बाहर का चूहा काफी परेशान नजर आया। दिलचस्प बात यह पायी गयी कि चुहिया चूहों की तुलना में अधिक संवेदनशील नजर आयी। डेली मेल के अनुसार प्रयोग के दौरान पाया गया कि चूहेदानी में फंसे चूहे को देखकर आसपास चक्कर लगाता दूसरा चूहा काफी गुस्से में है। इससे साबित हुआ कि वह तकलीफ देखकर व्यथित है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह रही कि आजाद चूहा यह समझ गया कि कैसे ट्यूब से उसे निकाला जा सकता है। साइंस पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट में अध्ययन के अगुआ इनबाल बेन एमी बर्टल ने कहा कि हम इन चूहों को प्रशिक्षित नहीं कर रहे हैं। वे अंदर की भावना से प्रेरित होकर सीख रहे है। हम उन्हें नहीं दिखा रहे कि कैसे चूहेदानी का दरवाजा खोला जाये। बर्टल ने कहा कि दरवाजा खोलना काफी कठिन था। लेकिन वे अनवरत प्रयास करते रहे और आखिरकार सफल रहे। प्रयोग में पाया गया कि चूहेदानी में रखे गये खिलौने को छुड़ाने में चूहों की दिलचस्पी नहीं थी। वास्तविक चूहे के लिये ही वे बैचेन थे। प्रयोग के अगले चरण में उन्हें चाकलेट लेकर लालच दिखाकर परखा गया। हैरानी की बात थी कि आजाद चूहे ने फंसे साथी को मुक्त कराने तक मनपसंद चाकलेट नहीं खाया। अनुसंधानकर्ता पेगी मैसन ने कहा कि यह काफी भावनात्मक था। चाकलेट की तुलना में चूहेदानी में फंसे चूहे की आजाद चूहे को अधिक चिंता थी। हम हतप्रभ थे। रिपोर्ट के अनुसार चूहे की तुलना में चुहिया का अपने साथी को छुडाने के लिये किया गया अधिक प्रयास मातत्व के गुण को दर्शाता है कि वे अधिक उदार और दयालु होती हैं।

बुराई को भलाई से जीतने वाला राजा ही श्रेष्ठ

एक बार मल्लिक राजा और ब्रह्मदत्त राजा के रथ संकरे रास्ते में आमने-सामने मिल गए। चूंकि दोनों राजाओं के रथ एक साथ निकल नहीं सकते इसलिए दोनों के सारथी एक-दूसरे से पीछे हटने के लिए कहने लगे किंतु कोई भी अपना रथ पीछे खींचने के लिए तैयार नहीं हुआ। बहुत समय तक दोनों में बहस चलती रही। आखिर में ब्रह्मदत्त राजा के सारथी ने कहा कि- दोनों राजाओं में जो श्रेष्ठ और महान है उसका रथ पहले निकलना चाहिए।

मल्लिक सारथी ने कहा कि- दोनो राजा राज्य और सम्पत्ति में समान हैं, दोनों की उम्र भी बराबर है। तो फिर इस बात का निर्णय कैसे हो सकता है? ब्रह्मदत्त राजा के सारथी ने कहा- जो सदगुण और सदाचार में श्रेष्ठ है उसका रथ पहले निकलेगा। मल्लिक राजा के सारथी ने कहा कि- यह बिल्कुल ठीक है तब तो पहले मेरे राजा का रथ ही पहले जाएगा। क्योंकी वह कठोर आदमी को कठोरता से और कोमल आदमी को कोमलता से जीतते हैं।

किंतु मेरे राजा क्रोधी को क्षमा से, स्वार्थी और कंजूस को उदारता से और दुराचारी को सदाचार से जीतते हैं। ब्रह्मदत्त राजा के सारथी ने बीच में ही मल्लिक राजा के सारथी को टोकते हुए कहा। ये वार्तालाप सुनकर मल्लिक राजा ने कहा- ब्रह्मदत्त का रथ पहले जाना चाहिए क्योंकी वह मुझसे ज्यादा श्रेष्ठ और महान है। इसकी वजह यह है कि वह दुर्गुण को सदगुण से जीतता है, बुराई को भलाई से जीतता है। मल्लिक राजा के सारथी ने रथ वापस मोड़ लिया और ब्रह्मदत्त राजा के रथ को आगे बढ़ने दिया।

जब चोर और बंता में हुई उठापटक

बंता एक रात घर लौट रहा था। अचानक एक चोर उस पर झपट पड़ा। बंता और चोर में जबर्दस्त उठापटक हुई। दोनों एक दूसरे को जमीन पर पटकने की कोशिश करने लगे। आखिरकार चोर ने बंता को जमीन पर पटक दिया। चोर बंता की जेब में हाथ डालकर टटोलने लगा। बंता की जेब में उसे 25 पैसे का सिक्का मिला। यह देखकर चोर बहुत हैरान हुआ कि इसी 25 पैसे को बचाने के लिए यह आदमी उससे भिड़ गया। इधर बंता भी उतना ही हैरान था। चोर के हाथ में 25 पैसे देख उसने कहा, 'बस इसी के लिए मेरे पीछे पड़े थे? मुझे लगा मेरे जूते में रखे पांच सौ रुपए छीनने के लिए मेरे पीछे पड़े हो।'

हास्य

संता का 'बी' साइड

संता और बंता एक पेड़ के नीचे बैठे हुए थे और संता गाना गा रहा था। चार गाने गाने के बाद संता ने अपने आपको उल्टा लटका लिया और फिर से गाना, गाना शुरु कर दिया।

ये सब देखकर बंता ने संता से पूछा कि ये तुमको क्या हो गया। तुम उल्टे क्यों लटके हो?

संता ने जबाब दिया कि 'अब मैं 'बी साइड' से गाना गा रहा हूं'।

रास्ता ढुंढो

रंग भरो

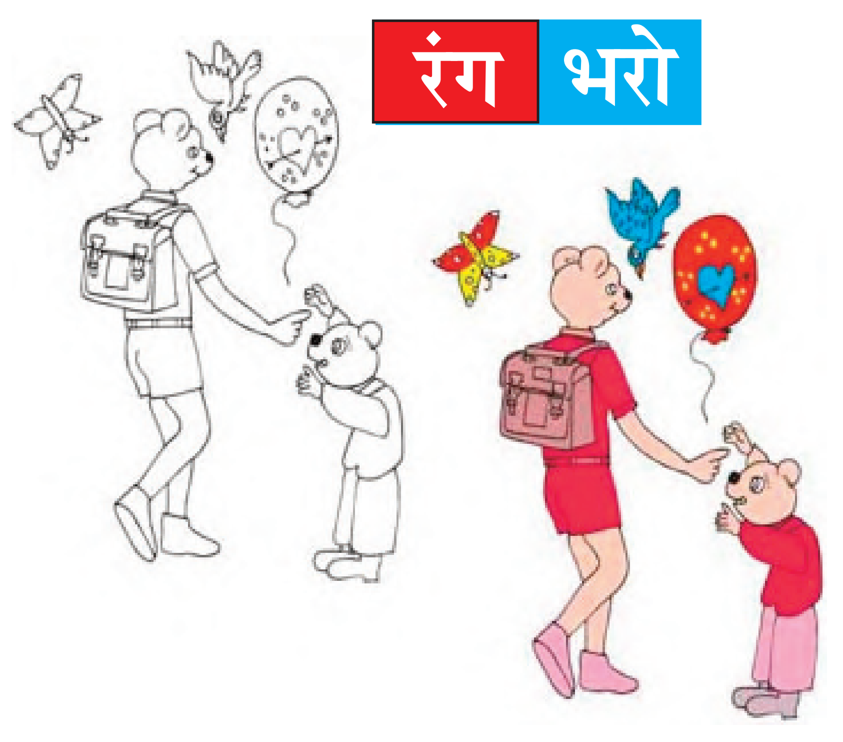

जिज्ञासा

पानी साफ करेंगी सूर्य की किरणें

पड्युरु यूनिवर्सिटी के शोधार्थियों ने एक प्रोटोटाइप वॉटरडिस्फंक्शन सिस्टम तैयार किया है, जो सूर्य की किरणों से पानी को साफ कर उसे पीने या रसोई के अन्य कामों के इस्तेमाल के लायक बनाएगा। इस विधि में अल्ट्रावॉयलेट किरणों पानी में पाए जाने वाले कीटाणुओं को साफ **तकनीक :** इसके लिए एक खास उपकरण बनाया गया है। इसमें पेराबोलिक रिफ्लेक्टर सूर्य के प्रकाश को यूवी ट्रांसपेरेंट पाइप पर परावर्तित करेगा। इस पाइप में पानी बह रहा होगा। सूर्य की पराबैंगनी किरणें पानी में पाए जाने वाले विभिन्न रोगाणुओं को नष्ट कर देंगी। इसके लिए रिफ्लेक्टर में एल्युमीनियम फॉयल का प्रयोग किया जाएगा। इससे ई-कोली बैक्टीरिया को नष्ट किया जा सकेगा। यह तकनीक न सिर्फसस्ती है, बल्कि कहीं पर भी इस्तेमाल में लाई जा सकती है। इसका फायदा विकासशील राष्ट्रों को होगा।

फायदा : तमाम विकासशील देशों में अधिसंख्य आबादी के पास पीने या रसोई के इस्तेमाल लायक साफपानी का अभाव है। इस कारण वे प्रदूषित पानी के इस्तेमाल को मजबूर हैं। इसी का परिणाम है कि हर साल लाखों बच्चे डायरिया के शिकार हो जाते हैं। जो बच भी जाते हैं, वे डिहाइड्रेशन से ग्रस्त रहते हैं। अनुमान के मुताबिक दुनिया भर के अस्पतालों के आधे से ज्यादा बेड पानी जनित बीमारियों से ग्रस्त मरीजों से भरे रहते हैं।

आगे क्या : अब वैज्ञानिक इस से विब्रियो कॉलरा और टायफाइड देने वाले रोगाणुओं के सफाए की दिशा में काम कर रहे हैं। सूर्य की प्राकृतिक पराबैंगनी किरणों की वेवलेंथ कृत्रिम यूवी स्रोत की तुलना में ज्यादा लंबी होती है। इस कारण इसकी मदद से अधिक प्रभावी ढंग से पानी को साफ किया जा सकेगा। फिलहाल यह उपकरण लगभग 100 डॉलर में तैयार हो रहा है।

नाक से पैदा होगी बिजली?

नाक से पैदा होगी बिजली..सुनने में ये कुछ अजीब लगता है पर विस्कॉन्सिन-मेडिसन यूनिवर्सिटी के इंजीनियरों ने दावा किया है कि वह जल्द ही ऐसी तकनीक बना लेंगे, जिससे आदमी के श्वसन तंत्र के जरिए बिजली पैदा की जा सकेगी। इसमें कुछ विशेष प्रकार के विद्युत सेंसर नाक में लगाए जाएंगे जिससे सांस लेते समय ऊर्जा पैदा होगी। इस तकनीक को लेकर एक रिपोर्ट एनर्जी एंड एनवायरमेंटल साइंस जर्नल में प्रकाशित हुई है।

कैसे पैदा होगी बिजली

वैज्ञानिकों ने एक खास 'माइक्रोबेल्ट' बना ली है जो हल्की सी भी हवा के गुजरने से कंपन करती है। इंजीनियरों की टीम के प्रमुख प्रोफेसर जूडॉन्ग वांग ने बताया कि पॉलीविनायलीडीन फ्लोराइड (पीवीडीएफ) यंत्र मामूली से यांत्रिक दबाव से ऊर्जा का उत्पादन करने लगती हैं।

ञ्इस प्रक्रिया को पीजोइलेक्ट्रिक इफेक्ट कहते हैं। वांग के मुताबिक शरीर के किसी भी हिस्से में जहां पर यांत्रिक दबाव का क्षेत्र बनता है वहां पर इस तकनीक का प्रयोग कर बिजली पैदा की जा सकती है।

माइक्रोवॉट में पैदा होगी बिजली

नाक और चेहरे पर लगाई जाने वाली ये तकनीक माइक्रोवाट में बिजली पैदा करेंगे। जिन्हें नैनो टेक्नोलॉजी आधारित प्रक्रिया से बनाए गए छोटे-छोटे जनरेटर कहीं भी सप्लाई कर सकते हैं। इतना ही नहीं इससे मेडिकल साइंस में चमत्कार होगा। आदमी की धड़कन, ब्लड प्रेशर, शुगर, पेसमेकर बैटरी की स्थिति का सही-सही पता चल सकेगा। पेसमेकर बैटरी तो चार्ज भी हो जाएगी, उसे बदलने का झंझट खत्म होगा और खर्चा भी बचेगा।

भविष्य में और प्रयोग

इस तकनीक के सफल होने के बाद शरीर में खून के प्रवाह, गति, शरीर के तापमान आधारित नई विद्युत उत्पादन प्रणालियां बनाई जाएंगी। क्योंकि पीवीडीएफ शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता, और यह एक बेहद छोटा उपकरण है, जो शरीर में कहीं भी लगाया जा सकता है, जिसका मनुष्य को पता भी नहीं चलेगा

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगें

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। ख़राब दौर हमें बहुत–कुछ देता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में सूखे–सर्दीले दौर के बाद आप–को धूप नसीब हो सकती है। सोशल मीडिया पर ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त गुज़ारना न केवल समय की बर्बादी है, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी अच्छा नहीं है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आप–को यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। यात्राओं से तुरंत लाभ तो नहीं होगा, लेकिन इसके चलते अच्छे भविष्य की नींव रखी जाएगी। रात को आज आप अपने किसी करीबी के साथ घूमने जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दु:ख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। यह बात आज आपके जुबान पर आ सकती है क्योंकि आप के घर में आज स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। बिना किसी अनुभवी शख्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। संभव है कि आज आप लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है। इसलिए वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें। सोच–समझकर फ़ैसला करें कि आप किसके साथ बाहर जाने वाले हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। छोटे बच्चे आपको व्यस्त रखेंगे और दिली सुकून देंगे। अपने प्रिय के साथ आज अच्छी तरह बर्ताव करें। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 मई 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 07:22 तक
नक्षत्र : पुष्य दोपहर 12:54 तक
योग : गण्ड रात्रि 12:41 तक
करण : वणिज प्रातः 07:22 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रविपुष्य सिद्धि योग दोपहर 12:54 तक , गण्डमूल दोपहर 12:55 से , भद्रा प्रातः 07:22 से रात्रि 07:24 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

साइबर सिक्योरिटी में भी सर्वश्रेष्ठ बनेगा राजस्थान : कर्नल राठौड़

जयपुर, 03 मई (एजेंसियां)। प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की अध्यक्षता में योजना भवन में शनिवार को आयोजित एक उच्चस्–तरीय बैठक में साइबर सिक्योरिटी को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में तकनीकी उन्नति, मानव संसाधन और प्रक्रियाओं के विकास पर चर्चा की गई।आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने बैठक में साइबर सिक्योरिटी के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी केवल सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर तैयार करने तक सीमित नहीं है। इसके लिए तीन प्रमुख तत्वों–पीपल (लोग), प्रोसेस (प्रक्रियाएं) और टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) का समन्वय जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल तकनीक पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देना होगा ताकि विदेशी निर्भरता कम हो।

कर्नल राठौड़ ने बैठक में मानव संसाधन के विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने के लिए संरचित और असंरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हर दिन प्रशिक्षण, जागरूकता का विस्तार और ग्रूमिंग होनी चाहिए। इसके लिए पर्याप्त बजट प्रावधान भी किए जाएंगे, जिससे सर्टिफाइड ट्रेनिंग प्रोग्राम्स के माध्यम से कर्मचारियों की क्षमता को और निखारा जा सके। इससे न केवल कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता बढ़ेगी, बल्कि उनकी पेशेवर मूल्यवृद्धि भी होगी। साथ ही कार्य संस्कृति में सुधार होगा, जो दीर्घकालिक रूप से विभाग की कार्यक्षमता को बढ़ाएगा।

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को देश का सर्वश्रेष्ठ बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत, मजबूत भारत है। हम नई सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान का आईटी विभाग राष्ट्रीय स्तर पर एक मिसाल बने। इस दिशा में विभाग ने एक निश्चित समयावधि में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना बनाई है। कर्नल राठौड़ ने भामाशाह डेटा सेंटर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह वर्तमान में देश के अन्य राज्यों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और उन्नत है। यह डेटा सेंटर न केवल तकनीकी रूप से सक्षम है, बल्कि साइबर खतरों से डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। बैठक में प्रतिष्ठित साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और पूर्व सैन्य अधिकारी कर्नल निधीश भटनागर ने साइबर सिक्योरिटी के संबंध में प्रजेंटेशन के माध्यम से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी हर दिन चालाक बनते जा रहे हैं। ऐसे में आईटी प्रोफेशन से जुड़े हर व्यक्ति को भी हर दिन अपडेट और सतर्क रहने की आवश्यकता है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति संबंधी याचिका में संबंधित दिवानी न्यायालय को निर्देश दिए

जयपुर , 03 मई (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय के जस्टिस सुदेश बंसल ने प्रार्थीगण की याचिका में संबंधित दिवानी न्यायालय को उत्तराधिकार अधिनियम के तहत मामले को यथाशीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए है । इस मामले में याचिकाकर्ताओं की तरफ से मोहित बलवदा व आदित्य राज ढाका अधिवक्ताओं ने पैरवी की। मामले के संक्षिप्त तथ्य हैं कि मृतक राज्य कर्मचारी के सेवा अभिलेख के तहत प्रार्थीगण का उसके उत्तराधिकारियों के रूप में नामित हैं। मोहित बलवदा एडवोकेट ने बताया कि जलदाय विभाग जिसका मृतक कर्मचारी था, ने भी कभी भी इस तथ्य से इंकार नहीं किया है। मोहित बलवदा एडवोकेट ने न्यायालय को बताया कि अप्रार्थी महिला द्वारा उत्तराधिकार अधिनियम के तहत एक झूठा दावा अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष गंगापुर सिटी में प्रस्तुत किया गया।

मोहित बलवदा एडवोकेट का तर्क था कि प्रार्थी रोहित मीणा की अनुकंपा नियुक्ति में व्यवधान उत्पन्न करने के लिए दायर किया गया है। मोहित बलवदा एडवोकेट के तर्कों से सहमत होकर उच्च न्यायालय ने संबंधित दिवानी न्यायालय को निर्देश दिया कि उत्तराधिकार अधिनियम के तहत याचिका जल्द से जल्द एक वर्ष में निस्तारित किया जाए ताकि प्रार्थी की नियुक्ति संबंधी विभाग नियमानुसार कर सके।

राष्ट्र निर्माण में लोक सेवक की अहम भूमिका : भजनलाल

जयपुर, 03 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान के चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान कर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया है कि वे सभी अमृत काल के योद्धा के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान देंगे तथा उत्कृष्ट लोक सेवा के माध्यम से हमेशा राजस्थान का नाम देशभर में रोशन करेंगे।

शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने पिछले वर्ष से चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की पहल की है। देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माने जाने वाली यह परीक्षा पास करके प्रदेश के युवाओं ने अपने माता–पिता के साथ ही क्षेत्र और पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इस सफलता के बाद जीवन में बेहतर कार्य करते हुए परिजनों की खुशी के भाव को जीवन में आगे भी बनाएं रखें।

मुख्यमंत्री ने कर्ता के आगे हारे करतार उक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है तथा दृढ़ संकल्प के साथ की गई मेहनत से सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता के बाद भी चयनित युवाओं के जीवन में नए परिश्रम का दौर शुरू होगा। क्योंकि राष्ट्र निर्माण और गरीब कल्याण में लोक सेवक की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। उन्होंने जीवन में विनम्रता एवं धैर्य को अपनाते हुए आमजन की आकांक्षाओं को पूरा करने का आह्वान किया।

शर्मा ने कहा कि लोक सेवक प्रशासन के कर्णधार हैं तथा लोक सेवा का महत्व हमारे समाज और राष्ट्र के लिए असीमित है। इसलिए लोक सेवकों का नवाचारी होना महत्वपूर्ण है, ताकि आम लोगों को बेहतर नागरिक–केंद्रित सेवाएं प्रदान की जा सकें।

उन्होंने आह्वान किया कि हमारे प्रदेश की मिट्टी ने हमेशा से वीरों, विद्वानों और कर्मठ लोगों को जन्म दिया है और अब वे सभी भी अपनी सेवा के माध्यम से गौरवमयी मिट्टी की खुशबू को फैलाएं और कर्मभूमि के साथ ही जन्मभूमि से जुड़े रहे। समारोह में मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सिविल सेवा में चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की इस पहल से प्रदेश के होनहारों को प्रेरणा मिल रही है।

उन्होंने कहा कि लोकसेवक के रूप में देश और समाज की सेवा का सौभाग्य चुनिंदा लोगों को ही मिल पाता है। महानिदेशक पुलिस ने कहा कि अपने सेवाकाल में हमेशा गरीब कल्याण को प्राथमिकता दें और अपनी सफलता में माता–पिता और परिजनों के योगदान को कभी नहीं भूले।

कार से मिले सवा करोड़ के पुराने नोट, सलूंबर पुलिस ने तीन लोगों को पकड़ा

सलूंबर, 03 मई (एजेंसियां)। जिले की सलूंबर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी के दौरान एक कार से लगभग 1.34 करोड़ रुपए के पुराने नोट जब्त किए हैं। इस मामले में कार में सवार तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सलूंबर एसपी राजेश यादव ने बताया कि थानाधिकारी मनीष खोईवाल को सूचना मिली थी कि एक कार में पुराने नोटों का अवैध परिवहन किया जा रहा है। इस पर पुलिस ने उदयपुर–सलूंबर मेगा हाइवे पर नाकाबंदी की। चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कार को रोका गया, जिसमें नोटों की गड्डियां बरामद हुईं। गिनती करने पर पता चला कि कार में 1000 रुपए की 98 और 500 रुपए की 73 गड्डियां थीं। कुल राशि लगभग 1 करोड़ 34 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। कार से कुछ खाली कागज और एक केमिकल की शीशी भी बरामद की गई है।

पुलिस ने इस मामले में महाराष्ट्र के नांदेड निवासी पदमावत कुलकर्णी, कन्हैयालाल मेहता और कयूम को हिरासत में लिया है। कन्हैयालाल मूलतः सलूंबर के बस्सी क्षेत्र का रहने वाला है और वर्तमान में मुंबई में व्यापार करता है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ये पुराने नोट बदलवाने आए थे और इसके बदले उन्हें करीब 12 प्रतिशत की दर से राशि मिलने वाली थी। थानाधिकारी मनीष खोईवाल ने बताया कि फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुराने नोटों के इस नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है।

पेयजल पर राजनीति ना करे पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी : चौटाला

चंडीगढ़, 03 मई (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने मौजूदा जल संकट के विषय पर राज्य सरकार को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया है और मांग की है कि पंजाब के साथ जल समझौतों को पूरी तरह लागू करवाने के लिए हरसंभव कदम उठाए। पंजाब द्वारा पानी रोके जाने के विषय पर हुई सर्वदलीय बैठक में जेजेपी की तरफ से पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा ने हिस्सा लिया और सरकार से उचित कदम उठाने को कहा। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि राज्य सरकार को भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड में हरियाणा के अधिकारियों की संख्या बढ़ानी चाहिए ताकि हमारे अधिकारी अपने राज्य के हक के पानी के लिए बेहतरी से पैरवी कर पाए। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार के तानाशाही रवैये को देखते हुए केंद्र सरकार को नंगल डैम पर तुरंत प्रभाव से अर्धसैनिक बल की तैनाती करनी चाहिए और हरियाणा को उसके हिस्से का पूरा पानी दिलाए।

पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज पंजाब से पूरा पानी नहीं मिलने के चलते हरियाणा के सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, कैथल, जींद जैसे अनेक जिलों के लोग पेयजल संकट का सामना करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, हरियाणा सरकार और पंजाब सरकार को गंभीरता के साथ जल्द जल बंटवारे के विवाद को सुलझाना चाहिए।

दुष्यंत चौटाला ने यह भी कहा कि जल संकट को देखते हुए हरियाणा सरकार को लोगों के लिए पेयजल की आपूर्ति के प्रबंधन के लिए अन्य संसाधनों और आपात व्यवस्थाओं पर भी गंभीरता से तुरंत कदम उठाने चाहिए ताकि आने वाले दिनों में पेयजल की समस्या गंभीर ना बने। साथ ही जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला ने सभी सांझे बांधों की गाद निकालने, बीबीएमबी को ऊर्जा मंत्रालय से हटाकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अधीन करने और हरियाणा का पानी लाने के लिए केंद्रीय बलों का इस्तेमाल करने के विषय भी उठाए।

उन्होंने कहा कि यह अफसोस की बात है कि पंजाब हर साल अपने हिस्से से ज्यादा पानी लेता है और हरियाणा के वाजिब हक पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी को राजनीति से ऊपर उठकर न्यायसंगत बात करनी चाहिए और पानी तुरंत छोड़ना चाहिए।

एक दिन की बारिश ने खोली सरकार के अनाज मंडियों में प्रबंधों की पोल : सैलजा

सिरसा, 03 मई (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की अनाज मंडियों में सरकार की ओर से कैसी व्यवस्था की गई है कि इसकी पोल एक ही दिन की बारिश ने खोलकर रख दी है। समय पर उठान न होने के कारण मंडी में गेहूं बारिश में भीगकर खराब हो रहा है। आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन होगा, बारिश से गेहूं खराब होने को लेकर किसानों और आढ़तियों में भारी रोष है क्योंकि भीगने से गेहूं की गुणवत्ता घटेगी, तो उसका नुकसान या तो किसानों को झेलना पड़ेगा या फिर व्यापारियों को जबकि तुलाई के बाद किसान की जिम्मेदारी खत्म हो जाती है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि अनाज मंडियों में व्यापक प्रबंध न होने पर उनकी ओर से पहले भी कई बार यह मुद्दा उठाया था कि सरकार द्वारा मंडियों की सुध ली जा रही है जिससे पूरा उठान भी नहीं हो पा रहा है। अब जब किसानों की मेहनत बर्बाद हो रही है, क्या किसी की कोई जवाबदेही तय होगी?

भाजपा सरकार बिना देरी के इस व्यवस्था को सुधारे ताकि मंडियों में पड़ा अनाज यूं ही खराब न हो। समय पर उठान न होने के कारण अनाज मंडियों में गेहूं बारिश में भीग कर खराब हो रहा है। एक दिन की बारिश में ही भाजपा सरकार के तमाम दावों की पोल खुल गई। इसे लेकर किसानों और व्यापारियों में गुस्सा हैं। हर बार बरसात में ऐसा ही होता है, लेकिन प्रशासन सिर्फ खानापूर्ति करता है। अब जब गेहूं की गुणवत्ता घटेगी, तो उसका नुकसान या तो किसानों को झेलना पड़ेगा या फिर व्यापारियों को। सरकार की लापरवाही से जो अनाज खराब हुआ है, उसका उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

चंडीगढ़ में नशे के विरुद्ध कार्यक्रम

सीएम सैनी संग शामिल हुए हरियाणा और पंजाब के राज्यपाल

चंडीगढ़, 03 मई (एजेंसियां)। हरियाणा और पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ में शनिवार को नशे के विरोध में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया शामिल हुए। इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों ने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब के राज्यपाल ने पत्रकारों से बातचीत भी की। दोनों ने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के विकास में युवाओं की भूमिका अहम होती है। ऐसी स्थिति में अगर हम चाहते हैं कि हमारे देश का विकास दोहरी गति से हो, तो हमारे लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम युवाओं को नशे के जंजाल से दूर रखें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, आमतौर पर देखा जाता है कि युवा अपने दोस्तों के साथ रहने के दौरान नशे की गिरफ्त में आ जाते हैं। उन्हें लगता है कि इससे उन्हें आनंद मिलेगा, लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। धीरे–धीरे करके युवा नशे के जाल में पूरी तरह से फंस जाते हैं और अपनी जिंदगी तबाह कर लेते हैं। इसी को देखते हुए हमने इस कार्यक्रम का आयोजन किया है, जिसमें हम युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील कर रहे हैं, ताकि वे देश के विकास में अपना अहम योगदान दे सकें।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के विकसित राष्ट्र के संकल्प को पूरा करने के लिए युवाओं का नशे से दूर रहना नितांत आवश्यक है। इससे उनके मन और तन दोनों ही स्वस्थ रहेंगे और जब हमारे युवाओं का तन और मन दोनों ही स्वस्थ रहेंगे, तभी वे देश के विकास में अपना योगदान दे सकेंगे।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आईएएनएस से बातचीत में युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम लगातार इस प्रयास में जुटे हुए हैं कि हमारा राष्ट्र नशामुक्त हो। कोई भी युवा नशे की गिरफ्त में नहीं रहे। यह एक तरह का जन आंदोलन है और इसमें सफलता सिर्फ सरकार के प्रयासों से ही मुमकिन नहीं हो पाएगी, बल्कि आम लोगों को भी आगे आना होगा।

उन्होंने कहा कि मैं जनता से चाहता हूं कि वे जहां कहीं भी हैं, वहां से ही इस आंदोलन की शुरुआत करें और युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करें, ताकि वे देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

गोरखपुर में पांचवें विश्वविद्यालय की स्थापना की प्रक्रिया तेज

गोरखपुर में बनेगा फॉरेस्ट्री एंड हॉर्टिकल्चर विश्वविद्यालय

गोरखपुर, 03 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के अनुरूप गोरखपुर में पांचवें विश्वविद्यालय के रूप में फॉरेस्ट्री एंड हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी की स्थापना की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ने लगी है। वांछित 50 हेक्टेयर जमीन चिन्हित होने के बाद इसकी डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार की जा रही है। इसके साथ ही नए विश्वविद्यालय के लिए प्रस्तावित अधिनियम भी शासन को प्रेषित की जा चुकी है। योगी सरकार वानिकी विश्वविद्यालय के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 50 करोड़ रुपए का प्रावधान फरवरी में ही कर रखा है।

6 सितंबर 2024 को सीएम योगी आदित्यनाथ ने कैम्पियरगंज में दुनिया के पहले राजगिद्ध जटायु (रेड हेडेड वल्चर) संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र के लोकार्पण अवसर पर गोरखपुर वन प्रभाग में फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी (वानिकी विश्वविद्यालय) बनाने की घोषणा की थी। यह वानिकी विश्वविद्यालय न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि समूचे उत्तर भारत का अपने तरह का पहला विश्वविद्यालय होगा। यही नहीं, यह देश का दूसरा और पूरी दुनिया का चौथा वानिकी विश्वविद्यालय होगा। देश की पहली और दुनिया की तीसरी फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी तेलंगाना में है जहां वानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान को अपग्रेड कर विश्वविद्यालय बनाया गया है। देहरादून में 1906 में स्थापित फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट डीम्ड यूनिवर्सिटी के रूप में है।

गोरखपुर में फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी खोलने की मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद प्रशासन और वन विभाग ने जमीन की तलाश शुरू की। इस तलाश में कैम्पियरगंज रेंज के भारी वैसी ब्लॉक में 50 हेक्टेयर भूमि को विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए उपयुक्त पाया गया। चूंकि यह चिन्हित भूमि आरक्षित वन है इसलिए फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी बनाने हेतु वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम 2023 के तहत भारत सरकार से अनुमति लेनी जरूरी है। विधिवत अनुमति प्राप्त करने के लिए 50 हेक्टेयर गैर वन भूमि उपलब्ध कराकर इस पर प्रतिपूरक वनारोपण कराना होगा।

इस संबंध में जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश बताते हैं कि फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी के लिए प्रयुक्त होने वाले 50 हेक्टेयर आरक्षित वन भूमि के गैर वानिकी प्रयोग के लिए वन भूमि हस्तांतरण को भारत सरकार से अनुमति प्राप्त करने के लिए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के परिवेश पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जा चुका है उम्मीद है कि लैंड ट्रांसफर का काम इसी माह पूरा हो जाएगा। जिलाधिकारी के मुताबिक विश्वविद्यालय की डीपीआर भी जल्द ही अनुमोदित होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की तैयारी अगले तीन-चार माह में निर्माण कार्य शुरू कराने की है।

प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) विकास यादव बताते हैं कि वानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सैद्धांतिक प्रदेश शासन के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग-1 से प्राप्त हो चुकी है। इसके साथ ही प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा 'उत्तर प्रदेश वानिकी विश्वविद्यालय' की स्थापना हेतु तैयार अधिनियम शासन को भेज दिया गया है। इस विश्वविद्यालय में वानिकी के अलावा कृषि वानिकी, सामाजिक वानिकी और औद्यानिक के भी डिग्री और डिप्लोमा कोर्स संचालित कराने की योजना है ताकि बड़ी संख्या में युवाओं के सामने नौकरी और रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हो सकें।

फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिए वन विभाग की तरफ से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने 621 करोड़ 26 लाख 90 हजार रुपए की कार्ययोजना तैयार की है। फरवरी माह में इसे प्रमुख सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को भेज दिया गया है। 50 हेक्टेयर की कार्ययोजना में 6 हेक्टेयर मुख्य भवन और हॉस्टल के लिए होगा जबकि 44 हेक्टेयर खुला क्षेत्र होगा। वानिकी विश्वविद्यालय से पूर्व गोरखपुर में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय अस्तित्व में हैं। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा स्थापित निजी क्षेत्र का पहला और महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय योगी सरकार की तरफ से राज्य का पहला आयुष विश्वविद्यालय हैं

किसान के खाते में आया बेइंतिहा धन, गिनने में गूगल भी फेल

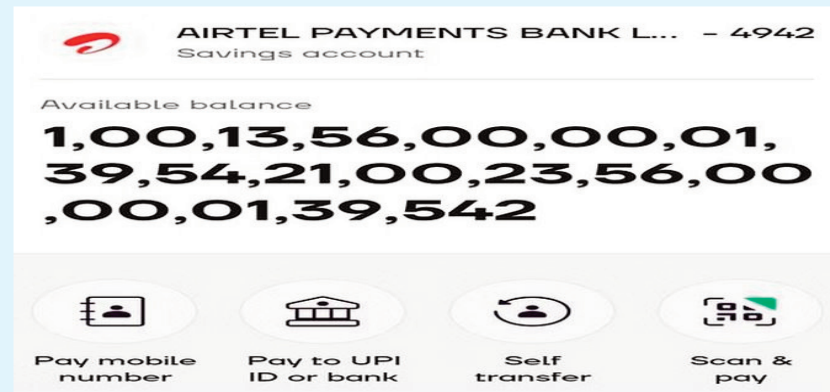

हाथरस, 03 मई (एजेंसियां)। यूपी के हाथरस में एक किसान के खाते में अचानक इतनी रकम आ गई कि अगर उस संख्या को गूगल पर डालकर शब्दों में पूछा गया तो गूगल भी उस रकम को नहीं गिन कर बता पाया। किसान के खाते में 1001356000001395421 00235600000139542 रुपए बैलेंस में दिखाने लगे यानी उसके खाते में इतनी अनगिनत रकम आ गई।

हाथरस में सादाबाद की ग्राम पंचायत मिढ़ावली के गांव नगला दुर्जिया के एक किसान के एयरटेल पेमेंट बैंक खाते में अचानक बेइंतिहा रकम आ गई। यह रकम 10 नील 01 खरब 35 अरब 60 करोड़ 13 लाख 95 हजार 421 खरब 235 अरब 60 करोड़ 13 लाख 89 हजार 542 रुपए बताई जा रही है। खाते में इतनी अधिक रकम देखकर उसके होश उड़ गए। उसने आनन-फानन में सादाबाद कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी। गांव नगला दुर्जिया मिढ़ावली निवासी महेंद्र सिंह के बेटे अजीत सिंह पेशे से किसान हैं।

अजीत सिंह ने बताया कि 24 अप्रैल को उनके एयरटेल पेमेंट बैंक के खाते से 1800 रुपए की रकम गायब हो गई। दूसरे दिन 25 अप्रैल को जब उन्होंने बैलेंस चेक किया तो देखा कि उनके खाते में बड़ी रकम आ चुकी है। उन्होंने इसकी सूचना मई पुलिस चौकी के अलावा सादाबाद कोतवाली पर दी। उन्होंने बताया कि उन्हें किसी साइबर अपराधी द्वारा फंसाने की कोशिश की जा रही है। पहले उनके खाते से रकम गायब कर दी गई और फिर अचानक इतनी रकम उनके खाते में भेज दी गई। अजीत ने बताया कि उन्होंने इसकी शिकायत एयरटेल पेमेंट बैंक के कस्टमर केयर पर की है, जिसके बाद उनके खाते को फ्रिज कर दिया गया है। साइबर सेल में भी उन्होंने ऑनलाइन शिकायत की है।

सीओ हिमांशु माथुर ने बताया कि मामला साइबर क्राइम से जुड़ा है, इसलिए पीड़ित को साइबर क्राइम सेल में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने को कहा गया है। बैंक से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक यह एक टेक्निकल गड़बड़ी हो सकती है। इतनी बड़ी रकम किसी खाते में आना संभव नहीं है।

दुष्कर्म के आरोपी पूर्व एमएलसी महमूद अली दोषी करार

12 साल की सजा, हाजी इकबाल के तीन बेटों को भी सजा

मुजफ्फरनगर, 03 मई (एजेंसियां)। सहारनपुर में एमपीएमएलए अदालत ने दुष्कर्म के मामले में पूर्व एमएलसी महमूद अली को 12 साल की सजा सुनाई है। जबकि हाजी इकबाल के बेटे जावेद, अफजाल और अलीशान को पॉक्सो एक्ट में पांच-पांच साल की सजा सुनाई गई है। उधर, दोषियों के अधिवक्ता का कहना है कि इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि थाना मिर्जापुर निवासी एक महिला ने 21 जून 2022 को महिला थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि महमूद अली ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। जबकि जावेद, अफजाल और अलीशान पर छेड़छाड़ का आरोप था। पुलिस ने मामले की जांच करने के बाद अदालत में वाद दायर किया। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए मोहित शर्मा की अदालत में चल रही थी। अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए पत्रावलियों पर आए साक्ष्यों और गवाहों को सुनने के बाद चारों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है।

अदालत ने महमूद अली पर पांच लाख रुपए जुर्माना और बाकी तीनों दोषियों पर दो-दो लाख का जुर्माना लगाया है। वहीं, दोषियों के अधिवक्ता का कहना है कि यह अभियोजना फर्जी सबूतों के आधार पर दर्ज कराया था।

स्विस तकनीक से तय होगी गंगा एक्सप्रेस-वे का स्तर और सुविधा

योगी सरकार और ज्यूरिख यूनिवर्सिटी में हुआ करार

लखनऊ, 03 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार गंगा एक्सप्रेस-वे को विश्वस्तरीय बनाने के लिए स्विस बेस्ड अत्याधुनिक तकनीक का सहारा ले रही है। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख की ईटीएच यूनिवर्सिटी और आरटीडीटी लैबोरेट्रीज एजी के साथ हुए करार के तहत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई)और सेंसर-आधारित तकनीक से रोड की गुणवत्ता और कम्फर्ट की जांच की जा रही है।

यह तकनीक निर्माण के दौरान ही खामियों को पकड़कर सुधारने में सक्षम है। गंगा एक्सप्रेस-वे पर इस तकनीक का उपयोग करने के बाद इसे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर भी लागू करने की योजना है। उल्लेखनीय है कि 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेस-वे मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को जोड़ेगा और भविष्य में इसे बलिया तक विस्तारित किया जाएगा,जिससे यह देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे बनेगा। स्विस तकनीक का उपयोग इस परियोजना को तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के साथ-साथ योगी सरकार के उस विजन को रेखांकित करता है, जो उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेस प्रदेश के रूप में स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा)के एसीईओ श्रीहरि प्रताप शाही ने बताया कि गंगा एक्सप्रेस-वे की राइडिंग क्वॉलिटी और कम्फर्ट को सुनिश्चित करने के लिए स्विस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके तहत वायब्रेशन टेक्नोलॉजी और 7 एक्सेलेरोमीटर सेंसर (4 क्वॉलिटी और 3 कम्फर्ट के लिए) से लैस इनोवा वाहन सभी 6 लेन की जांच कर रहा है। यह वाहन रोड की सतह, कम्फर्ट लेवल और उतार-चढ़ाव का डाटा एकत्र करता है,जिसे ऑनलाइन ग्राफ के रूप में देखा जा सकता है।

योगी सरकार ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख की ईटीएच यूनिवर्सिटी और आरटीडीटी लैबोरेट्रीज एजी के साथ मिलकर यह तकनीक लागू की है। सेंसर-आधारित डिवाइस और डाटा कलेक्शन उपकरण रोड की गुणवत्ता का रियल-टाइम विश्लेषण करते हैं। इस तकनीक से यह तुरंत पता चल जाता है कि सड़क का कौन सा हिस्सा मानकों पर खरा नहीं उतर रहा। निर्माण के दौरान ही इन कमियों को सुधारने से बाद में मेंटेनेंस की लागत और चुनौतियां कम होंगी।

उन्होंने बताया कि पहले सड़क निर्माण के बाद क्वॉलिटी की जांच होती थी, जिससे मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट को ठीक करना मुश्किल होता था। गंगा एक्सप्रेस-वे पर स्विस तकनीक के जरिए निर्माण के दौरान ही रोड की क्वालिटी और कम्फर्ट की निगरानी हो रही है। सेंसर रोड के अप्स एंड डाउन्स और कम्फर्ट लेवल को मापते हैं और जहां जरूरत होती है, वहां तुरंत सुधार किया जाता है। यह तकनीक समय और संसाधनों की बचत करती है।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर इस तकनीक की सफलता को देखते हुए यूपीडा इसे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर भी लागू करने जा रहा है।

यह 91.35 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस-वे गोरखपुर को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ेगा। स्विस तकनीक के उपयोग से यह एक्सप्रेस-वे भी उच्च गुणवत्ता और कम्फर्ट के साथ तैयार होगा, जो योगी सरकार की आधुनिक बुनियादी ढांचे की सोच को मजबूती देगा।

नेपाल सीमा से सटे जिलों के सौ से ज्यादा मदरसे सील

सबसे ज्यादा श्रावस्ती के 68 मदरसे हुए सील

लखनऊ, 03 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई शनिवार को भी जारी रहा। प्रदेश के पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अब तक महाराजगंज में 33 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे मिले हैं, जबकि सिद्धार्थनगर में 21 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे मिले हैं। वहीं सर्वाधिक कार्रवाई श्रावस्ती जनपद में हुई है। यहां अब तक 68 अवैध मदरसे सील किये गये हैं, साथ ही 164 के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई की गई है।

वहीं पीलीभीत में भी एक अवैध धार्मिक स्थल मिला है। प्रशासन ने इसमें शामिल 6 लोगों के नाम नोटिस जारी किया है।

महारागंज जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि कुल 33 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे चिह्नित किये गये हैं।

इनमें से 19 मदरसे हैं, जिनमें से 4 के कब्जे हटाये गये हैं, 14 कब्जों के सापेक्ष 67(1) की कार्रवाई की गई है, जबकि एक का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसी प्रकार 10 अवैध धार्मिक स्थलों पर 67(1) की कार्रवाई की गई है। ऐसे ही सरकारी जमीन पर बनाए गये चार मजारों में से दो को हटा दिया गया है। एक में 67(1) की कार्रवाई की गई है, जबकि एक को वन विभाग की ओर से नोटिस दी गई है।

सिद्धार्थनगर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में नेपाल सीमा से 10 किलोमीटर अंदर तक कुल 21 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं, जिनमें चार अवैध धर्मस्थल और 17 अवैध मदरसे शामिल हैं। जिला प्रशासन ने 20 अतिक्रमणों को नोटिस जारी की है, जबकि एक अतिक्रमण को हटा दिया गया है। बलरामपुर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में अबतक 34 अवैध मदरसे, धार्मिक स्थल और मजार चिन्हित किए गए हैं। इनमें से 6 से कब्जा हटाया गया है।

16 मदरसे बंद करा दिए गए हैं और 12 को नोटिस दी गई है। एक स्थान पर ईदगाह बना हुआ है, जिसपर कार्रवाई जारी है। पीलीभीत जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में अबतक केवल एक अवैध धार्मिक स्थल मिला है। जिसमें 6 लोगों को नोटिस दे दी गई है। श्रावस्ती जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में बिना मान्यता के चल रहे 68 मदरसों को सील कर दिया गया है, जबकि 164 मदरसों पर बेदखली की कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त भिनगा तहसील के ग्राम भरथा रोशनगढ़ में एक अवैध धर्मस्थल के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की गई है।

रस फैक्टरी में लगी भीषण आग

मालिक और कर्मी की जलकर मौत

लखनऊ, 03 मई (एजेंसियां)। लखनऊ में शनिवार की शाम अमौसी स्टेशन रोड स्थित रस फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस बीच ताबड़तोड़ कई धमाके भी हुई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। आगम में फैक्टरी में मालिक मवैया निवासी अखिलेश और उनका कर्मचारी अबरार फंस गए। दमकल कर्मियों ने 14 गाड़ियों से पांच घंटे में आग पर काबू पा लिया। हादसे में अखिलेश और अबरार की जलकर मौत हो गई।

अमौसी स्टेशन रोड पर गंगाविहार में अखिलेश की स्वीटी फूड नाम से चार मंजिला रस फैक्टरी है। पड़ोसी दुकानदारों के मुताबिक शनिवार को शाम साढ़े चार बजे अखिलेश व दस कर्मचारी फैक्टरी में काम कर रहे थे। इस बीच फैक्टरी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। ऊंची-ऊंची लपटों को उठता देख मालिक और कर्मी घबरा गए। अखिलेश और अबरार आग बुझाने में जुट गए। जबकि नौ अन्य कर्मी शोर मचाते हुए बाहर भाग निकले। घटना से अफरा-तफरी मच गई। अगल-बगल के दुकानदारों ने घटना की जानकारी दमकल और पुलिस को दी। वे भी निजी संसाधनों से आग बुझाने में लग गए। हादसे की जानकारी पर एडीसीपी दक्षिणी अमित कुमावत, एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय, एसडीएम सरोजनीनगर सचिन वर्मा, तहसीलदार, इंस्पेक्टर राजदेव प्रजापति पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए।

देखते ही देखते आग विकराल हो गई और पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। लपटों की तपिश से ताबड़तोड़ फैक्टरी के छत पर रखे केमिकल और ऑक्सीजन टैंक एक बाद एक फटने लगे। इससे लोगों में दहशत मच गई। धमाके इतने तेज थे कि पड़ोसियों के मकान में लगी खिड़कियों के शीशे चिटक गए। फैक्टरी के बाहर खड़ी एक कार को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया। सीएफओ मंगेश कुमार और एफएसओ सरोजनीनगर दो गाड़ियों और टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। दमकल कर्मी दो भागों में बंट गए और आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे।

मगर आग और विकराल होती चली गई। ऐसे में फायर स्टेशन हजरतगंज, आलमबाग, चौक और पीजीआई से भी 12 गाड़ियां बुलाई गईं। एक टीम हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म पर चढ़कर छत तक पहुंची और आग पर काबू पाने लगी। जबकि दूसरी टीम नीचे रेस्क्यू कार्य कर रही थी। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पांच घंटे में आग को पूरी तरह से बुझा लिया। इसके बाद दमकल कर्मियों को मालिक और कर्मचारियों के फैक्टरी में फंसे होने की जानकारी मिली। दमकल ने स्मोक एग्जॉस्ट से धुआं बाहर निकाला। फिर वीआर सेट पहनकर वे फैक्टरी में दाखिल हुए और दोनों का पता लगाने लगे। इस बीच एसडीआरएफ जवान भी मौके पर पहुंच गए। टीम ने दस मिनट में दोनों के शव बाहर निकाल लिए।

एडीसीपी दक्षिणी अमित कुमावत ने बताया कि फैक्टरी काफी समय से बंद चल रही थी। तीन दिन पहले ही अखिलेश ने दोबारा फैक्टरी का संचालन शुरू किया था। तभी किसी चीज में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। हादसे में मालिक अखिलेश और कर्मचारी अबरार की मौत हुई है। उधर, दुकानदारों ने फैक्टरी का संचालन काफी समय से होने की बात कही है। वहीं, एफएसओ सरोजनीनगर का दावा है कि फैक्टरी काफी समय से बंद थी। उसमें बेकरी का संचालन होता था।

महिला वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला : श्रीलंका-भारत का रविवार को अहम मैच

कोलंबो, 03 मई (एजेंसियां)।

महिला वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला में भारत और श्रीलंका के बीच रविवार को एक अहम मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगी, वहीं श्रीलंका की कोशिश टूर्नामेंट में बने रहने की होगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया अब तक टूर्नामेंट में अजेय रही है।

भारत ने श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका—दोनों को हराकर अंक तालिका में टॉप पर जगह बनाई हुई है। टीम के तीनों विभाग बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग बेहद संतुलित नजर आए हैं। भारत ने श्रीलंका को पहले मुकाबले में बुरी तरह हराया था, वहीं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी दमदार प्रदर्शन किया।

श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में स्नेह राणा और श्री चारनी (नल्लापुरी) की स्पिन जोड़ी ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए मेज़बान टीम को सस्ते स्कोर पर समेट दिया था। इसके बाद स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल और हरलीन देओल ने लक्ष्य का पीछा आसानी से किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी भारतीय टॉप ऑर्डर ने ठोस शुरुआत दी, जिसके बाद हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्ज ने अंतिम 10 ओवरों में 82 रन जोड़कर टीम को मज़बूत स्कोर तक पहुंचाया। हालांकि तेज़ गेंदबाज़ काश्वी गौतम और अरुंधति रेड्डी कुछ महंगे साबित हुए, उन्हें इस मैच में बेहतर नियंत्रण दिखाना होगा।

वहीं श्रीलंका ने दक्षिण अफ्रीका को 5 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में दमदार वापसी की है। हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी की 128 रन की साझेदारी ने मैच का रुख पलट दिया। यह श्रीलंका के लिए चौथे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी रही है। मैच में माल्की मदारा और डेब्यू कर रही देवमी विहांगा ने मिलकर सात विकेट चटकाए, जो टीम के लिए सकारात्मक संकेत हैं। हालांकि कप्तान चमारी अटापट्टू की लगातार खराब फॉर्म श्रीलंका के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। टॉप ऑर्डर में 19 वर्षीय विश्वमी गुणरत्ने का आना टीम को थोड़ी गहराई जरूर देता है।

टीमें इस प्रकार हैं:

भारत: प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्ज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, काश्वी गौतम, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, नल्लापुरी चारनी, यस्तिका भाटिया, अमनजोत कौर, तेजल हसबनीस, शुचि उपाध्याय।

श्रीलंका: चमारी अटापट्टू (कप्तान), कविशा दिलहारी, इनोशी प्रीयधरशनी, विश्वमी गुणरत्ने, हंसीमा करुणारत्ने, अचिनी कुलसूर्या, सुगांदिका कुमारी, माल्की मदारा, हर्षिता समरविक्रमा, मनुडी नानायक्कारा, हसीनी परेरा, पियुमी वत्सला, इनोका राणावीरा, अनुष्का संजीवनी, रश्मिका सिव्वंडी, निलाक्षिका सिल्वा, देवमी विहांगा।

न्यूज़ ब्रीफ

टी20 मुंबई लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की एंट्री, अय्यर होंगे आइकन प्लेयर

मुंबई। टी-20 मुंबई लीग के बहुप्रतीक्षित तीसरे संस्करण में सोबो मुंबई फाल्कन्स ने दमदार एंट्री कर ली है। क्रिकेट के प्रति जुनून और विजन के साथ यह फ्रेंचाइज़ी न केवल अपने पहले सीज़न में शानदार प्रदर्शन करना चाहती है, बल्कि मुंबई क्रिकेट की समृद्ध परंपरा को आगे भी बढ़ाना चाहती है। टीम की शुरुआत को और खास बनाते हुए भारतीय दिग्गज खिलाड़ी कपिल देव को फ्रेंचाइज़ी का ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया है। वह अपने अनुभव और मार्गदर्शन से युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे। सोबो मुंबई फाल्कन्स, जो दक्षिण मुंबई की सांस्कृतिक आत्मा और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रतिनिधित्व करती है, इस सीज़न में पहली बार मैदान में उतर रही है। 26 मई से 8 जून तक मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले मुकाबलों में यह टीम नई ऊर्जा और कड़ी प्रतिस्पर्धा लेकर आएगी। टी-20 मुंबई लीग का यह तीसरा संस्करण भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार रोहित शर्मा के चेहरे के रूप में और भी खास बन गया है। वहीं, मुंबई फाल्कन्स की ओर से श्रेयस अय्यर को आइकन प्लेयर बनाया गया है, जिससे टीम को लेकर उत्साह और बढ़ गया है।

सुदीरमन कप 2025 : डिफेंडिंग चैंपियन चीन ने जापान को 3-0 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

बीजिंग। सुदीरमन कप 2025 में डिफेंडिंग चैंपियन चीन ने शनिवार को जापान को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस शानदार जीत के साथ चीन अब रिकॉर्ड 14वें खिताब के बेहद करीब पहुंच गया है। घरेलू दर्शकों के सामने खेले गए इस मुकाबले में चीन ने हर मुकाबले में अपना दबदबा दिखाया। चीन के वर्ल्ड नंबर 2 मिक्स्ड डबल्स जोड़ी फेंग यांझे और हुआंग डोंगपिंग ने मुकाबले की दमदार शुरुआत करते हुए जापान के हिरोकी मिदोरिकावा और अरिसा इगाराशी को 21-11, 21-17 से हराया। इसके बाद टॉप सीड शि यूकी ने पुरुष सिंगल्स में जापान के कोदाई नाराओका को 21-8, 21-16 से आसानी से हराकर चीन को 2-0 की बढ़त दिला दी। महिला सिंगल्स में मुकाबला काफी रोमांचक रहा, जहां जापान की अकाने यामागुची ने पहले गेम में जीत दर्ज कर वापसी की उम्मीद जगाई। हालांकि चीन की चेन युफेई ने जबरदस्त वापसी करते हुए 17-21, 21-9, 21-16 से जीत हासिल की और चीन को क्लीन स्वीप दिला दिया। 13 बार की विजेता चीन अब फाइनल में साउथ कोरिया और 1989 की चैंपियन इंडोनेशिया में से किसी एक से भिड़ेगी। इन दोनों टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबला आज शाम खेला जाना है। अब चीन की नजर अपने खिताबी सफर को और गौरवशाली बनाकर 14वीं बार सुदीरमन कप जीतने पर टिकी है।

तीन साल के बैन के बाद फिर विवादों में एस श्रीसंत

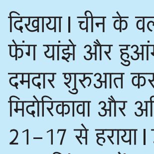

कोच्चि। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) ने उन्हें तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। इसका कारण संजू सैमसन को लेकर श्रीसंत द्वारा दिए गए बयान को बताया गया है। दरअसल, श्रीसंत ने एक मलयालम टीवी चैनल पर संजू सैमसन के टीम इंडिया में चयन न होने के लिए केसीए को दोषी ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले वर्ष विजय हजारे ट्रॉफी में सैमसन को केरल टीम से बाहर कर देने के कारण उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी में जगह नहीं मिल पाई। केसीए ने श्रीसंत के इन बयानों को झूठा और अपमानजनक मानते हुए कार्रवाई की है। श्रीसंत पहले भी कई विवादों में रह चुके हैं। 2008 में आईपीएल के पहले सीज़न के दौरान हरभजन सिंह ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद वे रोते हुए कैमरे में नजर आए थे। 2009 में अनुशासनहीनता के आरोपों में बीसीसीआई और केसीए से चेतावनी भी मिल चुकी है। सबसे बड़ा विवाद 2013 के आईपीएल स्पॉट-फिक्सिंग कांड का रहा, जिसमें उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन पर आजीवन बैन लगा था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के बाद घटाकर सात साल कर दिया गया, जो 2020 में खत्म हुआ। क्रिकेट मैदान पर भी श्रीसंत का आक्रामक स्वभाव कई बार सुर्खियों में रहा। 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने केविन पीटरसन और माइकल वॉन को खतरनाक बीमर गेंदें फेंकी थीं, जिससे उन पर जुर्माना लगा था।

बेंगलुरू शीर्ष पर पहुंची, चेन्नई ने गंवाया नौवां मैच

जैकब-कोहली के बाद रोमारियो और एनगिडी चमके

बेंगलुरू, 03 मई (एजेंसियां)। विराट कोहली, जैकब बेथल और रोमारियो शेफर्ड की फिफ्टी के बाद कसी हुई गेंदबाजी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चेन्नई सुपर किंग्स को 2 रन से हरा दिया। अंतिम ओवर के रोमांच में सीएसके को जीत के लिए 15 रन बनाने थे, लेकिन यश दयाल ने 12 सिर्फ रन खर्च कर मैच को आरसीबी की झोली डाल में दिया। इस तरह आरसीबी ने इस सीजन में 8वीं जीत के साथ 16 अंक अर्जित कर ली। हालांकि, 16 पॉइंट्स के बावजूद आधिकारिक रूप से आरसीबी की टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंची है।एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टॉस जीतने के बाद पहले आरसीबी को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने विराट कोहली, जैकब बेथल और रोमारियो शेफर्ड की अर्धशतकीय पारी से निर्धारित 20 ओवर के खेल में 5 विकेट के नुकसान पर 213 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में सीएसके ने दमदार खेल दिखाते हुए एक समय मैच अपने पक्ष में कर लिया था, लेकिन दुर्भाग्य से वह लक्ष्य से पीछे रह गई। सीएसके टारगेट का पीछा करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 211 रन ही बना सकी।आखिर में लड़खड़ाई की सीएसके की बैटिंग

आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की टीम पारी में 16 ओवर तक मैच में अपना दबदबा बनाकर रखा था, लेकिन इसके बाद आरसीबी के गेंदबाजों ने दमदार वापसी की। खास तौर से आरसीबी के लिए 18वां ओवर बहुत ज्यादा अहम रहा। सुयश शर्मा ने इस ओवर में सिर्फ 6 रन देकर सीएसके को मैच में पीछे धकेल दिया। इसके बाद 19वें ओवर में भुवनेश्वर कुमार के खिलाफ रविंद्र जडेजा और महेंद्र सिंह धोनी ने मिलकर 14 रन जुटाए। इस ओवर के बाद सीएसके को अंतिम ओवर में जीत के लिए 16 बनाने थे।आरसीबी के लिए आखिरी ओवर करने आए यश दयाल ने शुरुआत अच्छी की थी। पहली तीन गेंद पर उन्होंने सिर्फ 2 रन खर्च किए और धोनी का विकेट भी हासिल किया, लेकिन चौथी गेंद पर शिवम दुबे ने सिक्स लगाकर मैच के रोमांच को बनाए रखा। यश दयाल की ये गेंद नो बॉल भी हो गई थी, लेकिन इसके बाद दुबे और जडेजा सिर्फ तीन रन ही बना पाए, जिससे आरसीबी ने 2 रन से मैच को अपने नाम कर लिया। आरसीबी के खिलाफ इस मुकाबले में सीएसके के लिए आयुष म्हात्रे ने काल की बल्लेबाजी की। म्हात्रे ने 48 गेंद में 94 रनों की पारी खेली। वह सिर्फ रन से अपना शतक चूक गए। म्हात्रे ने 25 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की थी। अपनी इस पारी में उन्होंने 9 चौके और 5 छक्के भी लगाए। इसके अलावा रविंद्र जडेजा ने भी कमाल की पारी खेली। जडेजा ने सीएसके के लिए 45 गेंद में 77 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि, उनकी यह पारी सीएसके को जीत नहीं दिला पाई। इस तरह पांच बार की चैंपियन सीएसके को इस सीजन 11 मैचों में से 9वीं हार मिली। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इस मैच में आरसीबी के टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों ने कमाल की पारी खेली। पारी की शुरुआत करने आए विराट कोहली और जैकब बेथल के बीच पहले विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद रोमारियो शेफर्ड ने सिर्फ 14 गेंद में फिफ्टी ठोककर आरसीबी के गेंदबाजों की हालत खराब कर दी। आरसीबी के लिए मैच में विराट कोहली 33 गेंद में 62 रन बनाए जबकि बेथेल ने 33 गेंद में 55 रन का योगदान दिया। चेन्नई के गेंदबाजों के दिशाहीन प्रदर्शन ने उनका काम और आसान कर दिया। रोमारियो शेफर्ड ने आखिर में 14 गेंदों में चार चौकों और छह छक्कों के साथ नाबाद 54 रन बनाए। उन्होंने आईपीएल में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा।

ब्राज़ील के पूर्व मिडफील्डर डूडू ने क्रुज़ेरो क्लब छोड़ा, वापसी के 4 महीने बाद ही टूटा साथ

खिलाड़ी के साथ अनुबंध को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्णय लिया

रियो डी जनेरियो, 03 मई (एजेंसियां)।

ब्राज़ील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के पूर्व मिडफील्डर डूडू ने अपने पुराने क्लब क्रुज़ेरो से चार महीने के भीतर ही नाता तोड़ लिया है। डूडू ने दिसंबर के अंत में पाल्मेरास से फ्री ट्रांसफर पर वापसी की थी, लेकिन अब क्लब से उनका अनुबंध समाप्त हो गया है। तुरंत प्रभाव से अनुबंध समाप्त शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जारी एक संक्षिप्त बयान में क्रुज़ेरो ने कहा, क्रुज़ेरो सूचित करता है कि खिलाड़ी के साथ उसके अनुबंध को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्णय लिया गया है।

हालांकि, क्लब ने इस फैसले के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं किया। सिर्फ 17 मैच और दो गोल डूडू ने वापसी के बाद क्रुज़ेरो के लिए कुल 17 मुकाबले खेले और दो गोल किए। उनकी वापसी को लेकर प्रशंसकों में उम्मीदें थीं, लेकिन मैदान पर वह ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

मैनेजर से मतभेद की खबरें

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डूडू और क्लब के मैनेजर जॉन स्टीवंस के बीच रिश्तों में खटास आ गई थी, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया।

लंबा रहा करियर, कई क्लबों में खेल चुके

डूडू ने 2009 में क्रुज़ेरो से ही अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की थी और 2011 में डाइनामो कीव चले गए थे। इसके बाद उन्होंने कोरिटिबा, ग्रेमियो और कतर के क्लब अल-दुहैल के लिए भी खेला। डूडू ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम की ओर से तीन अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

सिंक्रोनाइज्ड प्रतिस्पर्धा

चीन की राजधानी बीजिंग में तटस्थ एथलीट बी (एनएबी) से अन्ना कोन्याखिना/अलेक्जेंड्रा केड्रिना (ऊपर) विश्व एक्वेटिक्स डाइविंग विश्व कप में महिलाओं के 10 मीटर सिंक्रोनाइज्ड फाइनल के दौरान प्रतिस्पर्धा करती हुई।

आईपीएल 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन पर बोले प्रसिद्ध कृष्णा - लेंथ पर मेरा कंट्रोल शानदार रहा है

अहमदाबाद, 03 मई (एजेंसियां)।

गुजरात टाइटंस के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा का आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 2 विकेट चटकाए और इस सीज़न में अपने विकेटों की संख्या 19 तक पहुंचा दी - जो उनके आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है। इससे पहले उन्होंने 2022 में भी 19 विकेट लिए थे, लेकिन इस बार उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 10 मैचों में कर दिखाया है।

लेंथ पर कंट्रोल और तैयारी से मिली सफलता-मैच के बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा, मुझे लगता है कि मेरी लेंथ पर कंट्रोल इस सीज़न में अच्छा रहा है। हम जो मेहनत कर रहे हैं, उसमें टीम का और सभी का सहयोग मिला है। और हाँ, मैं इस बात का लुत्फ उठा रहा हूँ कि गेंद मेरे हाथ से अच्छी निकल रही है।

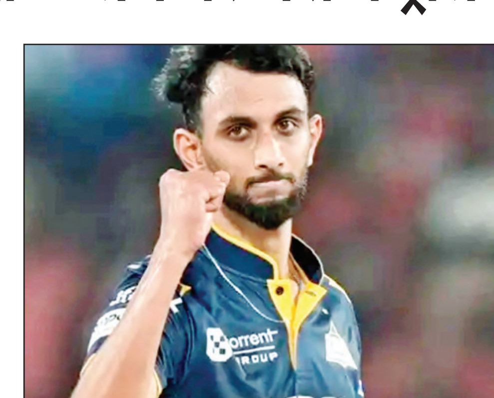

इस सीज़न में प्रसिद्ध का इकोनॉमी रेट 7.48 रहा है, जो उनके अब तक के किसी भी आईपीएल सीज़न से बेहतर है। उन्होंने बताया कि उनकी तैयारी नेट्स में विपक्षी बल्लेबाज़ों के अनुसार होती है और वो मैच से पहले पिच को भी बारीकी से देखते हैं।

उन्होंने कहा,अगर आप दूसरी पारी में गेंदबाज़ी कर रहे हो, तो पहले 20 ओवर की हर गेंद को ध्यान से देखना ज़रूरी है। मेरे पास अनुभव से भरे खिलाड़ी हैं, जिनसे बात करके मैं सही एरिया में गेंदबाज़ी करने की योजना बनाता हूँ।,

कप्तान शुभमन गिल भी हुए गेंदबाज़ी आक्रमण से खुश- गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि उनकी टीम के पास गेंदबाज़ों की भरमार है और हर मैच में कोई न कोई योगदान दे रहा है। शुक्रवार को टीम ने 7 गेंदबाज़ों का इस्तेमाल किया। हालांकि साई किशोर ने सिर्फ इसलिए गेंदबाज़ी की क्योंकि ईशांत शर्मा आखिरी ओवर में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए।

हर कोई योगदान दे रहा है - साई, प्रसिद्ध, राशिद भाई, सिराज, ईशी भाई और इस मैच में कोएट्ज़ी भी। जब आपके पास इतने सारे विकल्प होते हैं, तो डिफेंड करने में आसानी होती है, खासकर ऐसे मैदानों पर। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के तेज़ गेंदबाज़ जेराल्ड कोएट्ज़ी ने इस मैच में गुजरात के लिए डेब्यू किया और 1 विकेट लिया।

वर्ल्ड कप 2026 तक नेमार को रोकना चाहता है सैंटोस क्लब : मार्सेलो टेक्सेइरा

रियो डी जेनेरियो, 03 मई (एजेंसियां)।

ब्राज़ीलियन फुटबॉल क्लब सैंटोस के अध्यक्ष मार्सेलो टेक्सेइरा ने शुक्रवार को जानकारी दी कि क्लब नेमार के साथ उनके अनुबंध को 2026 फीफा वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि नेमार इस समय चोट से जूझ रहे हैं, इसके बावजूद क्लब उन्हें लंबे समय तक बनाए रखना चाहता है।

नेमार की वापसी और मौजूदा प्रदर्शन

नेमार ने इस साल जनवरी में अपने करियर की शुरुआत करने वाले क्लब सैंटोस में वापसी की थी। उन्होंने यूरोप और सऊदी अरब में एक दशक से ज्यादा समय बिताने के बाद सैंटोस के साथ छह महीने का अनुबंध किया था। 33 वर्षीय नेमार ने वापसी के बाद अब तक क्लब के लिए 9 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 3 गोल किए और 3 असिस्ट दिए हैं।

क्लब ने तैयार किया स्पेशल रिकवरी प्लान

क्लब अध्यक्ष टेक्सेइरा ने कहा, जब हमने नेमार को वापस लाया, तो हमें पता था कि वह एक गंभीर चोट से उबर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने अपनी मेडिकल टीम और रिकवरी सुविधाएं नेमार को समर्पित कर दी हैं। हमारा लक्ष्य है कि उनकी मैदान पर वापसी को इस तरह मॉनिटर करें जिससे वह वर्ल्ड कप तक हमारे साथ रहें।

चोटों से परेशान हैं नेमार

नेमार पिछले साल अक्टूबर में मैदान पर लौटे थे, लेकिन तब से लगातार पैर की मांसपेशियों की समस्याओं से जूझते रहे हैं। इससे पहले वह घुटने की गंभीर चोट के कारण एक साल से अधिक समय तक फुटबॉल से दूर रहे थे।

नए कोच की नियुक्ति

इस बीच, ब्राज़ीलियाई लीग में खराब प्रदर्शन के चलते सैंटोस फिलहाल 20 टीमों की तालिका में 19वें स्थान पर है। क्लब ने हाल ही में मुख्य कोच पेड्रो कैक्सिन्हा के जाने के बाद ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के पूर्व सहायक कोच क्लेबर जेवियर को नया मैनेजर नियुक्त किया है।

हैदराबाद से मैच में अंपायर से शुभमन ने की बहस, लग सकता है बैन या जुर्माना

अहमदाबाद। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल का 51वां मैच खेला गया। यह मैच सिर्फ स्कोरबोर्ड पर ही नहीं, बल्कि मैदान पर भी गर्माया रहा। इस मैच में गुजरात ने 38 रनों से जीत हासिल की। इस जीत से टीम को प्लेऑफ की दौड़ में पहुंचने के लिए दो अंक मिले, लेकिन गुजरात के कप्तान शुभमन गिल अंपायरों के साथ भिड़ गए। शुभमन गिल की अंपायरों के साथ हुई बहस ने सबका ध्यान खींचा। गिल पर आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन का आरोप लग सकता है। शुभमन ने 38 गेंदों में 76 रन बनाए। वह दो बार मैच अधिकारियों के साथ बहस करते नजर आए। दोनों बार उन्होंने आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन किया है। यह अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। पहली घटना गुजरात की पारी के 13वें ओवर के आखिर में हुई। गिल को विवादास्पद तरीके से रन आउट दिया गया। वह तीसरे अंपायर के फैसले से नाखुश थे। इसलिए वह डगआउट में जाते समय चौथे अंपायर से बहस करते दिखे। बाद में, हैदराबाद की पारी के दौरान गिल फिर से उत्साहित दिखे।

एसएंडपी ने भारत की विकास दर का अनुमान 6.3 फीसदी रखा

वित्तीय वर्ष 2026-27 में 6.5 फीसदी तक पहुंच सकती है विकास दर

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें भारत की विकास दर का अनुमान 6.3 फीसदी पर रखा है, जो कि 2026-27 वित्तीय वर्ष में 6.5 फीसदी तक पहुंच सकता है। यह भारत के लिए एक अच्छी खबर है क्योंकि इसका अर्थ है कि देश विश्व अर्थव्यवस्था में अमेरिका और यूरोप के साथ बहस्ती नजर आएगा। हालांकि, इस समय भारत को कई उत्तराधिकारीता से गुजरना होगा, लेकिन उम्मीद है कि देश इस चुनौती से निपटकर अगले स्तर पर बढ़ेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने दुनिया भर में ट्रेड पॉलिसी में होने वाले बदलाव के असर को भी ध्यान में रखते हुए अपनी रिपोर्ट जारी की है।

उन्होंने यह भी कहा है कि ट्रेड वॉर ग्लोबल इकनॉमी को हानि पहुंचा सकता है, और इससे संरक्षणवादी नीतियों के कारण कोई भी विजेता नहीं होगा। इस संदर्भ में, एशिया-प्रशांत क्षेत्र की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में चीन की वृद्धि दर की कमी का भी संकेत मिल रहा है। समाज में इस रिपोर्ट का प्रभाव अमेरिका को भी महसूस होगा, क्योंकि अमेरिका दुनिया की अर्थव्यवस्था का केंद्र है। इसलिए, अमेरिका में होने वाले किसी भी बड़े बदलाव से अन्य देशों को भी प्रभावित होने की संभावना है। भारत की विकास दर की अद्यतन जानकारी और विस्तृत विश्लेषण से सामाजिक विचारकों और नीति निर्माताओं को एक सटीक चित्र प्राप्त होगा कि देश किस दिशा में आगे बढ़ रहा है और किस चुनौतियों का सामना कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत ने पाकिस्तान से आयात-निर्यात पूरी तरह से बंद किया

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान से सभी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इस कदम से भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंध पूरी तरह से बंद हो गए हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि इस प्रतिबंध को विदेश व्यापार नीति 2023 में एक नए प्रावधान के रूप में जोड़ा गया है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा।

चीन की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के टैरिफ का पड़ा असर, उत्पादन और तांबा भंडार घटा

नई दिल्ली । चीन की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के टैरिफ का पड़ा असर दिखने लगा है। वर्षों से जारी व्यापार युद्ध के बीच पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ ने चीन की औद्योगिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। चीन की औद्योगिक सेहत को मापने वाले पीएमआई अप्रैल 2025 में 49 पर आ गया है, जो मार्च में 50.5 था। यह संकेत देता है कि अमेरिकी टैरिफ चीन की अर्थव्यवस्था पर धारा है।

इनसाइडर ट्रेडिंग मामले में ओला इलेक्ट्रिक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

जांच शुरू, ओला इलेक्ट्रिक से संबंधित पार्टी लेनदेन भी सेबी के रडार पर

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की इनसाइडर ट्रेडिंग के मामले में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है कि बाजार नियामक सेबी अक्टूबर और दिसंबर 2024 के बीच इनसाइडर ट्रेडिंग के दो मामलों में भाविश अग्रवाल की अगुआई वाली ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट में उल्लिखित है कि ओला इलेक्ट्रिक द्वारा संबंधित पार्टी लेनदेन भी सेबी के रडार पर है। इस खबर के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयर बिकवाली मोड में नजर आए। पिछले सप्ताह करीब 48 रुपये के स्तर पर शेयर एक फीसदी टूटकर गिरे। इसके अलावा ओला इलेक्ट्रिक को अपने कुछ स्टोरों के लिए व्यापार प्रमाणपत्रों के संबंध में चार राज्यों में नोटिस भी मिले और कंपनी ने बताया है कि उसे इसका जवाब देने की प्रक्रिया में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार महाराष्ट्र के अधिकारियों ने ओला को एक नोटिस भी भेजा है, जिसमें महाराष्ट्र में 100 से अधिक शोरूम को तत्काल बंद करने का आदेश दिया गया था। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में ओला इलेक्ट्रिक ने बताया है कि उसने फरवरी में 25,000 इकाइयां बेचीं और इसकी बाजार हिस्सेदारी 28 प्रतिशत रही। इसके बावजूद, भारी उद्योग मंत्रालय और भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से ओला इलेक्ट्रिक को ईमेल प्राप्त हुए हैं, जिसमें बिक्री आंकड़ों के बड़े अंतर के कारण पूछे गए हैं। इस समय, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को अच्छे संपर्कों और संस्थागत शुद्धता की जरूरत है ताकि विश्वासित होकर निवेश किया जा सके और कंपनी की मुद्राओं पर स्थिरता बनी रहे।

नए टैक्स रिजीम में सरकार ने दी बड़ी राहत, नए टैक्स रिजीम में ज्यादातर छूट हटा दी गई हैं, लेकिन कुछ अहम रियायतें अब भी बरकरार हैं

नई दिल्ली। अभी तक सैलरी लेने वाले लोगों के लिए यह फैसला करना आसान नहीं था कि किस रिजीम में जाना बेहतर होगा। मगर इस साल के आम बजट में मोदी सरकार ने जो व्यवस्था दी है, वह ज्यादातर सैलरी वाले लोगों के लिए फायदे का सौदा है। नए टैक्स रिजीम में सरकार ने बड़ी राहत दी है। नए टैक्स रिजीम की सबसे बड़ी खासियत है कम टैक्स दरें। बजट 2025 में पेश किए गए नए नियमों के अनुसार, अगर आपकी सालाना आय 24 लाख रुपये से ज्यादा है तो अधिकतम 30 फीसदी टैक्स देना होगा। वहीं 20 लाख से 24 लाख रुपये के बीच सालाना आय वालों को अधिकतम 25 फीसदी टैक्स लगेगा। अगर आपकी आय सालान 16 लाख से 20 लाख रुपये के बीच है, तो अधिकत 20 फीसदी टैक्स देना पड़ेगा। 12 लाख से 16 लाख की आय वालों को अधिकत 15 फीसदी टैक्स चुकाना होगा। 8 लाख से 12 लाख के बीच 10 फीसदी, और 4 लाख से 8 लाख के बीच 5 फीसदी टैक्स लिया जाएगा। 4 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं है। पुराने टैक्स रिजीम की बात करें तो 10 लाख रुपये की आय पार करते ही 30 फीसदी की दर से टैक्स लग जाता था। तो यदि दोनों में टैक्स स्लैब की तुलना करें तो नया रिजीम कहीं बेहतर नजर आता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 भाषण में कहा था, अगर किसी टैक्सपेयर की सालाना आय 12 लाख रुपये है, तो उसे नए सिस्टम में 80,000 रुपये का टैक्स फायदा मिलेगा। 18 लाख आय वालों को 70,000 का लाभ और 25 लाख कमाने वालों को 1,10,000 का फायदा मिलेगा। हालांकि, नए टैक्स रिजीम में ज्यादातर छूट हटा दी गई हैं, लेकिन कुछ अहम रियायतें अब भी बरकरार हैं। जैसे कि, नियोक्ता द्वारा आपके नेशनल पेंशन सिस्टम में किए गए योगदान पर धारा 80सीसीडी (2) के तहत अब 14 फीसदी तक की कटौती मिलती है, जो पहले 10 फीसदी थी।

स्मॉल सेविंग्स स्कीम में निवेशकों को मिल रहा बढ़ा हुआ ब्याज

अभी भी कई बैंकों में स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स में 8.2 फीसदी तक की ब्याज दरें उपलब्ध

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एमपीसी ने लगातार दूसरी बार रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती की है। इस कटौती के बाद रेपो रेट अब 6 फीसदी रह गया है। आरबीआइ के फैसले के बाद कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। ऐसे में निवेशकों को स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स में मिल रहे ब्याज के बारे में जानना जरूरी है। अभी भी कई बैंकों में स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स में 8.2 फीसदी तक की ब्याज दरें उपलब्ध हैं। वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक्सट्रा 0.50 फीसदी ब्याज दर भी उपलब्ध है। सुकन्या समृद्धि अकाउंट स्कीम और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम में निवेशकों को 8.2 फीसदी ब्याज मिल रहा है। इन स्कीम्स में निवेश करके निवेशक अच्छे रिटर्न के साथ अपनी निवेश को सुरक्षित बना सकते हैं। इस ब्याज कटौती के बीच, स्मॉल सेविंग्स स्कीम एक अच्छा विकल्प हो सकता है जिसमें निवेश कर रिटर्न को बढ़ा सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स को विभिन्न स्कीम्स की शर्तें और ब्याज दरें ध्यान से समझनी चाहिए जिससे उन्हें हो अच्छा रिटर्न।

आरबीआई ने चार बैंकों पर लगाया जुर्माना, नियामक अनुपालन में कमियों के लिए लगाया गया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि उसने नियामक अनुपालन में कमियों के लिए आईसीआईसीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा सहित चार बैंकों पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बैंकों में साइबर सुरक्षा ढांचे, अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) और क्रेडिट कार्ड तथा डेबिट कार्ड जारी करने से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक पर 97.80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एक अन्य बयान में, आरबीआई ने कहा कि उसने बैंकों की वित्तीय सेवाओं और बैंकों में ग्राहक सेवा पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा पर 61.40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने कुछ अनुपालन खामियों के चलते आईडीबीआई बैंक लिमिटेड पर 31.8 लाख रुपए और बैंक ऑफ महाराष्ट्र पर 31.80 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गर्व और गर्भ ...

कुछ पाकिस्तानी नागरिक भारत से हवाई मार्ग से भी निकले होंगे, हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच सीधा हवाई सम्पर्क नहीं है, इसलिए वे संभवतः किसी तीसरे देश से होते हुए गए।

पाकिस्तानी नागरिकों से भारतीय महिलाओं की शादियों का असर देश की सुरक्षा और व्यवस्था पर पड़ रहा है। भारत का कानून ऐसी अंतरराष्ट्रीय शादियों पर रोक नहीं लगाता, लेकिन इनकी बढ़ती संख्या ने खुफिया एजेंसियों को चिंतित कर दिया है। कई ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें भारतीय महिलाओं ने पाकिस्तानी पुरुषों से विवाह के बाद भारत में बच्चों को जन्म दिया। इस पर आशंका जताई गई है कि ऐसे संबंधों से न केवल करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग हो सकता है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर खतरा बन सकता है।खुफिया एजेंसियों ने कश्मीरी महिलाओं द्वारा पाकिस्तानी बच्चों को गर्व से स्वीकारने की प्रवृत्ति को उजागर किया है। सरकार को ऐसी गतिविधियों पर निगरानी रखनी चाहिए और इससे जुड़ी महिलाओं की भारतीय नागरिकता रद्द करनी चाहिए। दुश्मन देश के बच्चे को तुरंत पाकिस्तान भेजा जाना चाहिए क्यों शरिया कानून के मुताबिक बच्चे पिता के होते हैं, मां के नहीं। पाकिस्तान में विवाहित एक विशेष समुदाय की महिलाओं की लंबी कतार है। इस पर सवाल उठाया गया है कि क्या ये महिलाएं वास्तव में भारत में अपने पतियों को सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रही हैं, या फिर वे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों द्वारा किसी बड़े मकसद के तहत हेरफेर की जा रही हैं?यह न केवल इन महिलाओं को भारतीय राशन और अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने की अनुमति देता है, बल्कि उन्हें प्रजनन उद्देश्यों के लिए पाकिस्तान की यात्रा की सुविधा भी देता है। ये महिलाएं भारत की अल्पसंख्यक योजनाओं और लाडली बहना योजना जैसे सामाजिक लाभों की पात्र हैं। कई पूर्व भारतीय महिलाएं अपने पाकिस्तानी पतियों का वीज़ा रद्द किए जाने पर दुख व्यक्त कर रही हैं। खुफिया एजेंसियां ऐसी महिलाओं को देशद्रोही बता रही हैं, क्योंकि ये महिलाएं पाकिस्तान से प्रेम करती हैं, लेकिन भारत छोड़ने को भी तैयार नहीं हैं। तीन बच्चों की मां का मामला सामने आया है, जो पिछले एक दशक से एक पाकिस्तानी पुरुष से विवाहित है। उसने बताया कि महिला का पति अब उसके फोन का जवाब नहीं दे रहा है और उसके ससुराल वाले भी सीमा पार से बच्चों को लेने के लिए तैयार नहीं हैं। इस दौरान महिला ने भारतीय पासपोर्ट का उपयोग कर मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं, राशन और विभिन्न सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठाया।भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने बताया कि अब तक पाकिस्तान की 5 लाख से अधिक महिलाओं ने भारतीय पुरुषों से विवाह किया है, लेकिन इनमें से अधिकांश के पास भारतीय नागरिकता नहीं है। उन्होंने इन विवाहों के पीछे संभावित छिपे हुए उद्देश्यों की जांच की मांग की है।पाकिस्तान की महिलाएं, विशेष रूप से अमरकोट और चाचरो क्षेत्रों से, राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में विवाह बंधन में बंधी हैं। राजपूत, चारण और मेघवाल मुस्लिम समुदायों की बड़ी संख्या में पाकिस्तानी महिलाएं विवाह के बाद भारत में आकर बस गई हैं। राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर जिलों में भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाह संबंध बने हुए हैं। कई पाकिस्तानी परिवार अपनी बेटियों की शादी तय करने भारत आते हैं, जबकि कुछ भारतीय परिवार बारात लेकर पाकिस्तान जाते हैं।खुफिया एजेंसियों ने भारत-पाक विवाह की बढ़ती प्रवृत्ति और इसके पीछे की चिंताजनक सच्चाइयों को उजागर किया है। 1990 के दशक में पाकिस्तान में हथियार प्रशिक्षण लेने गए कश्मीरी आतंकियों ने वहां की महिलाओं से विवाह किया। कई महिलाएं 2010 के पुनर्वास कार्यक्रम के तहत नेपाल के रास्ते भारत लौटीं। यासीन मलिक जैसे कुख्यात आतंकवादियों की पाकिस्तानी पत्नियां हैं। उसकी पत्नी मुशाल हुसैन मलिक पाकिस्तान में प्रधानमंत्री की मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण की सलाहकार है। अदालतों ने इन विवाहों को देश के भीतर आंदोलन बताकर निर्वासन से छूट दी है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरे सवाल उठते हैं।1990 के दशक में कश्मीर में आतंकवाद के दौरान कट्टरपंथियों ने इस्लामी आतंकवादियों को अपनी बेटियों और पत्नियों तक पहुंचा दी, और आतंकियों को नायक की तरह देखा गया। समाज के बड़े वर्ग ने, यहां तक कि पिता भी, अपनी बेटियों को आतंकवादियों के यौन उपयोग के लिए सौंपने में आपत्ति नहीं की। कई महिलाएं इस बात पर गर्व करती थीं कि उनके पहले बच्चे के पिता कोई जिहादी थे। पाकिस्तान जाएंगे, बच्चा लेके आएंगे जैसे नारे आम थे। बुरहान वानी को कश्मीरी घरों में खुला प्रवेश और महिलाओं के साथ मनचाहा व्यवहार करने की छूट थी। उसकी मृत्यु के बाद उसके फोन से सैकड़ों महिलाओं की अश्लील तस्वीरें और सम्पर्क मिले।भारतीय महिलाएं पाकिस्तान में विवाह के बाद भी भारत लौट सकती हैं और सभी सरकारी लाभों का उपयोग कर सकती हैं, क्योंकि वे कानूनी रूप से भारतीय नागरिक रहती हैं। वे अपने पाकिस्तानी बच्चों को भी साथ लाकर चिकित्सा सुविधाओं और अन्य लाभों का लाभ उठा सकती हैं। भारत में जन्म और चिकित्सा के लिए उनकी नियमित वापसी सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण बनी हुई है, जब तक कि विशेष नीति नहीं बनाई जाती। इन यात्राओं की निगरानी कठिन है। 2007 में क्रिकेट मैच देखने आए 32 पाकिस्तानी नागरिकों में से 28 अब भी लापता हैं, जिन्होंने ईपीआर वीजा का दुरुपयोग किया। केवल चार को ही वापस भेजा जा सका। इसी तरह, खुफिया ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस को 5,000 पाकिस्तानी नागरिकों की सूची दी है जिन्हें भारत छोड़ने का आदेश मिला है। भारत-पाक विवाहों का इस्तेमाल पाकिस्तान द्वारा रणनीतिक रूप से भारत-विरोधी एजेंडे, जैसे कि मुशाल हुसैन मलिक के भारत-विरोधी प्रचार, के लिए किया जा सकता है। यह मुद्दा भविष्य में गंभीर सुरक्षा चुनौती बन सकता है।सरकारी नियमों के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के नागरिकों के बीच विवाह के लिए अलग से अनुमति लेना आवश्यक नहीं है। हालांकि, वीज़ा प्राप्त करने, भारत में निवास स्थापित करने और नागरिकता में परिवर्तन के लिए सरकारी स्वीकृति अनिवार्य है। साथ ही, सुरक्षा जांच के लिए भी संबंधित सरकारी एजेंसियों की अनुमति आवश्यक होती है। यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि सीमावर्ती देश पाकिस्तान के नागरिक चिकित्सा समस्याओं के समाधान के लिए नियमित रूप से भारत आते हैं। भारत ने दशकों से मानवीय आधार पर पाकिस्तानी नागरिकों को आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान की है। गंभीर और आवश्यक उपचारों के मामलों में भारत सरकार ने वीज़ा प्रक्रिया को तेज़ किया है। अब तक हज़ारों पाकिस्तानी नागरिकों को केवल मानवीय कारणों से भारत में प्रवेश की अनुमति दी गई है, जिनमें ओपन हार्ट सर्जरी, कैंसर का इलाज और अंग प्रत्यारोपण जैसी जटिल चिकित्सा सेवाएं शामिल हैं।भारत ने अक्सर वीज़ा नियमों को ढीला किया और दस्तावेज़ी आवश्यकताओं को सरल बनाया, यहां तक कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के दौरान भी कई मुद्दों को नजरअंदाज़ करते हुए मानवीय आधार पर निर्णय लिए। भारतीय अस्पतालों ने पाकिस्तानी मरीजों को कई बार निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं। व्यापक सुरक्षा उपायों के बावजूद, भारत ने बार-बार मानवीय कारणों से उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। तत्काल मामलों, जैसे वीज़ा विस्तार, अनुवर्ती सर्जरी, या दूसरी चिकित्सकीय राय के लिए अनुमति को विशेष प्राथमिकता दी जाती रही है।चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में भारत की बढ़ती अपील इस तथ्य से स्पष्ट होती है कि हर साल अधिक से अधिक लोग देश की यात्रा करते हैं। दुनिया भर के मरीज भारत में उपलब्ध अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, उच्च योग्य चिकित्सा पेशेवरों और किफायती उपचार के अनूठे संयोजन को पहचानते हैं और इसकी सराहना करते हैं। भारत के चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र ने पिछले वर्ष लगभग 7.3 मिलियन अंतरराष्ट्रीय रोगियों को आकर्षित किया, जिससे इस क्षेत्र का बाजार मूल्य 7.69 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मान्यता दोनों ने भारत में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता के बारे में चिकित्सा पर्यटकों के बीच विश्वास बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के पड़ोसी देश इस स्थिति से भली-भांति परिचित हैं, और इसके कारण कई लोग अपने देशों में स्वास्थ्य सेवा की खराब स्थिति को देखते हुए चिकित्सा सहायता लेने के लिए भारत आते हैं। इस अवसर का लाभ कई पाकिस्तानी मरीजों ने भी उठाया है।

पाकिस्तान को...

एक साल बाद 2009 में वह इससे बाहर आ गया। इसके तीन साल बाद 2012 में फिर पाकिस्तान ग्रे-सूची में आया और 2015 तक इसमें रहा। इसके बाद 2018 में पाकिस्तान को ग्रे-सूची में डाला गया और 2022 में इससे हटाया गया।

आतंकवाद के खिलाफ...

रोक लगा दी है। इस निर्णय के बाद अब डाक और पार्सल को हवाई और जमीनी रास्तों से न ही पाकिस्तान भेजा जा सकेगा और न ही प्राप्त किया जा सकेगा।इससे पहले पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए थे। इसमें 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया था। इसके साथ ही एकीकृत चेक पोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया था। इसके अलावा पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति देने पर रोक लगा दी गई थी। भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया था।

लाभकारी, विकासकारी...

इससे आने वाले समय में देश का राजस्व भी बचेगा और इस पोर्ट का और भी विस्तार किया जाएगा। विझिंजम पोर्ट केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में स्थित है। इसे यहां के तट पर विकसित किया गया है। विझिंजम एक डीप वाटर पोर्ट है, यानि यहां के आसपास का समुद्र 18-20 मीटर गहरा है। यह गहराई बड़े समुद्री जहाजों के पोर्ट पर आने के लिए जरूरी होती है। विझिंजम को ट्रांसशिपमेंट पोर्ट की तरह विकसित किया गया है। ऐसे पोर्ट पर बड़े जहाज माल लेकर आते हैं और फिर वह दूसरे छोटे जहाजों में भरा जाता है। यह भारत का पहला इस तरह का पोर्ट है। इसकी लागत 8900 करोड़ है। इसे केरल सरकार, केंद्र सरकार और अडाणी समूह ने मिलकर विकसित किया है। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पोर्ट्स इसका संचालन करने वाली है।विझिंगम पोर्ट अरब सागर के तट पर स्थित है, ऐसे में इसकी महत्ता और भी बढ़ जाती है। इससे मात्र कुछ ही किलोमीटर पर दुनिया के पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाला समुद्री रास्ता है। इससे निकलने वाले बड़े ट्रैफिक का हिस्सा भी भारत को मिलेगा। विझिंजम पोर्ट की गहराई इसके लिए काफी फायदेमंद है क्योंकि जिन पोर्ट पर ऐसा नहीं होता, वहां पर समुद्र की तलहटी को खोदना पड़ता है। इसे ड्रेजिंग कहते हैं। यह काफी महंगा काम है। इसके अलावा इस पोर्ट की बनावट कुछ ऐसी है कि इसकी तलहटी में बालू नहीं जमता है।तिरुवनंतपुरम भारत में रेल, रोड और हवाई माध्यम से जुड़ा हुआ है। ऐसे में विझिंजम में उतरने वाला माल जल्दी ही देश के बाकी हिस्से में भी पहुंच सकेगा। विझिंजम पर्यावरणीय दृष्टि से भी विश्व का सबसे आधुनिक पोर्ट है। विझिंजम ट्रांसशिपमेंट पोर्ट है और इसकी गहराई की वजह से यहां 20000 से अधिक कंटनेर क्षमता वाले जहाज भी यहां आ सकेंगे। पहले भारत में इतने बड़े जहाज को उतारने वाले पोर्ट नहीं थे। अब यहां यह मदर कार्गो शिप कहे जाने वाले जहाज रुक सकेंगे। बड़े जहाज के आने से प्रति कंटेनर की लागत भी घटती है। इस पोर्ट में 10 लाख कंटेनर संभालने की क्षमता है। यहां जहाज को खड़ा करने वाल बर्थ भी 1.8 किलोमीटर लम्बी है। इस पर सामान उतारने के लिए 32 क्रेन भी लगाई गई हैं। इनमें से 24 क्रेन पूरी तरह से आटोमेटिक हैं और यह तेजी से किसी जहाज को खाली करती हैं। इस पोर्ट पर यहां के मछुआरे समुदाय को रोजगार भी मिला है।विझिंजम पोर्ट के बनने से पहले भारत आने वाले कंटेनर को पहले दुबई, सिंगापुर या कोलम्बो जैसे पोर्ट पर उतारा जाता था। यही ट्रांसशिपमेंट कहा जाता है। इसका कारण भारत में गहरे पानी के पोर्ट का नहीं होना था। इसके अलावा इतने बड़े जहाज संभालने की क्षमता भी भारतीय पोर्ट में नहीं थी। यह कंटनेर दूसरे जहाजों पर लादकर भारत पहुंचाए जाते थे। इसके चलते हर कंटेनर पर लगभग 10 हजार की अतिरिक्त लागत आती थी। भारत आने वाले लगभग 75 प्रतिशत कंटनेर इसी विधि से देश तक पहुंचते थे। इससे समय भी ज्यादा लगता था।

इस काम के लिए भारत हर वर्ष इन विदेशी पोर्ट को लगभग 220 मिलियन डॉलर (1858 करोड़ रुपए) देता था। अब यह पैसा भी देश से बाहर नहीं जाएगा।इसका एक उदाहरण विझिंजम ने हाल ही में दिखाया भी था। विझिंजम पोर्ट पर तुर्किये नाम का एक जहाज आया था। यह 24000 से अधिक कंटेनर से जाने वाला जहाज है। यह किसी भारतीय पोर्ट पर आने वाला सबसे बड़ा जहाज है। अडाणी पोर्ट्स के एमडी करण अडाणी ने कहा है कि एक वर्ष के भीतर भारत के सभी जहाज यहीं से ट्रांसशिपमेंट लेकर जाएंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 04 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

एस. डी. सिग्नोडीया कॉलेज के एमबीए विभाग में विदाई समारोह आयोजित

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस. डी. सिग्नोडीया कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स के एम. बी. ए. विभाग में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का कॉलेज में उनका अंतिम वर्ष होने हेतु विदाई समारोह का आयोजन किया ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंदलाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये पर्यटकों को दो मिनट मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि प्रदान की गई ।

पिछले सप्ताह कॉलेज में विद्यार्थियों हेतु रंगोली, मेहंदी, व्यंजन हेतु प्रतियोगिता हुई थी जिसमे प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय विजेताओं को विभिन्न संस्थाओं के प्राचार्यों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए । इस समारोह में मिस्टर एवं मिस एम. बी. ए. क्रमशः प्रियांशु श्रीवास्तव एवं मोनिका सोनी चुने गए जिनको मंच पर उपस्थित सज्जनों द्वारा सम्मानित किया गया। विभाग की डायरेक्टर डॉ. पल्लवी रंगनाथन ने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षा में अच्छे नंबरों से पास होने की

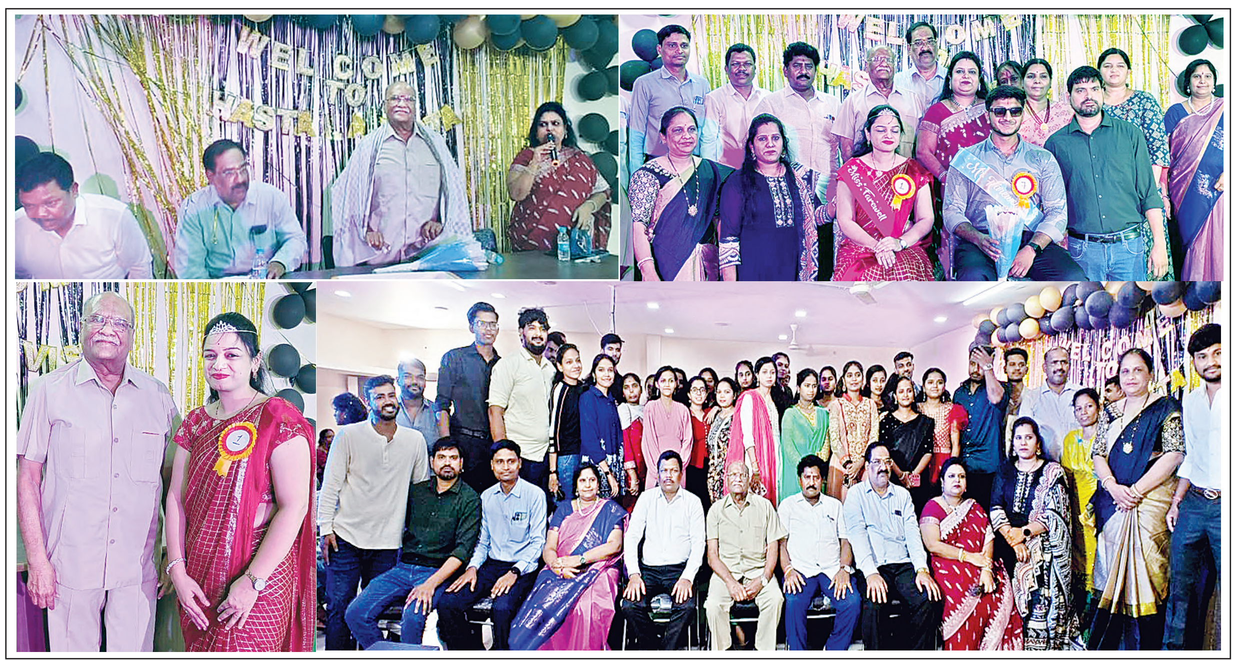

शुभकामनाएँ प्रदान की तथा किसी भी प्रकार की दुविधा का समाधान करने हेतु आश्वासन दिया तथा इस वर्ष विद्यार्थियों हेतु अनेक सुविधाएं प्रदान करवाने हेतु कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल का धन्यवाद किया । कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सी. एच. दलपड़ाल ने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य हेतु शुभ कामनाएँ प्रदान की । सह अकादमी सलाहकार डॉ. राजेश कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को परिश्रम से आगे बढ़कर प्रमुख स्थान प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया । कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह उनके कार्यालय का प्रथम वर्ष है जिसमे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से विचार विमर्श करने के पश्चात ठंडे पानी की मशीन, क्लास रूम में पंखे, 15 नए कंप्यूटर, प्रिंटर एवं ज़ीरॉक्स मशीन, विद्यार्थियों को बैठने के लिए 65 नई कुर्सियाँ, शौचालय तथा मीटिंग हॉल का पूर्ण नवीनीकरण, सम्पूर्ण कॉलेज के भवन का कलर पेंटिंग के साथ साथ विद्यार्थियों हेतु इंडस्ट्रियल टूर तथा मनोरंजन हेतु रिसोर्ट भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित किया गया । कॉलेज के मुजाहिद एवं प्रियंका ठाकुर को परीक्षा में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभ कामनाएँ प्रदान की । सभी विद्यार्थियों से आगामी परीक्षा में शत प्रतिशत परिणाम के साथ साथ डिस्टिंक्शन तथा यूनिवर्सिटी टॉप करने हेतु प्रेरित किया । इस वर्ष विभाग में प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु 120 सीट का प्रावधान है जिसे पूर्ण रूप से भरने में सहयोग प्रदान करने हेतु प्रोफेसर रश्मिता एवं उनकी टीम की सराहना करते हुए बधाई दी । कार्यक्रम में कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल, समिति के सह अकादमिक सलाहकार डॉ. राजेश कुमार अग्रवाल, सिग्नोदिया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सी. एच. दलपड़ाल, सह प्राचार्य डॉ. नागराज, डायरेक्टर डॉ. पल्लवी रंगनाथ, एन. बी. साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बाबू राव, एम.सी.ए. विभाग की डायरेक्टर माधुरी, अग्रवाल जूनियर कॉलेज के प्राचार्य उमेश, एल. बी. एम. टी. हाई स्कूल की प्राचार्य प्रीति बाला, डी. बी. गर्ल्स जूनियर कॉलेज की कृष्ण वेणी, एवं एम. बी. ए. विभाग के रश्मिता, किरण, सत्यजीत, पद्मजा, सुनयना, भाग्यश्री, विभाग के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थिगण आदि उपस्थित थे ।

एनएमडीसी ने उत्पादन में 15% की वृद्धि के साथ अप्रैल में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने अप्रैल 2025 के माह में शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी ने 4.00 एमटी लौह अयस्क का उत्पादन किया तथा 3.63 एमटी बिक्री की, जो इसकी स्थापना के बाद से अब तक का सर्वोच्च उत्पादन अप्रैल माह में किया । पिछले वर्ष की इसी समान अवधि की तुलना में राष्ट्रीय खनन कंपनी ने उत्पादन में 15% तथा बिक्री 2.8% की वृद्धि के साथ नए सर्वोच्च रिकार्ड दर्ज किए हैं तथा वित्त वर्ष 2026 की मजबूत शुरुआत की है।वित्त वर्ष 26 की इस असाधारण शुरुआत पर एनएमडीसी के सीएमडी श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा अपने संबोधन में कहा कि हमारा लगातार प्रदर्शन एनएमडीसी की उत्कृष्टता और विकास के प्रति

प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अप्रैल माह में हमारा रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के साथ ही हमारी प्रमुख लौह अयस्क खानों - किरंदुल, बचेली तथा दोणिमलै से अब तक के सर्वश्रेष्ठ डिस्पैच आंकड़े जो कि पिछले वर्ष की इसी समान अवधि की तुलना में क्रमशः 12%, 4% एवं 88% की वृद्धि हुई है जो कि हमारी अग्रणी स्थिति को मजबूत करता है और 2030 तक 100 एमटी खनन कंपनी बनने के हमारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।अप्रैल 2025 में, एनएमडीसी ने अपना अब तक का सर्वोच्च मासिक डिस्पैच हासिल किया, जो पिछले वर्ष की इसी समान अवधि की तुलना में 23% की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। बचेली कॉम्प्लेक्स ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 2.22 लाख टन (एलटी) के साथ अप्रैल माह में अब तक का सर्वश्रेष्ठ रोड डिस्पैच दर्ज किया जो 25% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई । इसके अलावा, कंपनी का पेलेट उत्पादन 0.23 लाख टन के सर्वोत्तम उच्च स्तर पर पहुंच गया जो कि 2018 में पिछले अप्रैल माह का रिकॉर्ड को पार कर गया।

एनएमडीसी का उल्लेखनीय प्रदर्शन इसकी प्रचालन क्षमता तथा रणनीतिक दृष्टि को प्रदर्शित करता है। कंपनी कच्चे माल को सुरक्षित करने तथा भारत की बढ़ती इस्पात मांग को पूरा करने के लिए समर्पित है जो कि राष्ट्रीय इस्पात नीति में निहित है।

गौमाता की रक्षा के लिए लोगों का जागरूक होना जरूरी : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कहा की गौ रक्षा का अर्थ केवल उसे काटने से बचाना ही नहीं है, बल्कि उसकी देखभाल करना, उसके लिए अच्छा माहौल बनाना, और उसके उत्पादों का सही उपयोग करना भी है।श्री अग्रवाल आज यहाँ संगारेड्डी में आयोजित पशु मेला में किसानों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा की गौ माता की रक्षा के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। इसके लिए शिक्षा, मीडिया और सामाजिक कार्यक्रमों का सहारा लिया जा सकता है।श्री अग्रवाल ने आगे बताया की गौ रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के हर व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होगी। हमें गायों के प्रति करुणा का भाव रखना चाहिए और उनकी देखभाल में सहयोग करना चाहिए। अगर हम कहीं किसी गाय को तकलीफ में देखते हैं, तो तुरंत उसकी मदद करनी चाहिए। आगामी जून महीने में बकरीद आने वाली है, और पुरे देश में तेलंगाना में सबसे ज्यादा गोवंश गैरकानूनी रूप से काटा जाता है, सभी लोगो को अपनी भूमिका निभाते हुए अपने अपने क्षेत्र में गोवंश के आवागमन पर नजर रखना चाहिए और किसी भी तरह से शंका होने पर नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत करे अथवा तेलंगाना गोशाला फेडरेशन को भी सूचित कर सकते है, सभी के सक्रिय सहयोग से ही हम गोवंश की रक्षा कर सकते है।

कार्टून कॉर्नर

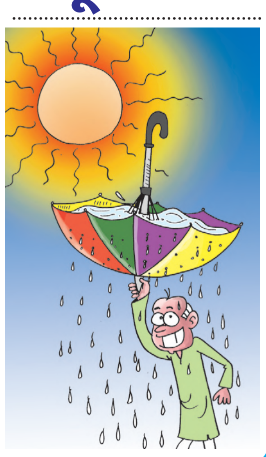

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37^0
न्यूनतम : 27^0

शेयर मार्केट

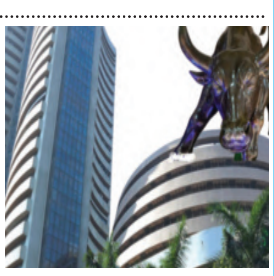

बीएसई : 80,501.99
+259.75 +0.32% ↑
एनएसई :24,346.70
12.50 (0.05%) ↑

आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद का राजभाषा निरीक्षण सम्पन्न

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार का उपक्रम एसपीएमसीआईएल की हैदराबाद इकाई, में राजभाषा कार्यान्वयन का जायजा लेने ले लिए आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की टीम ने आज प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद का दौरा कर राजभाषा के कार्यों का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण टीम में श्री रजनीश कुमार, सहायक निदेशक (रा.भा), श्री कमलेश धनमुन्या, वरि. अनुवाद अधिकारी, श्रीमती बबीता गुंज्याल, वरि. अनुवाद अधिकारी, श्री लेखराज सिंह, निजी सहायक तथा श्री नरेश कुमार, प्रबंधक (रा.भा.) एसपीएमसी आईएल मुख्यालय, नई दिल्ली से विशेष निरीक्षण प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित थे।निरीक्षण दल का श्री एस. आर. वाजपे, महाप्रबंधक, श्री आ. दुर्गा प्रसाद, अपर महाप्रबंधक (मा.सं.) एवं श्रीमती वी. अनीता, उप महाप्रबंधक वित्त एवं लेखा ने टीम के सदस्यों का शाल व मोमेंन्टो से स्वागत किया। निरीक्षण से पूर्व महाप्रबंधक ने निरीक्षण टीम को प्रतिभूति मुद्रणालय के कार्यकलापों से अवगत करवाया और निरीक्षण टीम से अनुरोध किया कि निरीक्षण में पाई गई किसी भी प्रकार की कमी को उनके ध्यान में लाया जाए और राजभाषा के प्रचार प्रसार के लिए टीम द्वारा दिए गए सुझाव का वे स्वागत करते हैं, क्योंकि प्रतिभूति मुद्रणालय भारत सरकार के राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए पूर्ण रुपेण प्रतिबद्ध है, हाल ही में प्राप्त भारत सरकार की राजभाषा शील्ड व नराकास के पुरस्कार इसकी पुष्टि करते हैं। उन्होंने श्री मेंहुल राठोड़ प्रबंधक (मा.सं.) एवं प्रभारी (रा.भा.) को निरीक्षण टीम के पूर्ण सहयोग प्रदान करने का निदेश दिया। मंत्रालय की निरीक्षण टीम ने मानव संसाधन अनुभाग, स्थापना अनुभाग, वित्त एवं लेखा अनुभाग तथा कारखाना परिसर का गहन निरीक्षण किया तथा धारा 3(3) का अनुपालन, सभी कंप्यूटरों पर हिन्दी में कार्य करने की सुविधा, ई ऑफिस पर टिप्पणियां, साइन बोर्ड आदि की समीक्षा की, प्रशिक्षण, कार्यशालाओं व बैठकों से संबंधित जानकारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के पश्चात एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभूति मुद्रणालय के सभी कार्यपालक/अधिकारियों के भाग लिया, निरीक्षण दल का नेतृत्वकर्ता श्री रजनीश कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे यह जानकारी देते हुए खुशी हो रही है कि प्रतिभूति मुद्रणालय में राजभाषा का कार्यान्वयन शत प्रतिशत हो रहा है और इस प्रयास के लिए सभी कर्मचारी व अधिकारी राजभाषा के प्रति निष्ठा के लिए बधाई के पात्र हैं। उन्होंने भारत सरकार के वार्षिक कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि इस वर्ष से पत्राचार व अन्य मदों में 5-5% की वृद्धि की गयी है लेकिन आपका कार्यालय लक्ष्य से काफी आगे कार्य कर रहा है, अत: कृपया इसे बनाए रखें। एसपीएमसी आईएल मुख्यालय, नई दिल्ली से विशेष प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित श्री नरेश कुमार, प्रबंधक (रा.भा.) ने निरीक्षण टीम को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए निगम कार्यालय एवं इसकी इकाइयों में राजभाषा के कार्यान्वयन की प्रतिबद्धता को दोहराया और निरीक्षण के दौरान दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

श्री जगन्नाथ मठ, माधव दास झीरा स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी विद्याश्रम के वृद्धों को डॉ. आलोक शुक्ला , सुरेंद्र मिश्रा एवं अखिलेश और सहयोगी द्वारा जान औषधियों का वितरण कर वैकुंठवाशी श्रीश्रीश्री श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामी जी के शिष्य एवं मठाधिपति अच्युत् रामानुजाचार्य अजय महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया एवं भगवान जगन्नाथ जी की पूजा अर्चना के साथ मानव सेवा ही माधव सेवा की एक मिसाल कायम करते हुए डॉ. आलोक शुक्ला ने सभी दानदाताओं को धन्यवाद अर्पित किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ताआशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, संजय गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, अरविन्द गुप्ता, उमा रानी, भगतराम गोयल, ई-जगन (चंपा पेट), गोपाल गोयल,श्याम सुन्दर अग्रवाल, संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल,प्रीतिका अग्रवाल,मायारामजी अग्रवाल, एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

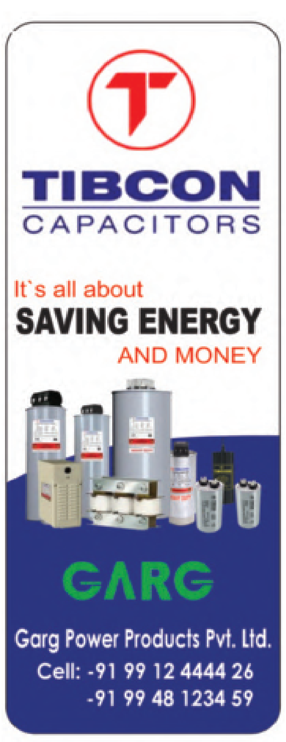

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद

स्व. श्री रामदुलारी देवी
धर्मपत्नी - स्व. श्री हरिशंकरजी अग्रवाल (चूड़ीवाले)
की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में
हरिशंकर जगदीशप्रसाद अग्रवाल, नालंदा नगर, अत्तापुर
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
MAHESH AGARWAL 98490 98502

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

तेलंगाना में पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण पर आशंकाएं जारी

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कई अन्य वादों की तरह, स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने के कांग्रेस सरकार के आश्वासन को लेकर आशंकाएं बनी हुई हैं , साथ ही चुनावों के संचालन को लेकर भी आशंकाएं बनी हुई हैं।

केंद्र सरकार द्वारा जनगणना के हिस्से के रूप में जाति गणना करने के अपने निर्णय की घोषणा के बाद पिछड़ी जातियों के बीच ये सभी संदेह बने हुए हैं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह भी स्वीकार किया था कि केंद्र सरकार की जनगणना राज्य की जनगणना पर हावी होगी। उन्होंने दावा किया था कि चूंकि पहले कोई डेटा नहीं था, इसलिए तेलंगाना जाति सर्वेक्षण (सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण) ही प्रभावी होगा। अब जब केंद्र सरकार ने यह अभ्यास करने का फैसला किया है, तो केंद्र के आंकड़े ही मायने रखेंगे, उन्होंने कहा, आरक्षण बढ़ाने के केंद्र सरकार के फैसले के प्रभाव पर एक सवाल को छोड़ने के अलावा।

हालांकि राज्य सरकार ने 17 मार्च को विधानसभा में ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में सीटों के आरक्षण विधेयक 2025 को पारित कर दिया था, लेकिन इस विधेयक के लिए कानूनी सुरक्षा सवालों के घेरे में आ रही है क्योंकि इसे संसद में मंजूरी की जरूरत है। केंद्र सरकार द्वारा जाति गणना करने का निर्णय लेने के बाद, यह स्पष्ट नहीं है कि वह तेलंगाना सरकार द्वारा पारित विधेयक को मंजूरी देगी या नहीं। अगर केंद्र सरकार जाति गणना करती भी है, तो भी इस कार्य को पूरा करने में काफी समय लगेगा और तब तक राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने में देरी नहीं की जा सकती।

वैसे भी पंचायत और नगर पालिकाओं और नगर निगमों के चुनाव कराने में देरी के कारण स्थानीय निकायों को केंद्र सरकार से मिलने वाले फंड से वंचित होना पड़ा है। अगर इसमें और देरी होती है तो नकदी की कमी से जूझ रहे स्थानीय निकायों पर और असर पड़ेगा।

इन तमाम आशंकाओं के बीच गांधी भवन में अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत टिकट देने की घोषणा कर सकती है। इसी तरह अन्य राजनीतिक दलों से भी अपील की जा सकती है कि वे भी पिछड़ी जातियों के आरक्षण के मुद्दे पर अपनी प्रतिबद्धता साबित करें।लेकिन कांग्रेस पार्टी का पिछड़े वर्गों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का आश्वासन स्थानीय निकाय चुनावों तक ही सीमित नहीं था। कामारेड्डी बीसी घोषणापत्र के अनुसार, कांग्रेस ने स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए उप-वर्गीकरण प्रदान करने का आश्वासन दिया था। इसी तरह, इसने सरकारी नागरिक निर्माण और रखरखाव अनुबंधों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया था।

फंडिंग के मामले में कांग्रेस ने पहले विधानसभा सत्र में महात्मा ज्योतिबा फुले पिछड़ा वर्ग उपयोजना को वैधानिक दर्जा देने का आश्वासन दिया था। साथ ही पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए हर साल 20,000 करोड़ रुपये खर्च करने का वादा भी किया था।एमबीसी जातियों के विकास की देखरेख के लिए एक विशेष एमबीसी कल्याण मंत्रालय के गठन का भी वादा किया गया। बीसी घोषणापत्र के तहत किए गए कुछ वादों में बीसी युवाओं को छोटे व्यवसाय स्थापित करने के लिए 10 लाख रुपये का ब्याज-मुक्त और जमानत-मुक्त ऋण देने का भी आश्वासन दिया गया।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं रामायण मेला समिति द्वारा आयोजित सनातन धर्म संस्कृति बाल संस्कार शिविर में गोशामहल ट्रैफिक ट्रेनिंग के हेड कांस्टेबल के.वेणुगोपाल एवं विष्णु ने पधारकर बालकों को ट्रॉफिक नियमों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर साथ शिविर के संचालक राधेश्याम राठी एवं राजेश तोषनीवाल उपस्थित थे।

केंद्र द्वारा जाति जनगणना की घोषणा तेलंगाना के लिए जीत: उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शनिवार को जाति जनगणना कराने की केंद्र की घोषणा की सराहना करते हुए इसे तेलंगाना और कांग्रेस पार्टी के निरंतर प्रयासों की जीत बताया । उन्होंने केंद्र के फैसले के पीछे तेलंगाना सरकार की पहल को प्रेरक शक्ति बताया।खम्मम में एक सम्मान समारोह में बोलते हुए विक्रमार्क ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे , विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में तेलंगाना ने सावधानीपूर्वक और वैज्ञानिक तरीके से जाति जनगणना की - जो 1930 के बाद देश में पहली बार इतनी सफल कोशिश है।ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, विक्रमार्क ने कहा कि 1930 के बाद से कोई जाति जनगणना नहीं की गई थी , और तेलंगाना का प्रयास स्वतंत्रता के बाद एक मील का पत्थर साबित हुआ । उन्होंने जोर देकर कहा कि इसमें शामिल जटिलताओं के बावजूद, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने 50-55 दिनों के भीतर जनगणना पूरी कर ली ।विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार समान विकास सुनिश्चित करने के लिए नीति निर्माण में जाति जनगणना के निष्कर्षों का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।उपमुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42% आरक्षण की मांग वाला प्रस्ताव तेलंगाना विधानसभा में पारित किया गया और केंद्र को सौंप दिया गया।

उन्होंने मोदी सरकार से जाति जनगणना के परिणाम सार्वजनिक करने का आग्रह करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग समुदायों को समावेशी शासन को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों का समर्थन करना चाहिए ।भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की कि जाति गणना अगली राष्ट्रीय जनगणना का हिस्सा होगी , और वादा किया कि यह पारदर्शी तरीके से किया जाएगा । यह कदम राष्ट्रीय नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है और कल्याणकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करने के लिए अद्यतन जाति डेटा के लिए कई राज्यों और राजनीतिक दलों की बढ़ती मांगों के बाद उठाया गया है ।अब जबकि तेलंगाना इस बदलाव में सबसे आगे है, राज्य के नेतृत्व को उम्मीद है कि उसके प्रयास शेष भारत के लिए एक खाका का काम करेंगे ।

पेटबशीराबाद कॉलोनी की सड़कों पर अवैध स्पीड ब्रेकर के खिलाफ शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानीय पुलिस को लिखित शिकायत में, पेटबशीराबाद के एक निवासी ने अपनी कॉलोनी के कल्याण समूह पर अवैध रूप से और सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का पालन किए बिना कई स्पीड ब्रेकर बनाने का आरोप लगाया।

स्थानीय संपत्ति के मालिक रविंदर रेड्डी के अनुसार, नेबरहुड वेलफेयर एसोसिएशन ने आवश्यक परमिट प्राप्त किए बिना या भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के दिशानिर्देशों का पालन किए बिना कॉलोनी की आंतरिक सड़कों पर छह स्पीड ब्रेकर लगाए।पेटबशीराबाद पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में रेड्डी ने दावा किया कि इस तरह के कृत्य न केवल गैरकानूनी हैं, बल्कि पैदल चलने वालों और ड्राइवरों के लिए भी खतरनाक हैं। जब उन्होंने तर्क दिया कि निजी संघों के पास सार्वजनिक सड़कों पर स्पीड ब्रेकर लगाने का अधिकार नहीं है, तो उन्होंने मुंबई उच्च न्यायालय के एक फैसले का हवाला दिया।एक आवासीय कॉलोनी की सड़कें स्थानीय सरकार के नियंत्रण में होती हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय यातायात विभाग और नगर पालिका को स्पीड ब्रेकर लगाने सहित किसी भी बदलाव के लिए अपनी पूर्व स्वीकृति देनी होगी।

बेगम बाजार चौराह की छतरी का पुनर्निर्माण करने की मांग

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगम बाजार के सामाजिक कार्यकर्ता ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जीएचएमसी महापौर गदवाल विजय लक्ष्मी से अनुरोध किया है कि वह बेगम बाजार चौराह पर स्थित छतरी का पुनर्निर्माण करायें और उसका संरक्षण करें।

विज्ञप्ति में श्री व्यास ने कहा कि बेगम बाजार चौराह पर निजाम शासनकाल में राहगीरों को धूम से बचने के लिए छतरी स्थापित कराई गई थी। जो देखभाल के अभाव में जर्जर अवस्था से धराशाई हो गई। लेकिन इस धरोहर की नगर निगम द्वारा कोई सुध नहीं ली गई।

बेगमबाजार छतरी का नाम समस्त देश में जाना जाता है। दूसरे शहरों से नगर पहुंचने वाले लोगों के लिए यह एक गंतव्य का कार्य करता आ रहा है।

लेकिन कई निगम में कई महापौर बदले जिसमें मीर जुल्फिकार अली, मो. बुबीन, तीगला कृष्ण रेड्डी, मो. माजिद हुसैन आदि शामिल है। लेकिन कोई भी इसकी ओर ध्यान नहीं दिया। केवल आश्वासन देकर चल जाते हैं।

अतः श्री व्यास ने जीएचएमसी महापौर श्रीमती विजयलक्ष्मी से आग्रह किया है कि छतरी का पुनर्निर्माण का प्रस्ताव पारित करायें या फिर बेगम बाजार क्षेत्र के व्यापारी वर्ग को छतरी का निर्माण करने के लिए निगम से अनुमति दिलायें जाकि छतरी का निर्माण हो सके।

ऑपरेशन कगार के खिलाफ हैदराबाद में शांति रैली निकाली गई

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, छात्रों और अन्य नागरिक समाज संगठनों द्वारा शनिवार, 3 मई को सुंदरय्या विज्ञान केंद्रम से इंदिरा पार्क तक एक शांति रैली आयोजित की गई, जिसमें मध्य भारत के माओवाद प्रभावित क्षेत्रों, मुख्य रूप से तेलंगाना और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे वन क्षेत्रों में जनवरी 2024 में शुरू किए गए 'ऑपरेशन कगार' को तत्काल समाप्त करने की मांग की गई।

प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार से मांग की कि वे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के साथ शांति वार्ता की सुविधा प्रदान करें और दोनों पक्षों द्वारा युद्ध विराम की घोषणा के साथ शांतिपूर्ण वातावरण में मुद्दों को हल करें।

अप्रैल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि 2026 तक भारत से माओवादियों का पूरी तरह सफाया कर दिया जाएगा।शाह ने कहा, माओवाद भारत के सिर्फ़ चार ज़िलों तक सीमित रह गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 31 मार्च, 2026 तक देश से यह समस्या समाप्त हो जाएगी। सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) और सीआरपीएफ़, ख़ास तौर पर इसकी कोबरा बटालियन, देश से नक्सलवाद को ख़त्म करने में अहम भूमिका निभा रही है।

माओवादी पार्टी ने पिछले एक महीने में कई बार युद्ध विराम की घोषणा करने की पेशकश की, इस शर्त के साथ कि केंद्र छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र से अपने सुरक्षा बलों को तुरंत वापस बुलाए, और वहां एजेंसी क्षेत्रों में शिविर स्थापित करना बंद करे।

इस अवसर पर बोलते हुए एक पूर्व क्रांतिकारी छात्र नेता ने कहा, हमारे देश में पिछले पांच दशकों से शांति वार्ता मुद्दों के समाधान की एक प्रक्रिया रही है। एक वर्ग (सरकार) है जो प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके और आदिवासियों के अधिकारों का उल्लंघन करके देश का कॉर्पोरेटीकरण करना चाहता है, और दूसरा वर्ग (माओवादी) है जो लोकतांत्रिक मांगों का समर्थन करता रहा है और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करता रहा है। केवल शांति ही दोनों पक्षों के बीच के मुद्दों को हल कर सकती है।

क्रांतिकारी गायिका विमलक्का ने याद दिलाया कि जो लोग मारे जा रहे हैं, वे देश के बेटे और बेटियां हैं, और उम्मीद जताई कि केंद्र माओवादियों द्वारा किए गए युद्ध विराम प्रस्ताव पर अनुकूल रुख अपनाएगा।

प्रतिभागियों ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर कर्रेगुट्टा वन क्षेत्र के पास के गांवों में सुरक्षा बलों द्वारा रॉकेट लांचर, ड्रोन और अन्य अत्याधुनिक गोला-बारूद का इस्तेमाल किया जा रहा है, जहां हजारों की संख्या में सुरक्षा बल आदिवासियों और माओवादियों के खिलाफ तैनात हैं, ताकि उन्हें किसी भी तरह से खत्म किया जा सके।

हैदराबाद स्थित गोल्डसिक्का ने दुनिया का पहला एआई-संचालित सोना पिघलाने वाला एटीएम पेश किया

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोल्डसिक्का लिमिटेड ने अपने अभूतपूर्व इनोवेशन- दुनिया के पहले एआई-पावर्ड गोल्ड मेल्टिंग एटीएम के लॉन्च की घोषणा की है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह अत्याधुनिक मशीन कई सोने से संबंधित सेवाओं को सहजता से एकीकृत करती है, जिससे उपयोगकर्ताओं को सोने को खरीदने, बेचने, एक्सचेंज करने, पट्टे पर देने, डिजिटाइज़ करने और मुद्रीकृत करने की सुविधा मिलती है।2022 में शुरू किए गए भारत के पहले रियल-टाइम गोल्ड एटीएम की सफलता के आधार पर, इस अगली पीढ़ी के एटीएम में उन्नत सुविधाएँ शामिल हैं जो सोने के लेन-देन को फिर से परिभाषित करती हैं। विशेष रूप से, यह एक एकीकृत संवर्धित वास्तविकता (एआर) अनुभव प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता खरीदारी करने से पहले आभूषणों को वर्चुअली आज़मा सकते हैं, जिससे खरीदारी का अनुभव बेहतर होता है।गोल्डसिक्का के एमडी और सीईओ एसवाई तरुज ने कहा, इस नए ऑल-इन-वन गोल्ड एटीएम में हम सोना खरीद सकते हैं, सोना बेच सकते हैं, सोने का आदान-प्रदान कर सकते हैं, सोने को स्थानांतरित कर सकते हैं, सोने को डिजिटाइज़ कर सकते हैं, सोने का मुद्रीकरण कर सकते हैं, सोने को पट्टे पर दे सकते हैं, सोने के ऋण को वितरित करने के अलावा, यह मशीन सोने में कुछ भी और सब कुछ करने में सक्षम है, यहां तक कि अपने आप आभूषण भी बेच सकती है।उन्होंने कहा कि यह एक स्वचालित टेलर मशीन है, जिसमें किसी भी तरह का मानवीय हस्तक्षेप नहीं होता। इस एटीएम के माध्यम से कोई भी व्यक्ति क्रेडिट या डेबिट कार्ड के माध्यम से सोना खरीद सकता है और सोना बेच भी सकता है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.goldsikka.com पर जाएं ।

विजय देवरकोंडा ने पहलगाम हमले की तुलना आदिवासी युद्ध से करने पर माफी मांगी

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

टॉलीवुड अभिनेता विजय देवरकोंडा ने शनिवार, 3 मई को पहलगाम आतंकवादी हमले पर अपनी नवीनतम टिप्पणी के लिए माफी मांगी, जहां उन्होंने कहा था कि यह आदिवासी समुदायों के बीच हुई झड़पों के समान था।1 मई को देवरकोंडा ने एक तमिल फिल्म के प्री-रिलीज़ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, जिसमें अभिनेता सूर्या शिवकुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। प्रशंसकों से बातचीत करते हुए उन्होंने कथित तौर पर कहा, पाकिस्तान का हमला एक मूर्खतापूर्ण कदम है। यह हमला 500 साल पहले हुए आदिवासी युद्धों जैसा है।इस बयान की आदिवासी संयुक्त कार्रवाई समिति के नेताओं ने तीखी आलोचना की, जिन्होंने आरोप लगाया कि देवरकोंडा के शब्द आदिवासी समुदायों के प्रति अपमानजनक थे। जल्द ही, एसआर नगर पुलिस ने अभिनेता के खिलाफ एससी/एसटी अत्याचार अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज की।अभिनेता ने अपने बयान के लिए माफ़ी मांगते हुए स्पष्टीकरण जारी किया। मैं ईमानदारी से स्पष्ट करना चाहता हूं: किसी भी समुदाय को चोट पहुंचाने या निशाना बनाने का कोई इरादा नहीं है, खासकर हमारे अनुसूचित जनजातियों को, जिनका मैं गहरा सम्मान करता हूं और जिन्हें हमारे देश का अभिन्न अंग मानता हूं।

सऊदी अरब में कई सालों से लापता तेलंगाना का व्यक्ति, परिवार ने सरकार से मदद मांगी

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना का एक 47 वर्षीय व्यक्ति, जो छह साल पहले काम के लिए सऊदी अरब गया था, कथित तौर पर लापता हो गया है, जिसके बाद उसके परिवार ने उसे ढूंढने और उसकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल सरकारी सहायता मांगी है।निर्मल जिले के खानपुर मंडल के गोदालापम्पू गांव के निवासी सिंगम राजेश्वर रोजगार की तलाश में सऊदी अरब चले गए। उनके परिवार के अनुसार, पिछले कई सालों से उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। पिछले दो सालों में कई बार प्रयास करने के बावजूद भी वे उनके बारे में कोई जानकारी हासिल नहीं कर पाए हैं।

आर्थिक तंगी और बढ़ती अनिश्चितता का सामना करते हुए, उनके परिवार ने शुक्रवार, 2 मई को हैदराबाद में महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में प्रवासी प्रजावाणी पहल के माध्यम से एक याचिका प्रस्तुत की। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के प्रदेश अध्यक्ष अल्लूरी कृष्णवेनी ने परिवार को मंच से संपर्क करने की सलाह दी।

तेलंगाना 1,000 एकड़ के फ्यूचर सिटी प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में ई-सिटी स्थापित करेगा

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के औद्योगिक और तकनीकी परिदृश्य को बढ़ावा देने के लिए, राज्य सरकार ने अपनी व्यापक फ्यूचर सिटी पहल के तहत एक अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिटी (ई-सिटी) शुरू करने की घोषणा की है। यह परियोजना 1,000 एकड़ में फैली होगी और इसका उद्देश्य राज्य को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में अग्रणी बनाना है।आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने शनिवार को सचिवालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान यह घोषणा की।

बैठक में सेरा नेटवर्क्स (ताइवान) और एलसीजीसी रेसोल्यूट ग्रुप (तेलंगाना) के प्रमुख हितधारक शामिल थे , जिन्होंने ई-सिटी के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये के संयुक्त निवेश का संकल्प लिया है।

कृष्णैया ने प्रधानमंत्री मोदी से पिछड़ा वर्ग विधेयक पेश करने, विधायी निकायों में 50%आरक्षण सुनिश्चित करने का किया आग्रह

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के अध्यक्ष आर कृष्णैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए विधायी निकायों में 50 प्रतिशत राजनीतिक आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए संसद में पिछड़ा वर्ग विधेयक पेश करने का आग्रह किया है।

उन्होंने शुक्रवार शाम को विजयवाड़ा में प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान यह अपील की।

कृष्णैया ने जाति जनगणना कराने के केंद्र के फैसले के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और इसे हाशिए पर पड़े

समुदायों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में आनुपातिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता पर जोर देते हुए, कृष्णैया ने कहा कि पिछड़ा वर्ग, जो देश की आबादी का लगभग 56 प्रतिशत है, विधायी निकायों में आरक्षण की अनुपस्थिति के कारण राजनीतिक संस्थानों में कम प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने उत्पीड़ित और पिछड़े समुदायों के विकास की उपेक्षा करने के लिए लगातार सरकारों की आलोचना की और इन लंबे समय से चली आ रही असमानताओं को दूर करने के लिए तत्काल नीतिगत बदलाव की मांग की। उनकी प्रमुख मांगों में पिछड़ा वर्ग विधेयक की शुरूआत, विधानसभाओं में पिछड़ा वर्ग के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण और पिछड़ा वर्ग कर्मचारियों के लिए पदोन्नति और आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए एक संवैधानिक संशोधन शामिल थे। कृष्णैया ने पिछड़ा वर्ग के लिए केंद्रीय शिक्षा और नौकरी में आरक्षण को मौजूदा 27 प्रतिशत से बढ़ाकर 56 प्रतिशत करने का भी आह्वान किया, ताकि उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण दिया जा सके। उन्होंने पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर क्रीमी लेयर प्रतिबंध को हटाने का आग्रह किया और कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए एक समर्पित पिछड़ा वर्ग मंत्रालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा। एससी/एसटी कल्याण ढांचे के अनुरूप, उन्होंने पिछड़े वर्गों को सामाजिक संरक्षण और सुरक्षा प्रदान करने के लिए पिछड़ा वर्ग अधिनियम की शुरूआत की मांग की।

हैदराबाद शास्त्रीय नृत्य महोत्सव : 150 कलाकारों ने नृत्य के माध्यम से भारतीय विरासत का मनाया जश्न

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भरतनाट्यम की अभिव्यंजक सुंदरता से लेकर कथक की लयबद्ध भव्यता और आंध्र नाट्यम और कुचिपुड़ी की सांस्कृतिक समृद्धि तक, हैदराबाद ने भारत की शास्त्रीय नृत्य विरासत का शानदार जश्न मनाया। 20 अकादमियों के 150 से अधिक नर्तक सीईएसएस ऑडिटोरियम, ग्रीनलैंड्स, बेगमपेट में एक पूरे दिन के कार्यक्रम के लिए एक साथ आए, जिसमें भारत की जीवंत नृत्य परंपराओं के माध्यम से एक विसर्जित यात्रा की पेशकश की गई। हैदराबाद की नाइटलाइफ़ अमृता कल्चरल ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला और इसका उद्देश्य भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूपों में रुचि को फिर से जगाना था, साथ ही उन कलाकारों का समर्थन करना था जो इस सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं।सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी विनोद अग्रवाल और आंध्र नाट्यम विशेषज्ञ कला कृष्ण सहित प्रसिद्ध गणमान्य व्यक्तियों ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। दोनों ने एक मंच पर विभिन्न नृत्य अकादमियों को एकजुट करने की पहल की प्रशंसा की, इस आयोजन को भारतीय शास्त्रीय कलाओं की आत्मा का पुनरुद्धार कहा।निर्णायक मंडल के सदस्य शिरुषा अमर, पद्मा डेंडुलुरी, वनश्री प्रोड्डातुर, वीना गणेश, सुनीला गोल्लापुडी, सुषमा उदय महंती और चैतन्य कुसुमप्रिया ने मुद्रा, अभिनय, समूह समन्वय, दर्शकों की सहभागिता, पोशाक डिजाइन और डिजिटल स्पॉटलाइट जैसी श्रेणियों के आधार पर प्रदर्शनों का मूल्यांकन किया। निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों द्वारा दिखाए गए कौशल और समर्पण की सराहना की।आयोजक विशाल आर्य, रेवती पुप्पला, सीता आनंद वैद्यम और अमृता सांस्कृतिक ट्रस्ट का प्रतिनिधित्व करने वाली अनुपमा ने ट्रस्ट के व्यापक मिशन के बारे में बात की।भारतीय शास्त्रीय नर्तक हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक हैं। अनुशासन और भक्ति के माध्यम से, वे हमारी परंपराओं की आत्मा को दर्शाते हैं। हमारा उद्देश्य उन्हें एक मंच प्रदान करना, उनकी यात्रा का समर्थन करना और शास्त्रीय कलाओं की पहुँच को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है।संस्थापक राजेश पगडाला और भार्गवी पगडाला ने ट्रस्ट की चल रही परियोजनाओं के बारे में जानकारी साझा की: हम एक वार्षिक उत्सव, नाट्यतोरणम का आयोजन करते हैं, और वर्तमान कार्यक्रम, मुव्वला सव्वाडी (मधुर पदचिन्ह), उसी दृष्टि का हिस्सा है। हमारा सपना विविध रूपों को प्रोत्साहित करके और स्थानीय प्रतिभाओं को पोषित करके हैदराबाद को शास्त्रीय नृत्य के लिए एक संपन्न केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

हैदराबाद चिड़ियाघर आगंतुकों को बाघों के करीब ले जाने के लिए तैयार

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेहरू प्राणी उद्यान (एनजेडपी) में आने वाले पर्यटकों को बाघों की केवल बाड़ के पीछे या खाई में खेलते हुए दूर से ही झलक देखने को मिली है। हालाँकि, यह अनुभव जल्द ही बदलने वाला है।

आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने और उन्हें चिड़ियाघर के प्रतिष्ठित निवासियों में से एक के करीब ले जाने के लिए, एनजेडपी अपने सफेद बाघों के आवास के लिए आधुनिक कांच के बाड़े बनाने जा रहा है। ये पारदर्शी कांच की बाड़ आगंतुकों को बड़ी बिल्लियों से बस कुछ इंच की दूरी पर खड़े होने और सेल्फी लेने में सक्षम बनाएगी।यह परियोजना सिर्फ़ सफ़ेद बाघों तक ही सीमित नहीं है। सफलता के आधार पर चिड़ियाघर ने शेरों और तेंदुओं सहित अन्य मांसाहारी जानवरों के लिए भी ऐसे ही बाड़े बनाने की योजना बनाई है।

कांच के बाड़े, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगे, मौजूदा सफेद बाघों के आवास में बनाए जाएंगे। इसके पीछे का विचार चिड़ियाघर में आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाना है। हमने निविदाएं आमंत्रित की हैं और जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। इसके आधार पर, अन्य मांसाहारी जानवरों के लिए भी कांच की बाड़ लगाने की योजना बनाई गई है, डॉ. सुनील एस हिरेमठ, निदेशक चिड़ियाघर पार्क ने बताया।आगंतुकों के अनुभव को बढ़ाने के अलावा, कांच की दीवारें लगाने के पीछे दूसरा मुख्य कारण यह है कि चिड़ियाघर ने गीली खाइयों को सूखी खाइयों में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।चिड़ियाघर के सूत्रों के अनुसार, मीर आलम टैंक का पानी खाइयों में रिस रहा है, जिससे प्रदूषण के कारण जानवरों के स्वास्थ्य को होने वाले संभावित खतरे की चिंता बढ़ गई है। हालाँकि अभी तक किसी भी जानवर में पानी की समस्या के कारण बीमारी के लक्षण नहीं दिखे हैं, लेकिन चिड़ियाघर ने सक्रिय कदम उठाए हैं।सूत्रों ने बताया, हालांकि चिड़ियाघर में पानी का रिसाव लगभग बंद हो गया है, लेकिन हम जोखिम नहीं लेना चाहते। इसलिए सूखी खाई बनाने का फैसला किया गया है।

वर्तमान में, ग्लास बैरियर की सुविधा गुजरात के वंतारा वन्यजीव अभयारण्य और कर्नाटक के मैसूर चिड़ियाघर के नाम से प्रसिद्ध श्री चामराजेंद्र प्राणी उद्यान में उपलब्ध है।

कांच के बाड़ों के अलावा, एनजेडपी एक सुरंग मछलीघर की भी योजना बना रहा है जो आगंतुकों को समुद्री जीवन के मनोरम दृश्य को देखने के लिए नीचे चलने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, घरेलू और विदेशी पक्षियों के लिए एक एवियरी और एक इमर्सिव 9डी वर्चुअल रियलिटी एक्सपीरियंस सेंटर भी पाइपलाइन में है।

तेलंगाना राजपत्रित अधिकारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्य सचिव रामकृष्ण राव से अपने मुद्दों को हल करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रतिनिधियों ने शनिवार को मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव से मुलाकात की और अपने लंबे समय से लंबित मुद्दों के समाधान की अपील की।टीजीओ अध्यक्ष एलुरी श्रीनिवास राव के नेतृत्व में प्रतिनिधियों ने मुख्य सचिव से उनकी 57 मांगों को शीघ्र हल करने का आग्रह किया।उन्होंने मुख्य सचिव को बताया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और अन्य कैबिनेट मंत्रियों को कई बार ज्ञापन सौंपने के बावजूद पिछले 16 महीनों में समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है।

तेलंगाना बौद्धिक मंच की बड़ी पहल, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर ये दो वरिष्ठ पत्रकार सम्मानित

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और एपी ट्रिब्यूनल प्रशासनिक न्यायालय के पूर्व अध्यक्ष न्यायमूर्ति वामन राव ने कहा कि सभी लोगों को उन समाचार पत्रों और पत्रिकाओं को पहचानना चाहिए जो समाज के सभी वर्गों के मुद्दों पर निष्पक्ष समन्वय करके समाज के कल्याण के लिए लोगों को संवेदनशील बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने शनिवार को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तेलंगाना बौद्धिक मंच की तेलंगाना शाखा द्वारा बरकतपुरा स्थित कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और संबोधित किया।न्यायमूर्ति होमन राव ने आगे कहा कि वे उन सभी पत्रकारों को बधाई देते हैं जो निष्पक्ष रूप से समाज के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक पहलुओं का समन्वय करते हैं, अच्छे-बुरे को उजागर करते हैं तथा बिना किसी स्वार्थ के समाज का कल्याण चाहते हैं। तेलंगाना बुद्धिजीवी मंच की राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस वर्ष का पुरस्कार वरिष्ठ पत्रकार जुलुरी रमेश और गोरीगे रमेश को दिया जा रहा है, जिन्होंने 30 वर्षों से अधिक समय तक विभिन्न समाचार पत्रों में जनता के लिए कई विशेष लेख लिखे हैं और जनता का सम्मान और प्रशंसा प्राप्त की है।उन्होंने यह भी कहा कि आज पूरे विश्व में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आरेकटिका संगम के वरिष्ठ नेता बी सूर्या सहित प्रमुख समाजसेवी जी वेणुगोपाल, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, स्वैच्छिक सेवा संगठनों के प्रतिनिधि तथा युवा संगठनों के नेत-ाओं ने भी जुलुरी रमेश एवं गरीगे रमेश को सम्मानित किया और बधाई दी।

जीएचएमसी आयुक्त ने चरण 2 शिल्पा लेआउट फ्लाईओवर कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त आरवी कर्णन ने कहा कि गच्चीबावली से कोंडापुर तक शिल्पा लेआउट कार्य का दूसरा चरण मई के अंत तक पूरा हो जाएगा।शनिवार, 3 मई को, कर्णन ने शेरिलिंगमपल्ली जोनल कमिश्नर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव के साथ मल्कम चेरुवु और गाचीबोवली से कोंडापुर तक तीन-लेन उप-दिशात्मक शिल्पा लेआउट कार्य के दूसरे चरण का निरीक्षण किया।एच-सिटी परियोजना के तहत शीघ्र ही शुरू किए जाने वाले फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण स्थल का निरीक्षण किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि खाजागुड़ा जंक्शन पर यातायात संबंधी समस्या उत्पन्न न हो।परियोजना इंजीनियरों ने जीएचएमसी आयुक्त को बताया कि ब्लैकटॉपिंग (बीटी) और एलईडी लाइट लगाने का काम प्रगति पर है। हालांकि, सर्विस रोड का काम केवल 15 दिनों के भीतर ही पूरा हो सकता है, बशर्ते कि पांच शेष संपत्तियों के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो जाए।जब उनसे पूछा गया कि फ्लाईओवर का उपयोग करके गंतव्य तक पहुंचने में कितना समय लगेगा, तो परियोजना इंजीनियरों ने सुझाव दिया कि आउटर रिंग रोड (ओआरआर) से कोंडापुर, और कोंडापुर से हैदराबाद हवाई अड्डे से हाई-टेक सिटी तक जाना आसान होगा।जीएचएमसी आयुक्त ने मलकम चेरुवु में सफाई की समस्या और कुत्तों के उपद्रव के बारे में कई पैदल यात्रियों की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तूफानी नालों को झील में जाने से रोकने के लिए उचित कदम उठाएं।

टैंक बंड में संडे फनडे की वापसी की संभावना

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक ब्रेक के बाद, बहुचर्चित 'संडे फनडे' कार्यक्रम 18 मई से टैंक बंड पर अपने पहले जीवंत अवतार में लौटने वाला है। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) साप्ताहिक मनोरंजन कार्यक्रम को वापस ला रही है, जो पूरे शहर से लोगों को आकर्षित करता था, चौथे रविवार को हुसैन सागर के साथ सुरम्य खंड को एक सांस्कृतिक और मनोरंजक केंद्र में बदल देता है।यह गतिविधि, जो अस्थायी रूप से बंद कर दी गई थी, नए जोश के साथ पुनर्जीवित की जा रही है, क्योंकि शहर 10 से 31 मई तक हाई-टेक सिटी में विश्व सौंदर्य प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है।

पुलिस 1,750 लावारिस वाहनों की नीलामी करेगी

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद शहर पुलिस की ओर से शनिवार, 3 मई को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि कुल 1,750 परित्यक्त या लावारिस वाहनों का सार्वजनिक नीलामी के जरिए निपटान किया जाएगा।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि यदि वास्तविक मालिक अपने वाहनों पर दावा करने में असफल रहते हैं तो सार्वजनिक नीलामी की जाएगी।प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, इनमें से किसी भी वाहन पर कोई आपत्ति या स्वामित्व/दृष्टिकोण हित रखने वाला कोई भी व्यक्ति पुलिस आयुक्त, एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी), बंजारा

हिल्स, हैदराबाद के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सकता है और घोषणा की तारीख से छह महीने की अवधि के भीतर वाहन पर दावा कर सकता है। वाहनों का विवरण अंबरपेट में एसएआर सीपीएल पुलिस ग्राउंड पर तैनात नीलामी टीम के पास उपलब्ध है। हैदराबाद सिटी पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर भी जानकारी उपलब्ध है ।पुलिस ने हैदराबाद (महानगरीय क्षेत्र) पुलिस अधिनियम, 2004 की धारा 7 तथा हैदराबाद नगर पुलिस अधिनियम की धारा 40 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से इन वाहनों का निपटान करने का प्रस्ताव किया है।

नाबालिग लड़के का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में महिला पर पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स के पॉश इलाके में संदिग्ध यौन शोषण का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक 17 वर्षीय लड़के के साथ एक महिला द्वारा बार-बार दुर्व्यवहार किया गया, जिसके बाद पुलिस ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

लड़के के माता-पिता ने अपने बेटे की बिगड़ती मानसिक स्थिति को देखते हुए और घटनाओं के बारे में सुनने के बाद पुलिस से संपर्क किया।

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, किशोर, जिसने अभी-अभी 10वीं कक्षा पूरी की है, और आरोपी महिला दोनों ही इलाके के एक घर में घरेलू सहायक के रूप में काम करते हैं।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि दोनों के बीच सहमति से संबंध बने थे, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चूंकि लड़का नाबालिग है, इसलिए पोक्सो अधिनियम के तहत सहमति मायने नहीं रखती।

पश्चिमी क्षेत्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईई को बताया, जब माता-पिता को पता चला, तो उन्होंने शिकायत की। तकनीकी रूप से यह एक पोक्सो मामला है। चाहे सहमति हो या न हो, यह एक अपराध है और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी । लड़के के माता-पिता, जो उसी उद्योग में कार्यरत हैं, जब उनके बेटे के हाल के हफ्तों में अवसादग्रस्त और बीमार होने की बात सामने आई, तो वे चिंतित हो गए। किशोर ने उन्हें बताया कि उनके कार्यस्थल पर एक करीबी परिचित महिला ने कई मौकों पर उसका यौन शोषण किया है।

रिपोर्ट के अनुसार अधिकारी ने कहा, वे (लड़का और महिला) एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं और घर पर एक साथ काम करते हैं।

पोक्सो अधिनियम के तहत आरोपों के साथ-साथ, पुलिस ने एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रासंगिक प्रावधानों को शामिल किया है और मामले की पृष्ठभूमि निर्धारित करने के लिए विस्तृत जांच शुरू की है।

पोक्सो अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन दुर्व्यवहार, उत्पीड़न और शोषण से बचाने के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान करता है।यह अपराध हैदराबाद में पोक्सो मामलों की संख्या में एक भयावह वृद्धि को उजागर करता है। हैदराबाद सिटी पुलिस की 2024 की वार्षिक रिपोर्ट से पता चलता है कि हैदराबाद में 2023 में 371 से बढ़कर 449 पोक्सो मामले देखे गए।

तेलंगाना: 28 सरकारी डिग्री कॉलेजों ने नए पाठ्यक्रम शुरू किए

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने के लिए, 28 सरकारी डिग्री कॉलेज (जीडीसी) शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए नए अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री कार्यक्रम शुरू करने के लिए तैयार हैं।ये कार्यक्रम हैं - बीकॉम बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई), बीकॉम ई-कॉमर्स ऑपरेशंस, बीकॉम रिटेल ऑपरेशंस, बीएससी टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी ऑपरेशंस, बीएससी डिजिटल/इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स, बीएससी मार्केटिंग एंड सेल्स, बीएससी फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग एंड क्वालिटी, और कंटेंट और क्रिएटिव राइटिंग में

बीबीए।इन नई पेशकशों का उद्देश्य रोजगार क्षमता को बढ़ाना, कौशल उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देना, तथा शिक्षा जगत और उद्योग के बीच की खाई को पाटना है - जिससे जी.डी.सी. के लिए एक परिवर्तनकारी युग की शुरुआत होगी।कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय द्वारा यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब पिछले आठ वर्षों में डिग्री कॉलेजों में नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। पिछली बीआरएस सरकार की पहलों की बदौलत, जिसमें 2021 में बकेट सिस्टम की शुरुआत भी शामिल है, जो छात्रों को पूल से अपने स्नातक विषय चुनने की अनुमति देता है, जीडीसी में प्रवेश में 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।आयुक्तालय द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, जीडीसी में दाखिले 2018 में 28,035 से बढ़कर वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2024-25 तक 50,477 हो गए, जो 80 प्रतिशत की वृद्धि है। 2019 में शुरू किए गए एक महत्वपूर्ण सुधार, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के कारण 2019 में केवल एक वर्ष में 14,250 अतिरिक्त दाखिले हुए। तब से, कॉलेजों ने लगातार विकास की गति बनाए रखी है।

इसके अलावा, गवर्नमेंट सिटी कॉलेज जैसे कुछ जीडीसी ने सेक्टर स्किल काउंसिल पाठ्यक्रम शुरू किए, जिससे छात्रों को पाठ्यक्रम के दौरान सशुल्क इंटर्नशिप के अलावा उद्योग कौशल हासिल करने में मदद मिली।पाठ्यक्रमों में रिटेलिंग, ई-कॉमर्स, संचालन और लॉजिस्टिक्स, कंटेंट और रचनात्मक लेखन, मीडिया और मनोरंजन, एनीमेशन, मनोरंजन और फार्मेसी और संबद्ध पाठ्यक्रम शामिल हैं।

केंद्र सरकार देश भर में दे रही बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार देश भर के 90 प्रतिशत जिलों में बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेलंगाना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रेड्डी ने नामपल्ली में भाजपा के राज्य मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि आर्थिक विकास को गति देने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सड़क, रेलवे, हवाई मार्ग, बंदरगाह और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में व्यापक विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में मोदी सरकार ने देश भर में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए लाखों करोड़ रुपये का निवेश किया है। रेड्डी ने तेलंगाना के बुनियादी ढांचे में बदलाव पर प्रकाश डाला और कहा कि राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 1.25 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ दोगुना से अधिक हो गया है।

2014 में यह 2,500 किलोमीटर था जो अब बढ़कर 5,200 किलोमीटर हो गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 5 मई को तेलंगाना का दौरा करेंगे और 5,416 करोड़ रुपये की 26 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनकी कुल दूरी 167 किलोमीटर होगी। उन्होंने कहा कि

इन परियोजनाओं में हैदराबाद, आदिलाबाद, निजामाबाद, कामारेड्डी और मेडक जैसे जिलों में सड़क चौड़ीकरण, फ्लाईओवर, अंडरपास और सर्विस रोड से जुड़े नए विकास कार्य और पूरे हो चुके कार्य शामिल हैं। उन्होंने सूरत-सोलापुर-चेन्नई आर्थिक गलियारा, हैदराबाद-विशाखापत्तनम गलियारा और नागपुर-विजयवाड़ा गलियारा जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा पहलों की ओर भी इशारा किया, जो अन्य क्षेत्रों के साथ तेलंगाना की कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण सुधार लाएंगे। ये परियोजनाएं तेलंगाना से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास में 1 लाख करोड़ रुपये के व्यापक निवेश का हिस्सा हैं। रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि देशभर में 10,000 किलोमीटर तक फैले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण 4.5 लाख करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है, जिसमें अकेले तेलंगाना में 4,500 करोड़ रुपये की लागत से 136 किलोमीटर का काम किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया, जिससे राज्य में कुछ परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी हुई है। रेड्डी ने जाति जनगणना के मुद्दे को संबोधित किया, कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार की केवल सीमित जाति सर्वेक्षण करने और संवैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र कानून के अनुसार एक व्यापक राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसे जाति जनगणना अधिनियम के तहत अगली जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि जाति जनगणना सभी सामाजिक समूहों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए दूरदराज के क्षेत्रों सहित हर व्यक्ति और घर को कवर करेगी। उन्होंने पिछड़ा वर्ग (बीसी) सूची में धर्म आधारित समूहों को शामिल करने के लिए कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की, जिसे उन्होंने बीसी समुदाय के साथ अन्याय बताया। रेड्डी ने निष्पक्ष, कानूनी और समावेशी गणना के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई।

5,416 करोड़ के सड़क परियोजनाओं को लांच करेंगे नितिन गडकरी

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी 5 मई को तेलंगाना में 5,416 करोड़ रुपये की कई सड़क परियोजनाओं को लांच करेंगे। गडकरी द्वारा लांच की जाने वाली परियोजनाओं में 4,590 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएँ और 826 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लांच जाएगा। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने बताया कि हैदराबाद के अंबरपेट में 330 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए 1.47 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर का उद्घाटन भी गडकरी करेंगे। इस फ्लाईओवर का उद्देश्य हैदराबाद और सिकंदराबाद के नागरिकों के लिए बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और सुगम यात्रा प्रदान करना है। इसे अब सार्वजनिक उपयोग के लिए पूरी तरह से खोल दिया गया है, जो यातायात जाम को कम करने में मदद करेगा।

तेलंगाना में कपास खरीद में 3000 करोड़ का घोटाला, बीआरएस ने जांच की मांग की

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य में कपास खरीद में 3000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए बीआरएस नेता पेड्डी सुदर्शन रेड्डी, एरोला श्रीनिवास, मन्ने गोवर्धन रेड्डी और कई अन्य ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस नेता कपास की बिक्री में हेराफेरी करने के लिए एक सिंडिकेट के रूप में काम कर रहे हैं, जिससे किसान मुश्किल में हैं। तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कपास खरीद में अनियमितताओं की गहन जांच की मांग की।

पेड्डी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि व्यापारियों और अधिकारियों के बीच धोखाधड़ी वाली सांठगांठ के कारण कपास किसानों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है। 2024-25 के सीजन में, लगभग 25 लाख किसानों ने कपास की खेती की, जिससे 49 लाख गांठें पैदा हुईं। जबकि कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने 41 लाख गांठें खरीदीं, निजी व्यापारियों ने केवल 8 लाख गांठें ही खरीदीं।

चौंकाने वाली बात यह है कि केवल 6.3 लाख किसान ही सीसीआई को अपना कपास बेच पाए और मात्र 9 लाख गांठों के लिए ट्रक परमिट जारी किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा 60,000 लेनदेन रिकॉर्ड (टीआर) जारी करने के बावजूद, किसानों को उचित मुआवज़ा नहीं मिल पाया, क्योंकि निजी बाज़ार में कीमतें 5,500-6,000 रुपये प्रति क्विंटल के बीच थीं, जो आधिकारिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 7,521 रुपये से काफी कम थी।

उन्होंने दिवाली के दौरान हैदराबाद के एक पांच सितारा होटल में सीसीआई अधिकारियों और शीर्ष व्यापारियों के बीच गुप्त बैठकों का आरोप लगाया, जो एक बड़े घोटाले की शुरुआत थी। जबकि आधिकारिक रिकॉर्ड बताते हैं कि 80% फसल सीसीआई द्वारा खरीदी गई थी, रेड्डी ने दावा किया कि केवल 20% किसान वास्तव में निगम को सीधे बेचने में सक्षम थे।

उन्होंने इस घोटाले में विपणन अधिकारियों को भी शामिल बताया तथा इसकी तुलना नागरिक आपूर्ति विभाग में हुई अनियमितताओं से की, जिसमें मुख्यमंत्री और मंत्री कथित रूप से शामिल हैं।

इंदिराम्मा आवास योजना के तहत गरीबों को 5 लाख का अनुदान देकर देश में सबसे आगे है तेलंगाना : श्रीनिवास रेड्डी

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की कि तेलंगाना भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जो महत्वाकांक्षी इंदिराम्मा इंडला योजना के तहत आवास के लिए प्रति लाभार्थी 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है।

शनिवार को हैदराबाद में राष्ट्रीय निर्माण अकादमी (एनएसी) में आयोजित एक प्रमाण पत्र वितरण समारोह में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार इस साल 22,000 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ 4.5 लाख इंदिराम्मा घरों का निर्माण करने के लिए तैयार है। इस पहल का उद्देश्य गरीबों की सम्मानजनक आवास की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षा को पूरा करना है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना आवास लाभार्थियों को इस तरह के उच्च स्तर की प्रत्यक्ष सहायता प्रदान करने में सबसे आगे है, जबकि अन्य राज्य मुख्य रूप से केंद्रीय निधियों पर निर्भर हैं। नए घर, प्रत्येक 400 वर्ग फीट से कम नहीं, 5 लाख अनुदान का उपयोग करके लाभार्थियों द्वारा सीधे बनाए जा रहे हैं।

पायलट गांवों में निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और आने वाले दिनों में लाभार्थी चयन प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। मंत्री ने हाल ही में एनएसी में छह दिवसीय कार्यक्रम पूरा करने वाले 350 सहायक इंजीनियरों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी सौंपे। उल्लेखनीय है कि नव प्रशिक्षित इंजीनियरों में से 45 प्रतिशत महिलाएं हैं और चयन पूरी तरह से योग्यता के आधार पर किया गया था। मंत्री ने सहायक इंजीनियरों से ईमानदारी बनाए रखने, भ्रष्टाचार से बचने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि केवल पात्र आवेदकों को ही आवास लाभ मिले। उन्होंने भुगतान प्रक्रिया से बिचौलियों को खत्म करने के लिए उन्नत तकनीक के इस्तेमाल पर भी जोर दिया और कहा कि लाभार्थियों को हर सोमवार को चरणबद्ध भुगतान किया जा रहा है। संबंधित घटनाक्रम में, मंत्री ने स्टांप एवं पंजीकरण विभाग के 21 कर्मचारियों को पदोन्नति प्रमाण पत्र प्रदान किए। इसमें ग्रेड-1 में पदोन्नत 10 ग्रेड-2 उप-पंजीयक और ग्रेड-2 में पदोन्नत 11 वरिष्ठ सहायक शामिल थे। मंत्री ने युवा इंजीनियरों को लागत प्रभावी और गुणवत्ता-केंद्रित निर्माण प्रथाओं को अपनाने और आवास कार्यक्रम के कुशल कार्यान्वयन के लिए लाभार्थियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया।

FLAT FOR SALE
3BHK flat, 1550sqft on 5th floor,
SHIKA ENCLAVE, SIDDIAMBAR BAZAR
Main Road, Fully furnished.
with Electronic 24hrs Water Supply,
Generator, CCTV, 24hrs Security,
Very good condition is for Sale
Contact: 9908848336, 8309319078, 9000200050

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive............
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj,
Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...
A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

तेज रफ्तार वाहन पलट गई सड़क किनारे, पांच श्रद्धालुओँ की मौत

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई है। नंदयाल जिले में एक सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु श्रीशैलम मल्लिकार्जुन स्वामी के प्रसिद्ध मंदिर के दर्शन करने के बाद बोलेरो वाहन में सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी क्रम में जब उनकी बोलेरो आत्मकुर मंडल के बायरलुटी गांव के पास पहुंची तो अचानक उस पर से चालक का नियंत्रण खो गया और वाहन सड़क किनारे पलट गई।

इस दुर्घटना में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 19 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। उनमें से सात की हालत बहुत गंभीर है।

मित्र देशों की पुलिस की तरह जनता का विश्वास जीतने के लिए काम करें : डीजीपी

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डॉ. जितेन्द्र ने राज्य भर के स्टेशन हाउस ऑफिसर्स (एसएचओ) से पुलिसिंग के लिए लोगों के अनुकूल दृष्टिकोण अपनाने और निष्पक्ष और समर्पित सेवा के माध्यम से जनता का विश्वास जीतने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

उन्होंने शनिवार को डीजीपी कार्यालय में विभिन्न इकाइयों के एसएचओ के साथ एक संवाद सत्र के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में पुलिसिंग प्रथाओं के साथ तुलना करते हुए, डॉ. जितेन्द्र ने एक दोस्त के बच्चे के बारे में एक व्यक्तिगत किस्सा साझा किया, जो पुलिस को मित्रता और विश्वास से जोड़ता था।उन्होंने कहा, अमेरिका जैसे देशों में, नागरिक पुलिस को दोस्त के रूप में देखते हैं। उस धारणा से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। हमें अपने लोगों के बीच इसी तरह का विश्वास और भरोसा पैदा करने के लिए काम करना चाहिए।डीजीपी ने जोर देकर कहा कि पुलिस के काम में निष्पक्षता और ईमानदारी सकारात्मक सार्वजनिक छवि बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि पक्षपात या लापरवाही के इक्का-दुक्का मामले भी विभाग की विश्वसनीयता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारी सेवा के माध्यम से हम जो विश्वास बनाते हैं, वह कड़ी मेहनत से अर्जित किया जाता है और इसे निरंतर सतर्कता और व्यावसायिकता के माध्यम से बनाए रखा जाना चाहिए। तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित आगामी मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के मद्देनजर, डॉ. जितेन्द्र ने एसएचओ को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को लापरवाही न बरतने की चेतावनी देते हुए कहा, यह अंतर्राष्ट्रीय आयोजन तेलंगाना पुलिस के लिए अपनी व्यावसायिकता और दक्षता दिखाने का एक मूल्यवान अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने जोर देकर कहा, पिछली उपलब्धियों के कारण हमें आराम नहीं करना चाहिए। हमारी शीर्ष राष्ट्रीय रैंकिंग को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। किसी भी तरह का कदाचार या लापरवाही पूरे विभाग पर खराब प्रभाव डालेगी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था), श्री महेश एम. भागवत, आईपीएस ने भी सभा को संबोधित किया और मिस वर्ल्ड कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला, खासकर महिला संगठनों द्वारा उठाई गई चिंताओं के जवाब में। उन्होंने प्रतिभागियों और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया। एडीजीपी

भागवत ने अधिकारियों को कृषि सीजन की शुरुआत के साथ ही नकली बीज और कीटनाशकों के बाजार में आने के खतरे के बारे में भी सचेत किया और उन्हें इस तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। डीजीपी कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि बैठक में एआईजी (कानून और व्यवस्था) श्री रमण कुमार, डीएसपी श्री सत्यनारायण और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.